फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 196 प्रभात जयपुर, गुरुवार 16 फरवरी, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

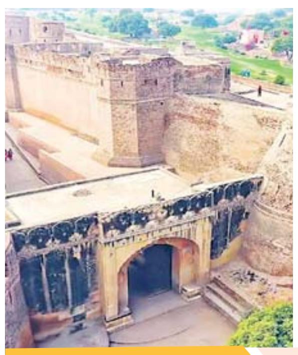

The Bhatis Of Bhatner The typical black figures on red painted pottery of Rangmahal had been discovered from a large number of sites. James Tod who had imagined that near Rangmahal, a large town is buried.

Royal Marwari Horse Show Documenting, preserving and educating horse owners

कुछ वानर अपना सारा जीवन वृक्षों पर गुज़ार देते हैं और प्रायः जमीन पर नहीं आते, क्योंकि यहां उनका पसंदीदा भोजन कम मिलता है और परभक्षी जीवों का खतरा भी ज्यादा होता है। पर वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन से इनके प्राकृतिक आवास खतरे में पड़ रहे हैं। इस वजह से कुछ वानर भोजन की तलाश में जमीन पर आने लगे हैं। प्रोसीडिंग्स ऑफ नैशनल अकैडमी ऑफ साईन्सेज़ में छपे एक शोध में वैज्ञानिकों ने यह जानकारी दी है। दुनियाभर के 118 शोधकर्ताओं ने 34 साल तक मैडागास्कर तथा अमेरिका में लीमर और पेड़ों पर रहने वाले वानरों का अध्ययन किया। कैलिफोर्निया में सैन डिएगो ज़ू वाइल्डलाइफ अलायन्स के टिमथी एपली, जो शोध के सहलेखक भी हैं, ने कहा, हम यह समझना चाहते थे कि, किन कारणों की वजह से वानर जमीन पर ज्यादा नजर आने लगे हैं। सहलेखक पैट्रीशिया राइट ने कहा, जिन वानरों का अध्ययन किया गया था, उन्होंने औसतन 5 प्रतिशत से भी कम समय जमीन पर गुजारा, हालांकि यह ज्यादा नहीं है, पर जमीन पर एक सैकेंड का समय भी भारी पड़ सकता है, खासकर परभक्षी को देखते हुए। इसके बावजूद कुछ वानर जमीन पर उतरने का खतरा उठा रहे हैं। शोध में यह भी पता चला कि, अलग-अलग प्रकार का भोजन करने वाले और बड़े समूहों में रहने वाले वानर जमीन पर रहने की स्थिति से आसानी से अनुकूलन कर सकते हैं। छोटे आकार के वानर भी ऐसा कर सकते हैं, जो कि एक अप्रत्याशित निष्कर्ष है। वैज्ञानिक अभी भी समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसा क्यों है। प्राइमेट एक्सपर्ट, स्टोनी ब्रूक युनिवर्सिटी के जॉन फ्लीगल, जो हालांकि शोध का हिस्सा नहीं थे, का कहना है कि इन नतीजों से पता चलता है कि, हालांकि वानरों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं पर कुछ वानर ऐसे नए आवास से डील कर सकते हैं, जो उनके मूल प्राकृतिक आवास से नीचे हैं। एक निराशाजनक निष्कर्ष यह है कि, इमारतों और सड़क के आसपास रहने वाले वानर नीचे नहीं उतरते। संरक्षणविद इनकी मदद के लिए रणनीति बना रहे हैं, जैसे प्राकृतिक आवासों को परस्पर जोड़ने के लिए रोप ब्रिज का निर्माण आदि। इस शोध में जिन प्रजातियों का अध्ययन किया गया, उनमें प्रमुख हैं, ब्राज़ील के ब्राउन हाउलर्स (जो चित्र में नज़र आ रहे हैं), हमबोल्ट के वूली मंकी, वाइटफेस्ड कापुचिन, मैडागास्कर में वेरो सिफाका, सदर्न बैम्बू लीमर और रिंग टेल्ड लीमर आदि।

रायपुर अधिवेशन में कांग्रेस पार्टी अपने संविधान में संशोधन करेगी?

प्रमुख संशोधन होगा कि, पूर्व पार्टी अध्यक्ष जीवन पर्यन्त सी.डब्ल्यु.सी. के सदस्य होंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। ऐसे पक्के संकेत हैं कि कांग्रेस पार्टी अपने संविधान में संशोधन कर सकती है तथा पूर्व कांग्रेस अध्यक्षों को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यु.सी.) का आजीवन सदस्य बना सकती है। ज्ञातव्य है कि सी.डब्ल्यु.सी. कांग्रेस पार्टी की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च समिति है।

सूत्रों ने कहा कि इस संशोधन का उद्देश्य सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी को सी.डब्ल्यु.सी. का आजीवन सदस्य बनाने का है। चूँकि अन्य कोई पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष जीवित नहीं है, इसलिये इस समय तो यही अपेक्षा है कि यह संशोधन इन्हीं दोनों पर लागू होगा।

बाद में, अगर और जब मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष पद से मुक्त हो जायेंगे तो वे भी इसी कोटि में शामिल हो जायेंगे।

वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी, जो गांधी परिवार के नज़दीक मानी जाती हैं, संविधान संशोधन समिति की अध्यक्ष बनाई जा चुकी हैं जिसके द्वारा 24 से 26 फरवरी तक रायपुर में होने वाले पार्टी महाधिवेशन में यह संविधान-संशोधन पेश किया जा सकता है।

- फिलहाल दो ही पूर्व कांग्रेसाध्यक्ष जीवित हैं, सोनिया गांधी और राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे को भी इस संशोधन का लाभ मिलेगा, जब वे पद छोड़ेंगे।
- अंबिका सोनी को संविधान संशोधन समिति का अध्यक्ष बनाया है तथा वे पार्टी हाई कमान की अति विश्वासी व नजदीक मानी जाती हैं।
- इस बार ए.आई.सी.सी. के सदस्यों की चयन प्रक्रिया की बहुत सख्ती से अनुपालना होने की भी चर्चा है। पार्टी के संविधान के अनुसार आठ पी.सी.सी. सदस्यों पर एक ए.आई.सी.सी. सदस्य बनेगा।
- सोनिया गांधी के समय ज्यादा से ज्यादा ए.आई.सी.सी. के सदस्य बनाये जाते थे, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग अधिवेशन में भाग ले सकें।
- इस बार अधिवेशन में भाग लेने वालों की संख्या कानून की प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित की जाएगी और भीड़ इकट्ठी नहीं की जाएगी तथा निर्वाचित सदस्यों को ही बुलाया जाएगा।

चुनाव समिति के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री ने कहा कि जहाँ तक सी.डब्ल्यु.सी. के चुनावों का प्रश्न है, चुनाव अधिकारी पूरी तरह तैयार हैं तथा 24 घंटे के नोटिस पर चुनाव कराये जा सकते हैं।

ए.आई.सी.सी. सदस्यों की सूचियाँ तैयार हो रही हैं तथा पार्टी पी.सी.सी. के हर 8 सदस्यों के लिये 1 ए.आई.सी.सी. सदस्य के निर्धारित मानक का पूरी तरह ध्यान रख रही है।

इससे पहले, जब सोनिया गांधी के कार्यकाल में सी.डब्ल्यु.सी. के लिये चुनाव नहीं कराये जा रहे थे, पार्टी के बहुत सारे सदस्य ए.आई.सी.सी. के सदस्य बना दिये गये थे ताकि वे अधिवेशन में शामिल हो सकें। लेकिन इस समय चल रही छँटाई के चलते, मूल संख्या का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिये किया जा रहा है कि संविधान के नियमों का पूरी तरह पालन हो सके, जिससे कोई सदय सी.डब्ल्यु.सी. चुनावों की प्रक्रिया को चुनौती नहीं दे सके।

कांग्रेस तथा दिल्ली के मीडिया में इस बिंदु पर गहन अटकलें लगाई जा रही हैं कि अगर सी.डब्ल्यु.सी. के चुनाव होते हैं तो क्या सचिन पायलट इसके लिये चुनाव लड़ेंगे।

बी.बी.सी. कार्यालयों पर आई.टी. सर्वे दूसरे दिन भी जारी रहा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। बी.बी.सी. इंडिया के खिलाफ आयकर विभाग की जाँच आज दूसरे दिन भी जारी रही तथा बताया जाता है कि अधिकारियों ने कंपनी के इलैक्ट्रॉनिक तथा कागज़ -आधारित वित्तीय डेटा की कॉपी की।

- सूत्रों ने बताया कि, बी.बी.सी. इंडिया के वित्तीय दस्तावेजों की कॉपी करने का साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों के फोन की क्लोनिंग भी की।

ज्ञातव्य है कि आई.टी. के इस सर्वे से चन्द सप्ताह पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा 2002 के गुजरात दंगों

(शेष पृष्ठ 7 पर)

"फिच" पाकिस्तान रेटिंग, सी.सी.सी.+ से सी.सी.सी.- हो गयी

अन्तर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी ने यह भी कहा कि, तीन सप्ताह में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा का रिज़र्व 20 अरब डॉलर से घट कर 2.9 अरब डॉलर ही रह गया है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। पाकिस्तान के मित्र माने जाने वाले देशों और वैश्विक सामरिक सलाहकारों ने उसे सलाह दी है कि वह अपनी आत्मसंतुष्टि की प्रवृत्ति त्यागे, कश्मीर को भूल जाए और भारत से दोस्ती करे। अब समय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर फोकस करने का है जो दशकों तक अनदेखी किए जाने की पीड़ा भुगत रही है।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी "फिच" ने भी अब इस वास्तविकता की पुष्टि कर दी है। उसने पाकिस्तान की दीर्घकालिक फॉरेन करेंसी इश्यूअर डिफाल्ट रेटिंग (आई.डी.आर.) को सी.सी.सी. प्लस से कम करके सी.सी.सी. माइनस" कर दिया है।

- पाकिस्तान के पुराने मित्रों ने, चीन, सऊदी अरब व यू.ए.ई. ने भी हाथ खींच लिया।
- इन देशों का कहना है, पाकिस्तान आतंकवादी गिरोहों को फायनैंस करना बंद करे, क्योंकि इससे विदेश से आने वाला "फॉरैन डायरैक्ट इन्वैस्टमैंट" सूख गया है तथा चीन पर अति निर्भरता भी गलत नीति साबित हुई है।

यह अवनति बाह्य तरलता और फण्डिंग कंडीशन्स में आई तीव्र कमी को दर्शाती है और फॉरेन एक्सचेंज रिज़र्वज़ के एकदम नीचे के स्तरों के बारे में इंगित करती है। फिच ने कहा कि रेटिंग का कमजोर पड़ना यह भी दर्शाता है कि पाकिस्तान में इस वर्ष होने वाले आम चुनावों से पूर्व सरकारी योजनाओं को जारी रखने और फण्डिंग को लेकर बड़ी जोखिमपूर्ण स्थिति है। चूक अथवा ऋण

(शेष पृष्ठ 7 पर)

मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ ने बजट की प्रतियां जलाईं

जयपुर, 15 फरवरी (का.प्र.)। राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ ने बजट घोषणा 2023-2024 में मंत्रालयिक कर्मचारियों की अनदेखी को लेकर प्रदेश भर के 33 जिलों में जिला कलैक्टर कार्यालयों में एवं 360 ब्लॉकों में उपखंड मुख्यालयों पर बजट के कर्मचारी कल्याण के चैप्टर की प्रतियों की होली जलाई और सम्पूर्ण प्रदेश में कार्य बहिष्कार कर विरोध दर्ज कराया। जयपुर में जिला कलैक्टर कार्यालय पर जयपुर के सभी विभागों

- राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ ने मंत्रालयिक कर्मचारियों की उपेक्षा के प्रति विरोध जताते हुए राज्यभर में जिला कलैक्टर कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

अब आसाम व महाराष्ट्र में घमासान छिड़ा?

कांग्रेस, भाजपा आदि विपक्ष का आरोप है, "एकनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा महाराष्ट्र में लगने वाले उद्योगों की रक्षा नहीं कर पाना और अब महाराष्ट्र की सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहर को भी लुटने देना"

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। धर्म और राजनीति के घालमेल से एक बार फिर एक विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, भाजपा शासित असम सरकार ने एक विज्ञापन जारी किया है जिसमें दावा किया गया है कि छठा ज्योतिर्लिंग इस पूर्वोत्तर राज्य में स्थित है, जबकि केन्द्र सरकार के 2021 के एक सर्कुलर के अनुसार, छठा ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के पुणे जिले के भीमाशंकर में है।

महाराष्ट्र में विपक्ष के नेताओं, जिनमें शिवसेना, यू.बी.टी., कांग्रेस

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- इस मुद्दे ने जोर पकड़ा, जब, आसाम सरकार ने बड़े-बड़े विज्ञापन छपवाकर दावा किया कि, छठा ज्योतिर्लिंग आसाम में है।
- अब तक महाराष्ट्र में यह माना जाता था कि, छठा ज्योतिर्लिंग, भीमशंकर, महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित है।
- इस विज्ञापन से महाराष्ट्र शिव सेना-भाजपा की सरकार रक्षात्मक मुद्रा में आ गयी है। भाजपा के महाराष्ट्र विधानसभा सदस्य, विधायक राम कदम ने कुछ लीपा पोती की कि, विपक्ष नाहक ही फिज़ूल का मुद्दा बना रहा है, क्योंकि सभी जानते हैं भीमशंकर महाराष्ट्र में है।

'भूमिगत पानी का स्तर, खतरे के निशान के नीचे पहुंचा'

जाते-जाते सरकार को इस संकट का आभास हुआ?

- केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों की समिति की रिपोर्ट तक, राज्य सरकार को साल भर पहले प्राप्त हो गयी थी।
- रिपोर्ट में साफ लिखा है, राज्य के सभी 33 में से 31 जिलों में भूमिगत पानी का एक्स्प्लॉयटेशन 151 प्रतिशत तक है, यानि, जितना पानी का भराव होता है भूमिगत स्रोत में, उससे ज्यादा पानी बड़े-बड़े पम्पों द्वारा निकाल लिया जाता है।
- सदन के उप नेता ने यह मुद्दा विधानसभा में उठाया, तो पी.एच.ई.डी. मंत्री ने भयावह स्थिति स्वीकार की और कहा, शीघ्र ही राज्य सरकार स्थिति पर नियंत्रण पा लेगी, क्योंकि तीन दिन पहले ही उन्होंने फाइल पर हस्ताक्षर किये हैं।

जयपुर, 15 फरवरी (वि.सं.)। राजस्थान सूखा प्रदेश है, जहां जनसंख्या बढ़ने और औद्योगिककरण होने से भूजल दोहन की समस्या कई दशकों से चली आ रही है। हद तो तब हुई जब केंद्र सरकार ने गत वर्ष 33 जिलों का सर्वे कर भूजल के 'ओवर एक्सप्लॉयटेशन' की जानकारी दी फिर भी राज्य सरकार ने इसे रोकने के संरक्षण के संबंध में कोई कदम नहीं उठाया।

आज विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने भूजल दोहन का मामला उठाया। उन्होंने दशकों से चली आ रही इस समस्या के संदर्भ में नये तथ्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश में भूजल संरक्षण के संबंध में राज्य सरकार द्वारा गठित भूजल संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण का गठन तो दूर अब तक उसका प्रारूप भी तैयार नहीं हो पाया है। उन्होंने केंद्र सरकार के जल मंत्रालय द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में भूजल की खपत 151 प्रतिशत की दर से हो रही है, यानी भूजल जितना एकत्रित हो रहा है उससे ज्यादा दोहन हो रहा है, परंतु अभी तक प्रदेश में भूजल संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण का गठन क्यों नहीं किया गया है और जल्द से जल्द होना चाहिए।

इस पर भू-जल मंत्री डॉ. महेश जोशी ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य में भू-जल दोहन के नियन्त्रण के लिए राज्य सरकार द्वारा शीघ्र ही राज्य भू-जल संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। महेश जोशी ने सदन को बताया कि भूजल संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के गठन को प्रस्तावित करने वाली फाइल को तीन दिन पहले ही स्वीकृति दी गई है और राज्य सरकार शीघ्र ही इसे अमल में लाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर इस संबंध में प्राधिकरण बनाने के लिये ड्राफ्ट विधि विभाग तथा वित्त विभाग को भेजा गया था, हाल ही में उनकी आपत्तियों का निस्तारण किया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के जल संसाधन मंत्रालय ने 3 मार्च को ग्राउंड लैवल का सर्वे किया था जिसके तहत पाया गया था कि प्रदेश के 33 जिलों में 295 ब्लॉक में से 219 ब्लॉक्स में भूजल स्तर 'ओवर एक्सप्लॉयटेशन' श्रेणी में आता है, 22 ब्लॉक्स संवेदनलशील श्रेणी में आते हैं, 20 ब्लॉक्स अर्द्धसंवेदनशील श्रेणी में और केवल 38 ब्लॉक ही सुरक्षित श्रेणी में आते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 'ओवर एक्सप्लॉयटेशन' श्रेणी में प्रदेश के सभी बड़े शहर और जिले शामिल हैं जिनमें जयपुर, बीकानेर, भरतपुर, अलवर, अजमेर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर शामिल हैं। केवल गंगानगर, हनुमानगढ़ और डूंगरपुर ही ऐसे जिले हैं जो सुरक्षित श्रेणी में आते हैं।

सदन में जवाब के दौरान मंत्री महेश जोशी ने माना कि केंद्र सरकार की यही मंशा रही है कि राज्य सरकार अपने स्तर पर ही भूजल संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण का गठन कर ले और भूजल संरक्षण की नीति लागू करने का जिम्मा स्वयं ही उठाये, परंतु इस सरकार के पांचवे वर्ष में भी इस प्राधिकरण का गठन नहीं हो पाया हैं।

सदन में जब महेश जोशी जवाब दे रहे थे उसी दौरान उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने उनसे पूछा कि प्रदेश में केवल कृषि उपयोग और घरेलू उपयोग के लिये भूजल के उपयोग पर कोई प्रभार लागू नहीं है, परंतु वह बतायें कि जयपुर, बीकानेर, कोटा, भीलवाड़ा और अजमेर जैसे बड़े शहर जहां भूजल स्तर 'ओवर एक्सप्लॉयटेशन' श्रेणी में है, वहां राज्य सरकार ने कंपनियों द्वारा भूजल का उपयोग करने के लिये उनसे क्या हर्जाना लिया है? इस पर डॉ. महेश जोशी ने कहा कि वे केंद्र सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार ही काम रहे हैं परंतु उनके पास उनको बताने के लिये कोई आंकड़े तैयार नहीं हैं।

ब्लड बैंक से कुत्ते ले गये खून के सैंपल

जयपुर, 15 फरवरी (वि.सं.)। विधानसभा में आज शून्यकाल के दौरान ब्लड बैंक से कुत्तों द्वारा सैंपल उठा ले जाने का मामला गूंजा। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने शून्यकाल में यह मामला उठाते हुए बताया कि 11 फरवरी को ब्लड बैंक से कुत्ते मरीजों के खून के सैंपल उठाकर ले गए।

राठौड़ ने कहा कि यूपी की टास्क फोर्स ने लखनऊ से ब्लड की तीन हजार थैलियां पकड़ी, जिनमें सैलाइन वाटर डालकर मात्रा दोगुनी की गई थी। यूपी एसटीएफ ने राजस्थान के ड्रग कंट्रोलर को सूचित किया था कि इन पर राजस्थान का मार्क है। यूपी एसटीएफ से इनपुट मिलने के बावजूद सरकार ने कार्रवाई नहीं की। राजस्थान में शराब तस्करी की तर्ज पर ब्लड तस्करी शुरू हो चुकी है। सरकार को ब्लड तस्करी की जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करना चाहिए।

- विधानसभा में शून्यकाल के दौरान उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने यह मुद्दा उठाया।

विचार बिन्दु

जो पुरुषार्थ नहीं करते उन्हें धन, मित्र, ऐश्वर्य, सुख, स्वास्थ्य, शांति और संतोष प्राप्त नहीं होते। –वेदव्यास

जातीय संगठन-सार्थकता व सामर्थ्य

जाती भारतीय समाज की हकीकत है।अधिकांस भारतीय धर्म शास्त्रों में किसी न किसी प्रकार से जातियों का विवरण है।विभिन्न जातियों के बीच सामाजिक व्यवहार कैसा है,कैसा हो इसके भी उल्लेख मिल जाएंगे। बहुत सी जातियों के देवता धर्मस्थल भी अलग अलग मिल जाते है।भारत में जाति तो व्यक्ति के मरने के बाद भी उसका पीछा नहीं छोड़ती,श्मसान भी जातियों के अनुसार।

जाती व्यक्ति की एक बड़ी पहचान है। मनुष्य सामाजिक प्राणी होने के नाते,मनुष्यों के समूह के साथ अपनी पहचान बनाता है।उसकी सबसे पहली इडेन्टिटी उसके माता-पिता,बाद में परिवार,फिर गांव-शहर-देश-प्रदेश, से बनती है।धर्म,भाषा दूसरी बड़ी पहचान है।इनके अलावा एक जैसे प्रोफेसन्स-सेवा-,समाज चेतना-सेवा कार्यों वाले ग्रुप्स, राजनीतिक विचारधाराओं पर आधारित ग्रुप्स व अन्य ऐसी ही समूह भी इडेन्टिटी का बड़ा आधार है।

कुल मिलाकर, जाती भारतीय समाज में एक बड़ी इडेन्टिटी है जिसके आधार पर समाजों के लोग इक्कठे होकर अपने समाज से सम्बंधित विभिन्न बातों-समस्याओं-उप्लब्धदियों पर विचार करते हैं।

भारतीय समाज में रीतिरिवाज,परिपाटियां,घोर अशिक्षा,अंधविश्वास,कुरीतियां, जाती आधारित पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों के फैलने-फैलाने के अनेक धार्मिक, इतिहास से जुड़े कारण रहे है।

इसी प्रकार बहुत से जातीय समूहों की सरकारों से कुछ अपेक्षाएं, मांगे होती है ।

यदि विभिन्न समाजों के लोग एकत्र होकर इन सब मुद्दों पर समय की मांग के अनुसार विचार कर,निर्णय करते है तो यह उन संगठनों की सार्थकता है और समाज के आ ान पर लोग विभिन्न प्रतिगामी रीतिरिवाजों,अन्धविश्वसों,जाती आधारित पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों से दूर होते है तो यह उनके सामर्थ्य-प्रसांगिकता के प्रमाण होंगे।

उदाहरणार्थ समाज के लिए डाईन प्रथा,झाड़ भूंक से इलाज का अंधविश्वास-झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करवाना, तीव्र गति से फैलता तरह तरह के नशों का नाशूर,गैंगस्टरस को रोलमॉडल मान कर घृणित वारदातों की ओर आकर्षित होते युवा,दहेज प्रथा व उस से होने वाली मोतें या इस सम्बंध में लगने वाले झूठे आरोप,बाल विवाह कुप्रथा,मृत्युभोज के नाम पर दशो दिन बहुत बड़ी संख्या में लोगों को भोजन करवाना,शादी समरोह-जन्मोत्सव पर होने वाला अपव्यय, इस प्रकार के मसले हैं जिनमें सामूहिक सामाजिक निर्णय बहुत ही असरकारक हो सकते है बशर्ते इन संगठनों के कर्ताधर्ता स्वयं उदाहरण बनें।

दहेज कुप्रथा:- दहेज के सम्बंध में जयपुर के पारीक समाज का एक बड़ा रोचक किस्सा है।1699 में सांगानेर व आमेर के दो पारीक परिवारों हुई शादी में इतने धन का अपव्यय हुआ कि प्रबुद्ध नागरिकों नें यह निर्णय किया कि पारीक समाज में दहेज/पहरावणी में एक तय रकम से अधिक नहीं दिए जाएंगे।वर्तमानं में यह रकम 217 रु है। कुछ दूसरे समाज भी समय समय यह निर्णय करते है कि शादी में दहेज के नाम पर नारीयल व एक सौ रुपए दिए जाएं। विभिन्न समाज भी इसी प्रकार की कोई स्वस्थ परम्परा करें तो यह बहुत बड़ी बात होगी।यदि,जो समर्थ होता है वह दहेज का बड़ा दिखावा करता है तो उसके कम सामर्थ्यवान परिवार-कुन्बे वालों पर वैसा ही कुछ करने का मानसिक दबाव बनता है। ऐसा करने वालों की वितीय स्थिति खराब हो जाती है।

कुल मिलाकर, जाती भारतीय समाज में एक बड़ी इडेन्टिटी है जिसके आधार पर समाजों के लोग इक्कठे होकर अपने समाज से सम्बंधित विभिन्न बातों-समस्याओं-उप्लब्धदियों पर विचार करते हैं। भारतीय समाज में रीतिरिवाज,परिपाटियां,घोर अशिक्षा,अंधविश्वास,कुरीतियां, जाती आधारित पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों के फैलने-फैलाने के अनेक धार्मिक, इतिहास से जुड़े कारण रहे है। इसी प्रकार बहुत से जातीय समूहों की सरकारों से कुछ अपेक्षाएं, मांगे होती है । यदि विभिन्न समाजों के लोग एकत्र होकर इन सब मुद्दों पर समय की मांग के अनुसार विचार कर,निर्णय करते है तो यह उन संगठनों की सार्थकता है और समाज के आह्वान पर लोग विभिन्न प्रतिगामी रीतिरिवाजों,अन्धविश्वसों,जाती आधारित पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों से दूर होते है तो यह उनके सामर्थ्य-प्रसांगिकता के प्रमाण होंगे।

विभिन्न जातियों की राज्य सरकार के निर्णयों से जुड़ी समस्याएं भी होती है।जाती उत्थान के लिए कुछ मांगे भी राज्य सरकार से सम्बंधित हो सकती है। उदाहरण के लिए लुहार,बढई, खाती, कुम्हार जतियों के पारम्परिक धंधों से जुड़े औजारों के उन्नयन की बात हो सकती है, बैंक ऋणों से सम्बंधित समस्या हो सकती है। इनके संगठन इस प्रकार की मांगें राज्य से कर सकते है।सरकार ही इस सम्बंध में कार्यवाही कर सकती है।

किसान जातियों से जुड़े संगठन कृषि,पशुपालन से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांगें सरकार के समक्ष रख सकती है।उदहारण के लिए कृषि विविधीकरण के लिए प्रोत्साहन,कृषि उपजों के लिए लाभकारी मूल्य व उस पर क्रय की व्यवस्था,अन्य देशों से सब्सिडाइज्ड उत्पादों के सस्ते आयतों से किसानों की रक्षा, कम पानी की फसलों के लिए फार्म लेवल पर डिमोंस्टरेसन्स,विभिन्न अनुदान योजनाओं के ओर अधिक सरलीकरण,गलत नीतियों व कुछ संगठनों द्वारा की जाने वाली डराने-धमकाने जैसी कार्यवाहियों के चलते उतपन्नआवारा पशुओं की समस्या,इन सब से से निजात-- इत्यादि।

विभिन्न राजकीय सेवाओं में विभिन्न वर्गों को आरक्षण देना केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियां है।इन के अंतर्गत जारी आदेशों और उनके क्रियान्वयन से जुड़ी ग्रीवानसेज समय समय पर सामने आती रहती है।छोटे-बड़े आंदोलन भी होते रहते है।इन समस्याओं को इन संगठनों के माध्यम से सरकारों के सामने रखे जा सकती है।

सम्मेलन के समय संगठनों का दायित्व:-कुछ बड़ी जातियां,जब इस प्रकार के सम्मेलन करती है तो बड़ा जन समूह एक साथ होता है।इसलिए आयोजकों का दायित्व बनता है कि---शहरियों का सामान्य -यातायात, कानून व्यवस्था दुष्प्रभावित न हो। अत्यावश्यक कार्यों के लिए जाने वालों को परेशनियों का सामना न करना पड़े।इसके लिए समाज के बड़ी संख्या में वोलेंट्रीयस तैयार कर उन्हें इन सब व्यवस्थाओं के लिए ट्रेनिंग देकर तैनात किया जाए।

बड़ी गेदरिंग्स सामने होने पर पोलिटीसियन्स उसका दुरुयोग करने के लालच का संवरण नहीं कर पाते।आयोजकों के लिए यह अत्यंत कठिन दायित्व बन जाता है कि ऐसा न हो पाए।असामाजिक तत्व भी विभिन्न प्रकार से ऐसे अवसरों का दुरुपयोग कर सकते हैं।आयोजकों के दायित्व होता है कि ऐसा न हो पाए।

नवाचार---हर समाज में विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले अत्यंत समान्नित लोग होते है। इन मंचों का अत्यंत सकारात्मक उपयोग होगा यदि ऐसे सहित्यकारों, कलाकारों, शिक्षकों, संगीतज्ञों, समाज सेवियों,प्रगतिशील कृषकों-कामगारों, अनेक लोगों को रोजगार देने वाले उद्यिमयों-व्यवसायियों------इत्यादि का सम्मान इन मंचों से किया जाए।पुछले कुछ समय से इस प्रकार के समाचार भी यदाकदा आते है जिसमें एक रुपया नातीयल में शादियां सम्पन्न हुई है। ऐसे जोड़ों को भी इन संगठनों के मंचों से सम्मानित किया जाना प्रशंसनीय होगा।इस से जातीय संगठनों की स्वीकार्यता बढ़ेगी।

किसी भी संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसकी सदस्यता प्रक्रिया,पदाधिकारीयों के चयन की पारदर्शी कार्य प्रणाली,नियमित बैठकें-विचार विमर्श व उधेयशयों की प्राप्ति के लिए सतत गतिविधियां होती है।ऐसे संगठन शिक्षा,स्वास्थ्य, समाज सुधार,विभिन्न लोगों को विभिन्न प्रकार से प्रोत्साहन देने के क्षेत्रों में ज्यादा व्यापक व लंबे समय तक,समाज की सर्व स्वीकार्यता के साथ समाज हित कार्य कर सकते है।

- महावीर सिंह
(पूर्व आईएएस)

फड़ चित्रकला को विकसित करने में पद्मश्री स्व. श्रीलाल जोशी का अद्वितीय योगदान

राजस्थान में फड़ चित्रकला शैली को अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फड़ चित्रकार स्वर्गीय श्रीलाल जोशी ने विकसित किया। फड चित्रकला में स्वर्गीय श्री लाल जोशी का अभूतपूर्व योगदान रहा। उन्हें पद्मश्री, राष्ट्रपति पुरस्कार एवं शिल्प गुरु सम्मान से नवाजा गया। राजमहलों की दीवारों पर आधृत इस कला को रोचक बनाकर कपडे के केनवास पर सुर-ताल-लय में स्वरबद्ध करने का श्रेय स्वर्गीय श्री लाल जोशी को है।

फड चित्रकला को समृद्ध करने में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कल्याण जोशी, गोपाल जोशी, दुर्गालाल जोशी एवं राज्य पुरस्कार प्राप्त मनोज जोशी का अद्वितीय योगदान है। कल्याण जोशी की ग्वाटेमाला सेंट्रल कनाडा में चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित हुई।

डॉ. विनोद जोशी पहले फड चित्रकार हैं, जिन्होंने पाबूजी काव्य पर पीएचडी कर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। डॉ. विनोद जोशी एवं नीमा जोशी के भगवान बुद्ध, जगन्नाथ यात्रा, श्रीनाथजी के 365 स्वरूप, गणेश स्तुति आदि अनेक चित्र मंगलम आर्ट्स में संठाहीत हैं। डॉ. विनोद जोशी का पाबूजी की फड़ पर कैटलॉग दूरदर्शन पर सांस्कृतिक पत्रिका सुरभि में प्रसारित हुआ। रामगोपाल जोशी की एक देवनारायण की फड भारतीय ललित कला में संठाहीत है। सुबोध जोशी के फड चित्र कई पत्र-पत्रिकाओं में छप चुके हैं। मनोज जोशी ने कई नए फड कलाकार तैयार किए हैं।

मेवाडी में कपडे के टुकडे पर चित्रण इबारत को फड कहते है जो सँस्कृति के पट (वस्त्र) का ही अपभ्रंश है। पड़ या फड का तात्पर्य पढ़ने या बाँचने से भी लगाया गया है। सर्वाधिक फडें देवी-देवताओं में पाबूजी राठौड, देवनारायण, दुर्गा, गोगाजी, दशामाता, सूरजनारायण, पथवारी, डाडा बावजी, महादेवजी, रामदेवरा, भँवरा बावजी, शीतला माता आदि मुख्य हैं। ये फडें जीवनधर्मी, आदर्शमय एवं अनुष्ठानिक होते हुए अपनी मूल पीठिका में लोक मंगल की धार्मिक भावना लिए होती हैं। ये देवी- देवता स्वधर्मपालन और जन कल्याण में लगे लोगों की आस्था और विश्वास में अभिवृद्धि करती हैं।

इसके अलावा महिलाओं के पूज्य त्यौहारों की पारम्परिक कथाएँ जैसे- नागपंचमी, करवा चौथ, गणगौर, श्रवण कुमार आदि का भी फडों में चित्रांकन होता है। गीत गोविन्द, महाभारत, रामायण, कुमार सम्भव, पंच कल्याण आदि से लेकर ऐतिहासिक गाथाओं, जैसे- पृथ्वीराज चैहान, हाडी रानी, पद्मिनी, जौहर, महाराणा प्रताप, अमरसिंह राठौड, हल्दी घाटी, संयोगिता हरण, चन्द वरदाई, पृथ्वीराज रासो, गोरा-बादल, मूमल, ढोला मारू आदि विषयक गाथाओं पर भी फड़ों में सुन्दर चित्रांकन किया जा चुका है।

राजस्थान की लोक सँस्कृति में पड या फड़ बाँचने या पढ़ने की विशेष परम्परा थी। सामूहिक फड-वाचन किसी खुली जगह या चौपाल में पूर्ण श्रद्धा व आस्था के साथ होता था। लगभग तीस फुट लम्बी और पाँच फुट चौडी फड बाँसों के सहारे खुली जगह या चौपाल में तान दी जाती थी। फड़ में चित्रित कथा को सुर-ताल तथा लय के साथ गायन के रूप में पढ़ा जाता था। इसके सुरीले गायक को भोपा कहते थे, जो कि गाते समय छडी की सहायता से फड़ पर चित्रित दृश्यों को समझाता था।

प्राचीनकाल में भोपे गाँव-गाँव में जाकर वीरों की शौर्य गाथा, विरूदावली को गीतों में रचकर सुनाते थे। फड़ में उन्हीं विरूदावलियो, कथाओं को चित्रित कर इन्हें दृश्य-श्रव्य बना दिया। भोपे के साथ भोपण तथा उसके अन्य साथी भी होते थे। यदि फड़ रात में बाँची जाती थी तो भोपण हाथ में एक डण्डे पर लटकता एक दीपक लिए रहती थी, जिसके उजाले में फड़ चित्र चमकते थे। इस प्रकार गायी गई घटना तथा चित्र में ऐसा सामंजस्य होता था कि श्रोता पर गइराई तक असर पडता था।

भोपे के अन्य साथी ढोलक, मंजीरा, अलगोजा, थाली, चींपिया, जंतर, रावण हात्था आदि लोक वाद्य बजाते थे। मुख्य गायक भोपा लाल रंग की कोर लगी अंगरखी धोती और साफा बाँधकर अपने उल्लासपूर्ण स्वरों में घटना के अनुरूप उतार-चढ़ाव का क्रम साधे रहता था। इस प्रकार कथा-गाथा को सुर-ताल-लय में बाँधते भोपा-भोपण और श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो फड़ का देखते सुनते थे।

उल्लेखनीय है कि सुप्रसिद्ध लोक नायक पाबूजी का बोध चिन्ह भाला है जबकि देव नारायण का बोध चिन्ह सर्प है। सर्वाधिक लोकप्रिय पाबूजी की फड़ है किन्तु देवनारायण जी की सवारी फड़ सबसे लम्बी होती थी। राजस्थान की फड चित्रकारी पूर्ण श्रद्धा भक्ति व आस्था के साथ व्यावहारिक रूप में उपयोग में ली जाती थी। देवताओं के सो जाने की मान्यता से चातुर्मास में फड-चित्रण नहीं होता था। पुनः देव उठनी, एकादशी से फड चित्रण कार्य आरम्भ होता था।

फड़ चित्रण में एक ओर जहाँ फड शैली की परम्परागत सीमाएँ कलाकार को बाँधकर रखती थीं वहीं दूसरी ओर रंगों के प्रयोग की भी अपनी सीमाएँ थीं। प्रायः लाल, पीला, हरा, काला, आसमानी, भूरा, एवं त्वचा का रंग भी नारंगी जैसा प्रयुक्त होता है। शौर्य गाथा चित्रण में लाल रंग प्रधान होता है। प्राचीनकाल में प्राकृतिक या पत्थर के रंगों का प्रयोग होता था जो वनस्पतियों से प्राप्त होते थे।

विभिन्न प्रकार के रंग विशेष पत्थरों को पीसकर उनमें गोंद या सरेस मिलाकर तैयार होते थे। जंगार से हरा, हरताल से पीला, हींगलू से लाल और हरमच से भूरा रंग बनाते थे। पत्थरों को पीस कर उनमें गोंद मिले रंग जहाँ चित्रों को विशेष रंग देते थे। गोंद या सरेस मिलने से रंगों का पक्कापन बढ़ता था। यह बरसों तक फीके नहीं पडते तथा इतने चककीले होते हुए भी आँखों को चुभते नहीं थे।

फड चित्र शैली के चित्रों में आकृति थोडी मोटी और गोल, आँखें बडी-बडी तथा नाक अन्य शैलियों की अपेक्षा छोटी व मोटी होती है। राजस्थान फड शैली के जन्मदाता श्रीलाल जोशी लोक कला क्षेत्र के एक मात्र ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने वंशानुगत फड चित्रांकन में रंग संयोजन का आधार पारम्परिक रखा किन्तु फोक आर्ट और फाईन-आर्ट को आत्मसात किया।

- पन्नालाल मेघवाल
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

आज निकलेगा वरघोड़ा, रात को होगी भक्ति संध्या

- **17 फरवरी को सुबह 9 बजे होगी मुमुक्षु निशा कोठारी की दीक्षा के लिए अपने निवास स्थान से विदाई**

नागौर (निस)। शहर के कांच के मंदिर के ठीक सामने रहने वाले व्यवसायी कमलकिशोर-ललिता कोठारी की इकलौती पुत्री निशा कोठारी 22 फरवरी को बिजयनगर में दीक्षा लेंगी। मुमुक्षु सुश्री निशा कोठारी को हुक्मगच्छाधिपति, नानेश पट्टधर, जिनशासन गौरव आचार्य प्रवर 11008 श्री विजयराज महाराज दीक्षा प्रदान करेंगे। ये दीक्षा समारोह उपाध्याय प्रवर, प्रज्ञारत्न जितेश मुनि महाराज व परम विदुषी शासन प्रभाविका, तर्क मनीषी महाश्रमणी रत्ना पूज्या श्री सूर्यकांता जी महाराज की पावन निश्रा में होगा। मुमुक्षु निशा के दीक्षा को लेकर सात दिवसीय विभिन्न धार्मिक आयोजन शुरू हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार 13 फरवरी को मुमुक्षु निशा के निवास पर शाम को नवकार महामंत्र के जाप हुए। तदोपरांत 14 फरवरी को कुशल भवन में सुबह सवा 11 बजे से दोपहर तक कुमकुम व हल्दी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि बुधवार को कुशन भवन में दोपहर डेढ़ बजे से सांझीगीत कार्यक्रम हुवा। आज सुबह 8 बजे मुमुक्ष निशा कोठारी के निवास स्थान से वर्षीदान वरघोडा निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि 16 फरवरी को सुबह साढ़े 11 बजे से स्वामी वात्सल्य यानि न्यात का कार्यक्रम बाजरवाड़ा स्थित बेताला निवास पर होगा। इसी रात 8 बजे से देर रात तक भक्तिक के रंग दीक्षार्थी के संग नामक भक्ति संध्या होगी जिसमें सुप्रसिद्ध गायक श्रेयांस सिंघवी भजनों की प्रस्तुति देंगे। ये कार्यक्रम कुशल भवन में देर रात तक लेगा। लोकेश कोठारी ने बताया कि 17 फरवरी को सुबह बजे मुमुक्ष निशा की बिजयनगर के लिए 9 बजे विदाई होगी। जिसमें सकल जैन समाज शामिल होगा। उन्होंने बताया कि मुमुक्षु निशा के बिजयनगर में 18 से 22 फरवरी तक अनेक कार्यक्रम होंगे। उन्हें 22 फरवरी को प्रात साढ़े 11 बजे आचार्य प्रवर विजयराज जी महाराज दीक्षा प्रदान करेंगे।

एलएलबी तक शिक्षित होने के बाद अपनाया वैराग्य मार्ग - शहर के कांच के मंदिर के ठीक सामने रहने वाले कमल किशोर कोठारी की सुपुत्री निशा कोठारी ने बीकॉम करने के बाद एलएलबी की डिठाी हासिल की। वे न्यायिक अधिकारी बनना चाहती थी और इसके लिए उन्होंने जयपुर में रहकर आरजेएस परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग भी ली मगर अचानक वैराग्य भाव पैदा हुआ और पिछले एक साल से वे वैराग्य काल में ही जीवन यापन कर रही है। वे अब तक 200 किलोमीटर की विहार यात्रा भी कर चुकी है।

चूरू में टूटी सड़कों व गन्दे पानी से परेशानी बढ़ी

ए.सी. कार्यालय के आगे गंदगी के कारण दुर्गन्ध फैली

- **अपने मुख्य दरवाजे के आगे सड़क पर पड़े गहरे गड्ढे भरने में भी बेबस चूरू का सार्वजनिक निर्माण विभाग**
- **चूरू में नगर परिषद से सार्वजनिक निर्माण विभाग भी परेशान हुआ!**

चूरू, (का. सं.)। चूरू में सार्वजनिक निर्माण विभाग एसी कार्याल य के मुख्य दरवाजे के सामने आगे पड़े गहरे गड्ढे और टूटी हुई सड़क पर एकत्रित गंदे पानी के कारण आमजन के साथ विभिन्न विभागों के कर्मचारी व अधिकारी परेशान हैं। इतना ही नहीं इस कार्याल य की दीवार के पास गंदगी फैल ी हुई है, दुर्गंध के कारण सभी परेशान रहते हैं।

हालांकि कोई भी जनप्रतिनिधि, कर्मचारी या अधिकारी इस समस्या का समाधान करवाने के लिए आगे नहीं आ रहा है। अपने मुख्य दरवाजे के आगे सड़क पर पड़े गहरे गड्ढे भरने में भी बेबस है चूरू का सार्वजनिक निर्माण विभाग। इस संबंध में रिपोर्टर द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग एसी कार्याल य के तकनीकी कक्ष में बैठे कर्मी से जब पूछा गया कि क्या आपको मुख्य दरवाजे के आगे गड्ढा दिखाई नहीं देता है, इस पर उन्होंने कहा कि दिखाई तो देता है ले किन मजबूरी है। यह सड़क नगर परिषद की है।

नगर परिषद कोई ध्यान ही नहीं देती है। सफाई करने के लि ए भी बार-बार टेल ीफोन करके बुल ाना पड़ता है। यहां सफाई करने कोई आता ही नहीं है। इस कारण यहां गंदगी और दुर्गंध फैल ी हुई है। इस संबंध में सार्वजनिक निर्माण विभाग चूरू के एसी शिशुपाल सिंह ने कहा कि सड़क नगरपरिषद द्वारा मेंटेन की जा रही है। स्वाभाविक तौर से सड़क की मरम्मत का कार्य भी नगरपरिषद द्वारा ही किया जाना है।

सभापति पायल सैनी को भी समस्या के बारे में अवगत करवाया गया है। उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक निर्माण विभाग एसी कार्यालय के आगे सड़क से आयकर विभाग, भ्रष्टाचार निरोधक विभाग आदि की ओर आने-जाने वाले लोगों एवं कर्मियों को बड़ी दिक्कत होती है। यह नगरपरिषद की सड़क होना लोगों के लिए दुर्भाग्य बना हुआ है।

एएनसी पंजीकरण की डबल एंट्री होने पर आशा को हो रहा डबल भुगतान

- **कलेक्टर ने बिठाई जांच, होगी कार्यवाही**
- **पहली बार जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक लूणकरणसर में आयोजित**

बीकानेर। जिला स्वास्थ्य समिति की गत बैठक में जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल द्वारा प्रदत्त निर्देशों की पालना में जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण में निकल कर आया कि कई संस्थानों पर कुछ गर्भवतियों का दो बार एएनसी पंजीकरण हो गया और उसके पेटे आशा सहयोगिनी को दो बार इंसेंटिव का भुगतान भी हो गया। एक ही गर्भवती की दो एएनसी पंजीकरण होने के कारण उसका डिलीवरी रिकॉर्ड पीसीटीएस सॉफ्टवेयर में दर्ज नहीं हो पाया और वह मिसिंग डिलीवरी के रूप में आंकड़ों में परिलक्षित हो रही थी। उक्त जानकारी बुधवार को लूणकरणसर के आईटी सेवा केंद्र सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दी गई। जिला कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जिला स्तरीय कमेटी बनाकर मामले की जांच के आदेश दे डाले। उन्होंने स्पष्ट किया कि जानबूझकर राजकोष को हानि पहुंचाते हुए किसी प्रकार की अनियमितता पाई गई तो रिकवरी ही नहीं, संबंधित पर सख्त दंडात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

उल्लेखनीय है कि गत डीएचएस में लिए गए निणन्य अनुसार सबसे कम उपलब्धि वाले खंड के तौर पर लूणकरणसर में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई तथा उस खंड के अधिकांश चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया गया। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 9 ग्राम से कम हिमोग्लोबिन वाली प्रत्येक गर्भवती महिला की ट्रैकिंग चिकित्सा अधिकारी प्रभारी व्यक्तिगत रूप से करेंगे और ब्लॉक सीएमओ द्वारा उसकी प्रभावी मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने गर्भावस्था की 12 से 25 सप्ताह के दौरान होने वाली समस्त सोनोग्राफी की भी ट्रेकिंग के निर्देश दोहराए ताकि जन्म पर लिंगानुपात में प्रगति बनी रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मोहम्मद अबरार पवार ने वृंदावन एंक्लेव में प्रस्तावित जनता क्लीनिक तथा अन्य वित्तीय प्रस्ताव सदन में रखें।

मेजबान ब्लॉक सीएमओ लूणकरणसर डॉ विभय तंवर व ब्लॉक सीएमओ बीकानेर डॉ सुनील हर्ष द्वारा अपने-अपने खंड की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। जिला कलेक्टर द्वारा विद्यालयों में आईएफए टेबलेट की आपूर्ति, एनसीडी सर्वे के लिए आशाओं के भुगतान, आईएचआईपी पोर्टल पर शत प्रतिशत इंद्राज, निजी चिकित्सालय में हो रही डिलीवरी की पीसीटीएस सॉफ्टवेयर में इंद्राज व टीबी सर्विलांस के लिए अधिकाधिक स्पुटम जांच करवाने संबंधी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना में जिला लगातार 11 माह पहले स्थान पर रहा। इस संदर्भ में जिले में पहले तीन स्थानों पर रहने पर क्रमशः पीएचसी राजासर भाटियान, रानेर दामोलाई व सीएचसी हदां को रनिंग शील्ड देकर सम्मानित किया गया। बैठक में उपखण्ड अधिकारी लूणकरणसर संजीव कुमार वर्मा, आरसीएचओ डॉ राजेश कुमार गुप्ता, डिप्टी सीएमएचओ परिवार कल्याण डॉ योगेंद्र तनेजा, डिप्टी सीएमएचओ स्वास्थ्य डॉ लोकेश गुप्ता, जिला टीबी अधिकारी डॉ सी एस मोदी, डॉ नवल किशोर गुप्ता, जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ प्रवीण चतुर्वेदी सहित समस्त जिला स्तरीय कार्यक्रम अधिकारी, ब्लॉक सीएमओ, बीपीएम, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 16 फरवरी 2023

फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम सम्वत 2079, मूल नक्षत्र रात्रि 10.53 तक वठा योग रात्रि 3.35 तक ववकरण सायं 4.14 तक चन्द्रमा धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति : सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-धनु, मंगल-वृष, बुध-मकर, गुरू-मीन, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतू-तुला राशि में संचार करेगा।

आज विजया एकादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघडिया : शुभ सूर्योदय से 8.30 तक, चर 4.17 से 12.41 तक, लाभ-अमृत 12.41 से 3.28 तक शुभ 4.51 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल - 1.30 से 3.00 तक सूर्योदय 7.07 सूर्यास्त 6.15 पर

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

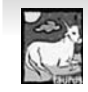

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलंब हो सकता है। मित्रो-रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं।

मिथुन

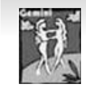

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सम्पर्क बनेगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। परिवार में शुभ मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।

कर्क

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यक्तिगत समस्या से राहत मिलेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

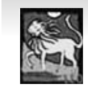

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बडेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है।

कन्या

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। परिवार में धार्मिक सामाजिक समारोह संपन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्य के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु

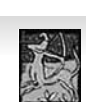

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।

मकर

अर्नगल कार्यों में समय खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भाग-दौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ

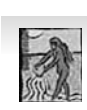

आर्थिक वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की साख मजबूत हुई : ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन

जयपुर। जयपुर आये ब्रिटिश सांसद (कंजरवेटिव) एवं पदमश्री बॉब ब्लैकमैन से भाजपा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां की निवास पर आत्मीय मुलाकात हुई। बॉब ब्लैकमैन को सतीश पूनियां ने भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति भेंट की। सतीश पूनियां ने कहा कि, पद्मश्री बॉब ब्लैकमैन यूके में भारत एवं भारतीयों के हितों के समर्थक हैं। उन्होंने कश्मीर के मसले पर भारत का समर्थन संसद से लेकर पब्लिक ईवेंट तक में किया। सभी राजस्थानियों की तरफ से जयपुर की धरती पर उनका हार्दिक स्वागत-अभिनंदन करता हूँ।

इससे पहले बॉब ब्लैकमैन ने आमेर फोर्ट का भ्रमण किया, जिसकी ऐतिहासिक कला और सुंदरता को उन्होंने सराहा। आमेर फोर्ट पहुंचने पर सतीश पूनियां और आमेरवासियों ने उनका साफा और माला से स्वागत किया।

बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं मजबूत नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में बुनियादी विकास कर रहा, पूरी दुनिया में भारत की साख बहुत मजबूत हुई है और भारत-ब्रिटेन के व्यापारिक रिश्ते बहुत मजबूत हुये, जो भविष्य में और मजबूत होंगे, दोनों देश एक-दूसरे की मदद से तेजी से प्रगति करेंगे।

ब्रिटिश सांसद एवं पदमश्री बॉब ब्लैकमैन के आमेर फोर्ट पहुंचने पर बुधवार को सतीश पूनियां ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया।

- ब्रिटिश सांसद एवं पदमश्री बॉब ब्लैकमैन से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां की निवास पर आत्मीय मुलाकात, भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति भेंट की
- बॉब ब्लैकमैन ने सतीश पूनियां, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, विधायक निर्मल कुमावत, गोपीचंद मीणा सहित तमाम भाजपा विधायकों के विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ विधानसभा में शिष्टाचार मुलाकात की

बॉब ने कहा कि, आमेर, जयपुर और पूरा राजस्थान बहुत ही खूबसूरत है, यहां के किले, महल ऐतिहासिक हैं और लोग एवं आतिथ्य सत्कार बहुत अच्छे हैं, राजस्थान में हर क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं।

इसके बाद बॉब ब्लैकमैन ने सतीश पूनियां, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, विधायक निर्मल कुमावत, सुभाष पूनिया, गोपीचंद मीणा, सुमित गोदारा, गुरदीप साहपीणी, मंजीत धर्मपाल सहित तमाम भाजपा विधायकों के विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ विधानसभा में शिष्टाचार मुलाकात की, इस दौरान राज्य सरकार के मंत्री परसादी लाल मीणा, लालचंद कटारिया इत्यादि भी मौजूद रहे।

ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ भाजपा यूके के अध्यक्ष कुलदीप सिंह शेखावत, राजस्थानी यूके के अध्यक्ष हरेंद्र सिंह जोधा इत्यादि साथ रहे।

अडानी मामले पर विधानसभा में हुआ जमकर हंगामा

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज बजट पर बहस के दौरान अडाणी मामले पर जमकर हंगामा हुआ। भाजपा विधायक वासुदेव देवनानी ने जब मुख्यमंत्री और अडाणी के संबंध को लेकर बोलना शुरू किया सरकार के मंत्री-विधायकों ने विरोध किया। कांग्रेस विधायकों ने जमकर हंगामा किया।

- भाजपा विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा, ''सीएम अशोक गहलोत रात-दिन अडाणी से प्यार करेंगे और राहुल गांधी, अडाणी को गाली देते रहेंगे। बताइए गहलोत साहब, आप हो किसके साथ? राहुल के साथ या अडाणी के साथ।''
- इस पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई, कल्ला ने कहा, ''जो सदन का मेंबर नहीं है। उनका जिक्र करना गलत है।'' इस पर देवनानी ने कहा कि मेरे पास उनका फोटो है

देवनानी ने बजट बहस के दौरान कहा, ''केंद्र सरकार राजस्थान का अनुदान बढ़ा रही है। इसके बावजूद कांग्रेस नेता लगातार पीएम मोदी को गली दे रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रात दिन अडाणी से प्यार करेंगे और राहुल गांधी अडाणी को गाली देते रहेंगे। बताइए गहलोत साहब, आप हो किसके साथ? आप राहुल के साथ हो या अडाणी के साथ।

देवनानी के राहुल गांधी और अडाणी के नाम लेने पर पर मंत्रियों और कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति की। मंत्री बीडी कल्ला ने कहा, ''जो सदन का मेंबर नहीं है। उनका जिक्र करना गलत है। देवनानी ने कहा मै तो इतना ही तो पूछ रहा हूं कि अशोक गहलोत किसके साथ हैं। गहलोत और अडाणी के मेरे पास फोटो हैं।''

इस पर मंत्री ममता भूपेश ने आपत्ति जताते हुए कहा, ''इनकी गलत बातें सुनने सदन में नहीं बैठे हैं।'' देवनानी ने कहा-दोनों मंत्री एक बेचारे आदमी को धमका रहे हैं। यह नहीं चलेगा।

इस पर ममता भूपेश ने कहा कि देवनानी साहब, आपने शिक्षा मंत्री रहते क्या क्या किया और क्या कारनामे किए वे सब जानते हैं। इस मुद्दे पर सदन में कुछ देर के लिए तनातनी का माहौल बन गया। बाद में सभापति के दखल के बाद मामला शांत हुआ।

प्रश्नकाल में घिरे मंत्री अर्जुन बामणिया

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक हरीश मीणा के जनजाति छात्रावास खोलने के प्रश्न पर टीएडी मंत्री अर्जुन बामणिया घिर गए।

- हॉस्टल खोलने का पूछा था प्रश्न तो जवाब दिया कि स्कूल खोलेंगे
- मंत्री के जवाब पर हरीश मीणा ने आपत्ति जताई और कहा कि मंत्री जनजाति छात्रावास और आवासीय स्कूल को एक ही समझते हैं क्या?

मंत्री बामणिया ने जवाब में कहा कि देवली-उनियारा में आवासीय स्कूल खोला जाएगा। मंत्री के जवाब पर हरीश मीणा ने आपत्ति जताई और कहा कि मंत्री जनजाति छात्रावास और आवासीय स्कूल को एक ही समझते हैं क्या, दोनों में कोई अंतर नहीं है? मैंने जनजाति छात्रावास खोलने के बारे में पूछा है। जवाब आवासीय स्कूल खोलने का दिया है।

इस पर स्पीकर सीपी जोशी ने दखल देते हुए कहा कि आपसे सवाल जनजाति छात्रवास का पूछा है, और आप स्कूल खोलने का जवाब दे रहे हैं। आप जनजाति छात्रावास खोलेंगे या नहीं, सीधा जवाब दीजिए। इस पर मंत्री ने कहा कि जनजाति छात्रवास खोला जाएगा।

बामणिया ने कहा कि आवासीय स्कूल और छात्रावास अलग-अलग होते हैं। आवासीय स्कूल वे होते हैं, जहां बच्चा दिन में पढ़ाई करने के बाद उसी कैंपस में रहता है। छात्रावास वे हैं, जहां से बच्चों को पढ़ने दूसरी स्कूल जाना होता है। उनके रहने की व्यवस्था होती है। देवली उनियरा क्षेत्र में जनजाति छात्रावास खोला जाएगा।

बार-बार संविदा पर भर्ती क्यों?

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रमुख वित्त सचिव, प्रमुख ग्रामीण विकास सचिव और मनरेगा सचिव से पूछा है कि लेखा सहायक के स्वीकृत पद होने के बावजूद बार-बार इन पदों पर संविदा के आधार पर भर्ती क्यों की जा रही है। जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश नरेन्द्र सिंह की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रमाकांत गौतम और अधिवक्ता जीएस गौतम ने अदालत को बताया कि लेखा सहायकों के 1 हजार 870 पद स्वीकृत किए गए है। इसके बावजूद इन पदों पर नियमित भर्ती के बजाए समय-समय पर इन्हें संविदा के आधार पर भरा जाता है। विभाग ने 15 फरवरी, 2021 को एक बार फिर इन पदों को संविदा से भरने के लिए भर्ती विज्ञापन जारी कर दिया। याचिका में कहा गया कि वित्त विभाग ने संविदा के आधार पर नियुक्ति करने पर रोक लगा रखी है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने भी संविदा पर भर्ती को गलत माना है। इसके बावजूद विभाग बार-बार इन पदों को संविदा के आधार पर भर रहा है।

हैरिटेज में डेयरी बूथ खोले, ग्रेटर में एक भी नहीं : सराफ

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक कालीचरण सर्राफ ने जयपुर में डेयरी बूथ खोलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जयपुर हैरिटेज में डेयरी बूथ खोल दिये लेकिन ग्रेटर में कोई बूथ नहीं खोला। इस पर राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार द्वारा जयपुर में डेयरी बूथ खोलने के लिए लंबित आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई होगी।

- राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार द्वारा जयपुर में डेयरी बूथ खोलने के लिए लंबित आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई होगी।

जाट ने कहा कि राज्य सरकार के जनघोषणा पत्र में पांच हजार डेयरी बूथ खोलने की घोषणा की गई थी, इसके तहत लक्ष्य से अधिक राज्य सरकार द्वारा 5 हजार 269 डेयरी बूथ खोले गए। उन्होंने कहा कि यह बात सही है कि जयपुर में 268 डेयरी बूथ खोले गए तथा जयपुर शहर में इनकी संख्या कम है। उन्होंने कहा कि जयपुर हैरिटेज में 4 तथा जयपुर ग्रेटर में 6 डेयरी बूथ खोले गए है। इस पर सराफ ने आपत्ति जताते हुए कहा कि केवल हैरिटेज में बूथ खोले, ग्रेटर में नहीं खोला। इस पर मंत्री ने आश्वस्त किया कि अगर यह जानकारी गलत प्राप्त हुई है तो दोषी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि डेयरी बूथ के आवंटन के संबंध में जयपुर सरस डेयरी वितरण संघ बनाम नगर निगम जयपुर का मामला कोर्ट में लंबित है। राज्य सरकार द्वारा डेयरी बूथ आवंटन के लिए नए नियम बनाए है। जिसके तहत एक कमिटी बनी हुई है। उन्होंने बताया कि कमिटी में नगर निगम का आयुक्त, जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर विकास न्यास के प्रतिनिधि सहित विभिन्न सदस्य शामिल है।

दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को सजा

जयपुर, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 16 साल की नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त महावीर कोली को चौदह साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 1.91 लाख रुपए का हर्जाना भी लगाया है। इसके साथ ही अदालत ने पीड़िता को राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम, 2011 के तहत क्षतिपूर्ति देने की सिफारिश करते हुए प्रकरण को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजा है। अदालत ने कहा कि अभियुक्त ने बेसुध हालत में पीडिता के साथ दुष्कर्म किया है। वहीं यदि अभियुक्त ने पीड़िता की सहमति से भी संबंध बनाए होता तो भी वह दुष्कर्म की श्रेणी में ही आएगा। क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि 31 अगस्त, 2019 की देर रात पीड़िता सुबह करीब तीन बजे उठकर घर के बाहर आई थी। यहां अभियुक्त मोटरसाइकिल के साथ खड़ा मिला।

भाजपा का पन्ना प्रमुख अभियान 28 तक चलेगा

जयपुर। प्रदेश में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां भाजपा ने तेज कर दी है। संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक कदम उठाते हुए पार्टी ने 15 से 28 फरवरी तक पूरे प्रदेशभर में पन्ना प्रमुख अभियान चलाने की घोषणा की है। इस अभियान के तहत 11 लाख से अधिक पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति की जाएगी। पार्टी का मानना है कि इन पन्ना प्रमुखों के दम पर ही चुनाव की वैतरणी पार की जाएगी। प्रदेश के मंडलों एवं शक्ति केन्द्रों के माध्यम से पन्ना प्रमुख अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत प्रदेश के कोर कमेटी के सदस्यों से लेकर प्रदेश व जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को पन्ना प्रमुख बनाए जाएंगे।

- 11 लाख से भी अधिक पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति होगी

पन्ना मतलब पेज यानी वोटर लिस्ट का एक पेज, जिसके लिए बीजेपी पन्ना प्रमुख बनाती है। हर राज्य में वोटर लिस्ट के हर पेज के लिए बीजेपी का एक कार्यकर्ता पन्ना प्रमुख होता है। एक पन्ने में करीब 30 वोटर्स के नाम होते हैं। पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी अपने पन्ने में दर्ज वोटर्स से संपर्क करने की होती है। वह यह सुनिश्चित करते हैं कि ये सभी वोटर्स पोलिंग के दिन वोट डालने पोलिंग बूथ जाएं। पोलिंग वाले दिन भी बीजेपी हर पन्ना प्रमुख से चेक करती रहती है कि उनकी जिम्मेदारी वाले पन्ने से कितने लोग वोट डालने गए। पोलिंग के दिन सुबह से ही पन्ना प्रमुखों का काम होता है कि वह फोन कर या किसी और माध्यम से अपने पन्ने के वोटर्स को याद दिलाएं कि उन्हें वोट करने जाना है।

गुजरात में ढाई दशक से ज्यादा वक्त से भाजपा की सरकार इन्हीं पन्ना प्रमुख के दम पर बनती आई है। गुजरात में पन्ना प्रमुख कई सालों से बीजेपी को एक मुश्त वोट दिलाते रहे हैं। पीएम मोदी भी इनकी तारीफ कर चुके हैं। अब राजस्थान में भी पार्टी इसी मॉडल पर काम करेगी।

प्रिया सेठ व अन्य के बयान दर्ज हुए

जयपुर, (का.सं.)। जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1 में मोबाइल ऐप के जरिए प्रेमजाल में फंसाकर मई, 2018 में युवक दुष्यंत शर्मा की हत्या करने से जुडी आरोपी प्रिया सेठ व अन्य के खिलाफ जांच अधिकारी सहित 45 गवाहों के बयान पूरे दर्ज हो गए हैं।

- प्रेमजाल में फंसाकर युवक दुष्यंत शर्मा की हत्या के मामले में 45 गवाहों के बयान दर्ज हुए

वहीं कोर्ट में अब 22 फरवरी से मुलजिम बयान दर्ज होंगे। इस मामले में आरोपी प्रिया सेठ व दीक्षांत कामरा 4 मई 2018 से ही जेल में हैं, जबकि अन्य आरोपी लक्ष्य वालिया की जमानत हो चुकी है। पुलिस ने प्रिया सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में पेश चालान में माना था कि इन्होंने एक सोची समझी साजिश के तहत दुष्यंत शर्मा की हत्या की और सबूत मिटाने के लिए उसकी लाश सूटकेस में रखकर आमेर की पहाड़ी में फेंक दी थी। इस वारदात के बाद मृतक के पिता रामेश्वर प्रसाद ने आरोपी प्रिया सेठ सहित अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

परिवादी के अधिवक्ता ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया था कि प्रिया सेठ ने अपने प्रेमी दीक्षांत का कर्ज उतारने के लिए दुष्यंत को हनी ट्रैप के जरिए जाल में फंसाया और उससे संबंध बनाए। फिर प्रिया ने दुष्यंत को ब्लैकमेल कर 10 लाख रुपए की मांग की। वहीं बाद में 2 मई की रात को दुष्यंत का अपहरण उसके पिता से 10 लाख रुपए फिरौती मांगी। तीन लाख दुष्यंत के अकाउंट में जमा होने पर प्रिया व उसके दोनों साथियों ने दुष्यंत की गला घोंटकर हत्या कर चाकू से उसका चेहरा बिगाड़ दिया और लाश को एक सूटकेस में डालकर पहाडी से फेंक दिया।

इंटरनेशनल यूथ कॉफ्रेंस में जुटेंगे 2000 विद्यार्थी

जयपुर। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट जयपुर में तीन दिवसीय इंटरनेशनल यूथ कांफ्रेंस का आयोजन 16 से 18 फरवरी तक होगा। ''नेतृत्व 4.0: लीडरशिप इन द एरा ऑफ कनेक्शन एंड कोलेबोरेशन'' विषय पर हो रही इस कांफ्रेंस में विश्व प्रसिद्ध वक्ता, प्रोफेशनल्स और मशहूर हस्तियां शामिल होंगी। जयपुरिया के डायरेक्टर डॉ. प्रभात पंकज ने बताया कि कांफ्रेंस के उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि जयपुर ग्रामीण से सांसद कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ होंगे। इसी दिन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता, भरतनाट्यम नर्तक सुधा चंद्रन कांफ्रेंस में यूथ आइकॉन सत्र की शोभा बढ़ाएंगी। स्वागत भाषण जयपुरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष शरद जयपुरिया देंगे। मुख्य भाषण रिचर्ड रेखी, उद्यमी और बोर्ड के सदस्य, पूर्व सीईओ-केपीएमजी का होगा। यूथ कांफ्रेंस के संयोजक डॉ. लोकेश विजयवर्गीय ने बताया कि 17 फरवरी को कलचरल नाइट में कालबेलिया डांसर व पदमश्री गुलाबो बाई परफॉर्म करेंगी। आखिरी दिन 18 फरवरी को अभिनेत्री और पूर्व मिसेज वर्ल्ड डॉ. अदिति गोवित्रिकर कांफ्रेंस में यूथ आइकॉन सत्र की शोभा बढ़ाएंगी। कांफ्रेंस में 40 से अधिक प्रतिष्ठित वक्ता (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय), दुनियाभर से 2 हजार से अधिक भागीदारी (ऑफ़लाइन और ऑनलाइन), और 13 से अधिक शैक्षिणक भागीदारों, 7 पूर्ण सत्र और 14 तकनीकी सत्रों के साथ 70 से अधिक कॉलेजों की भागीदारी होगी।

प्रॉपर्टी व्यवसायी के हत्यारे की जमानत याचिका खारिज

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर के करधनी थाना इलाके में दिनदहाड़े प्रॉपर्टी व्यवसायी विजेन्द्र सिंह की हत्या से जुडे मामले में आरोपी विजय सिंह उर्फ सन्नी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष के साक्ष्य के अनुसार विजय सिंह ने घटना से पहले रैकी की थी और हत्याकांड में उसकी प्रभावी भूमिका रही है। ऐसे में मामले की प्रकृति को देखते हुए उसे जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता। विजय सिंह की जमानत याचिका को खारिज करते हुए जस्टिस नरेन्द्र सिंह ने ये आदेश दिए। जमानत याचिका में कहा गया था कि, याचिकाकर्ता 19 साल का नौजवान है और उसकी मर्डर में कोई भूमिका नहीं है। पुलिस ने उसे प्रकरण में फंसाया है। इसके अलावा वह गत 13 नवंबर से जेल में बंद है। उस पर सिर्फ रैकी करने (टोह लेने) का आरोप है। वहीं प्रकरण में पुलिस ने उसके खिलाफ जांच कर आरोप पत्र पेश कर दिया है। इसके अलावा प्रकरण की सुनवाई पूरी होने में लंबा समय लगेगा। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए।

सरकारी वकील शेरसिंह महला ने इस बात का विरोध करते हुए कहा, कि याचिकाकर्ता ने सह आरोपी बलजीत के साथ मिलकर मृतक के घर की रैकी की। जिसकी फुटेज घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। रैकी के बाद दिन दहाड़े बीच बाजार विजेन्द्र की हत्या कर दी गई। जिसके चलते शहर में दहशत फैल गई। सरकारी वकील ने कहा कि, इसके अलावा केवल मात्र आरोप पत्र पेश होने के आधार पर उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि गत 9 फरवरी को करणी विहार थाना इलाके में प्रॉपर्टी व्यवसायी विजेन्द्र सिंह कार से घर जा रहा था। रास्ते में दो कार में सवार लोगों ने विजेन्द्र सिंह का रास्ता रोक लिया। जब विजेन्द्र ने कार को पीछे लेना चाहा तो टक्कर मारकर उसकी कार को रोक दिया। इसके बाद हमलावरों ने कार का शीशा तोड़कर विजेन्द्र को बाहर खींच लिया और उस पर सरिये और धारदार हथियारों से वार कर गंभीर रूप से घायल करके फरार हो गए। सूचना मिलने पर आए विजेन्द्र के परिजन उसे पास के निजी अस्पताल में ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हमीद खान मेवाती बने प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान युवा मेव महासभा के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक आज प्रदेश कार्यालय, उद्योग नगर, झोटवाड़ा, जयपुर में आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से राजस्थान युवा मेव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष के लिए हमीद खान मेवाती को निर्विरोध बनाया गया। इस अवसर पर अली खां मेव, नदीम खां मेव, सद्दाम खां मेव, साहिल खां मेव, इरशाद खां मेव, अरशद खां मेव, गफ्फार खां मेव, नासीर खां मेव, जमील खां मेव, असलम खां मेव, अयुब खां मेव, समीम खां मेव, उपस्थित रहे।

रचना झांकी के साथ गोविंद देवजी मंदिर में फागोत्सव का श्रीगणेश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। आराध्य देव गोविंददेवजी मंदिर में बुधवार को रचना झांकी के साथ के साथ होली के साथ फागोत्सव का श्रीगणेश हुआ। पहले दिन प्राकृतिक गुलाल से प्रथम पूज्य गणपति, मंगल कलश, स्वस्तिक सहित अन्य मांगलिक चिह्नों का आकार दिया गया। श्रद्धालुओं ने दोपहर 12:30 से 12:45 तक रचना झांकी के दर्शन कर किए। रचना झांकी महोत्सव 26 फरवरी तक चलेगा। रचना झांकी प्राकृतिक गुलाल से सफेद सूती कपड़े पर ठाकुरजी की विभिन्न लीलाओं को चित्रित किया जाता है।

- प्राकृतिक गुलाल से सूती कपड़े पर बनाई प्रथम पूज्य की छवि

आराध्य देव गोविंददेवजी मंदिर में बुधवार को भव्य रचना झांकी का श्रृंगार किया गया।

मंदिर के प्रवक्ता मानस गोस्वामी ने बताया कि 27 फरवरी से 2 मार्च तक चार दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होलिकोत्सव का शुभारंभ होगा। इसके अंतर्गत दोपहर 12:30 से शाम 4:30 बजे तक विभिन्न कलाकार ठाकुर श्रीजी के समक्ष सेवा अर्पित करेंगे। प्रदेश के नामचीन और उदयीमान कलाकार ठाकुर जी के समक्ष फाल्गुनी प्रस्तुतियां देंगे। इन 4 दिनों में रचना झांकी के दर्शन अपराह्न 3 से 4:30 तक होंगे।

होली का खास आयोजन पुष्प फागोत्सव के रूप में 3 और 4 मार्च को होगा। भजन सम्राट श्रीकांत शर्मा दोपहर एक से शाम 4:30 बजे तक भजन अमृत वर्षा करेंगे।

भजनों के साथ राधा-कृष्ण और गोपी-ग्वालों के स्वरूप नृत्य करेंगे। दूसरे दिन फूलों की होली आकर्षण का केन्द्र रहेगी।

शेखावाटी के कलाकार भी इस दौरान दमादार प्रस्तुतियां देंगे। पांच मार्च को होली पद भजन अमृत वर्षा अनुष्ठान होगा। दोपहर 1 से शाम 4:30 बजे तक कोलकाता के मालीराम शास्त्री भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। इस दिन रचना झांकी के दर्शन अपराह्न 3 से 4:30 बजे तक होंगे। मंदिर में गुलाल होली 6 मार्च को राजभोग आरती के बाद खेली जाएगी। श्रद्धालु मंदिर के जगमोहन में ठाकुर जी के समक्ष होली खेलेंगे। सात मार्च को श्री मन्न महाप्रभु चैतन्य देव जयंती मनाई जाएगी।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5 वीं व 6वीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone:0141-2741805, E-mail:rschfjaipur@yahoo.com
क्रांक-538/23 दिनांक-14-2-2023

आम सूचना आवासन संघ द्वारा निर्मित कमला नेहरू नगर आवासीय योजना अजमेर रोड, जयपुर का भवन संख्या-2-क-26 श्रीमती पुष्पलता सारस्वत पत्नि श्री नरसिंह स्वरूप को आवंटित किया गया था, जिसे श्रीमती संतोष देवी पत्नि श्री बनवारी लाल द्वारा क्रय किये जाने पर उनके नाम ट्रांसफर कर रजिस्ट्री करवा दी गई थी। उक्त भवन को श्री ओंकार लाल गुर्जर पुत्र स्व.श्री भंवर लाल गुर्जर द्वारा जरिये रजिस्ट्री क्रय कर स्वयं के नाम हस्तांतरण हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। अन्यथा उक्त भवन संख्या-2-क-26, कमला नेहरू नगर, आवेदक के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।
(ज्योति गुप्ता) प्रबंध निदेशक, आवासन संघ लि., जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 21/2023
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्रीराम प्रताप शर्मा पुत्र स्व.श्री आदित्य शर्मा निवासी प्लाट नं.40, जे.एस.कॉलोनी, रोड नं. 17 वी.के.आई एरिया, जयपुर 302013 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री आदित्य राम प्रताप शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट उर्फ शार्पस चैरिटेबल ट्रस्ट, प्लाट नं. 40, जे.एस.कॉलोनी, रोड नं. 17, वी.के.आई.एरिया, जयपुर 302013 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जायेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।
आज दिनांक 31/1/23 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 12/4/23
मोहर अदालत
रतनलाल योगी (आर.ए.एस)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम पूरण सिंह (Pooran Singh) से बदलर गोविन्द सिंह (Govind Singh) रख लिया है, भविष्य में मुझे गोविन्द सिंह (Govind Singh) पुत्र श्री मान सिंह निवासी-प्लॉट नं. 8, मार्ग नं.12, कैलाश नगर, झोटवाडा, जयपुर, राज. जाना जावे।

मैंने अपना नाम जोराबर सिंह (Jeorawar Singh) से बदलर नरेन्द्र सिंह शेखावत (Narendra Singh Shekhawat) रख लिया है, भविष्य में मुझे नरेन्द्र सिंह शेखावत (Narendra Singh Shekhawat) पुत्र श्री मान सिंह निवासी-प्लॉट नं. 8, मार्ग नं.12, कैलाश नगर, झोटवाडा, जयपुर, राज. जाना जावे।

मैंने मेरा नाम विवाह पश्चात नीलम चन्द्रू पहलाजानी से बदलकर दिया नरयानी पत्नी नवीन नरयानी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी प्लॉट नंबर 14 संतोष सागर कॉलोनी ब्रह्मपुरी जयपुर

मैंने अपना नाम मनोज कुमार मित्तल से बदलकर मनोज मित्तल पुत्र श्री घनश्याम मित्तल रख लिया है। भविष्य में मुझे मनोज मित्तल के नाम से जाना पहचाना जावे। पता-20 ए, हस्तीनापुर विस्तार, रंगोली गार्डन रोड, महाराणा प्रताण मार्ग, जयपुर

मैंने अपना नाम नरेन्द्र सिंह से बदलकर नरेन्द्र सिंह शेखावत पुत्र श्री सुमेर सिह शेखावत रख लिया है। भविष्य में मुझे नरेन्द्र सिंह शेखावत के नाम से जाना जावे। पता-बी-13, न्यू कॉलोनी, खातीपुरा, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म मैसर्स बी.के.इन्टरनेशनल पता 2/398, जवाहर नगर, जयपुर, राजस्थान-302004 पंजीयन संख्या 13/523/2004, के भागीदारो द्वारा दिनांक 31-12-2022 से फर्म का विघटन किया जा रहा है। सूचित रहे।
बी.के.इन्टरनेशनल

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या सीतारानी दास पत्नी स्व.श्री अजीत कुमार दास, निवासी 108, शक्ति नगर, निवारू रोड, झोटवाडा जयपुर (राज.) के पुत्र राजकुमार दास व विजय कुमार दास मेरी अभिभाष्या के कहने में नहीं है। इसलिये उन्हें मेरी अभिभाष्या की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों से व उपरोक्त वर्णित निवास संपत्ति से बेदखल किया जाता है। कोई उनसे किसी भी प्रकार का लेन-देन, व्यवहार रखेंगे तो वे स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।
दिनांक-15/2/23
(अजीत सिंह) एडवोकेट, मो. 9413176650

खोया पाया

मेरे मकान नंबर 193/226, सैक्टर 19 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर को डिमांड नोटिस कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। मनीष कुमार अग्रवाल 9929228321

मित्र गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड की योजना, मेरे भूखण्ड संख्या- 7, सुमेर नगर विस्तार, ए-ब्लॉक, का मूल आवंटन पत्र, साइड प्लान एवं रसीद जेडीए ऑफिस जाते समय गिर गए, मिलने पर सूचित करे हर्षित अगदायमावर 9785934850, 9928389344

मेरे मकान सं.80/329, प्रताप नगर सांगानेर जयपुर के ओरिजनल अलाटमेन्ट लैटर, अदेय प्रमाण पत्र, भौतिक कब्जा पत्र आदि गुम हो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें-सोनिया शर्मा-6376676534

बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि.जयपुर द्वारा जारी मेरे प्लाट नं. सी 28 व सी 29 कृष्णापुरी बदरवास जयपुर के मूल कागजात पट्टा, रसीद, साईड प्लान खो गये है मिलने पर सम्पर्क करें। संजय शर्मा 7728911236

मकान नं. 12/273, कावेरी पथ, मानसरोवर जयपुर का मूल दस्तावेज कार्यालय आदेश नं. 665 (छत्ती देवी) कावेरी पथ एवं वरूण पथ, मानसरोवर के बीच कहीं गिर गया है कृपया मिलने पर सूचित करें। शान्ति देवी 9588241435

मेरे मकान सेक्टर 3 प्लॉट 60 (3) विद्याधर नगर जयपुर का पट्टा कहीं गिर गया है मिलने पर सूचित करें। दलसुखराय अरूण कुमार 9588996295

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 1585/2022
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम - (1) नेहा राठौड पत्नी स्व.सत्येन्द्र सिंह उर्फ सत्येन्द्र राठौड (2) अनिरूद्ध राठौड (अवयस्क) पुत्र स्व.सत्येन्द्र सिंह उर्फ सत्येन्द्र राठौड (3) अमन राठौड (अवयस्क) पुत्र स्व.सत्येन्द्र सिंह उर्फ सत्येन्द्र राठौड, जरिये प्राकृतिक संरक्षक माता नेहा राठौड निवासीगण ए-39 महेश नगर 80 फीट रोड, टोंक फाटक, जयपुर
विवाद स्थान..................
मृतक स्व.सत्येन्द्र सिंह उर्फ सत्येन्द्र राठौड की सम्पत्ति के विषय में
पेशी दिनांक- 21/03/2023
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम सत्येन्द्र सिंह उर्फ सत्येन्द्र राठौड पुत्र स्व.श्री जगतपाल सिंह जाति...... निवासी ए-39, महेश नगर, 80 फीट रोड, टोंक फाटक, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 21 माह 03 सन् 2023 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 13 माह 02 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
प्रार्थीगण द्वारा मृतक सत्येन्द्र सिंह उर्फ सत्येन्द्र राठौड के नाम प्रार्थना पत्र में वर्णित FDR की राशि व लॉकर बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।
मोहर अदालत
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर प्रथम

कार्यालय उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट आमेर जिला जयपुर
क्रमांक-कोर्ट/2021/3045 दिनांक-8-7-2022
विषय-राजस्व वाद संख्या 39/2019 व अस्थायी निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र संख्या 33/2019 उनवान सत्यवान बनाम अनार देवी व अन्य में नोटिस प्रकाशन बाबत।
उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि न्यायालय हाजा में ग्राम अचरोल तहसील आमेर जिला जयपुर में स्थित खसरा नम्बर 6542 रकबा 1.27 हैक्टेयर भूमि के संबंध में विचाराधीन राजस्व वाद संख्या राजस्व वाद संख्या 39/2019 व अस्थायी निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र संख्या 33/2019 उनवान सत्यवान बनाम अनार देवी व अन्य अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88, 188 में सुनवाई की दिनांक 23-2-2023 नियत है।
अतः प्रतिवादी संख्या 02 श्री संजय जैन पुत्र श्री सूरजमल जैन जाति जैन निवासी सी-299 फ्लैट नं.05 मालवीयनगर जयपुर, राज.का नोटिस समाचार पत्र में प्रकाशित करवाया जाना है। संबंधित प्रतिवादीगण/वारिसान के नोटिस पत्र के संलग्न प्रेषित है। प्रार्थी/वादी से नोटिस प्रकाश का शुल्क नियमानुसार प्राप्त कर नोटिस का प्रकाशन आपके समाचार पत्र में प्रकाशित करना सुनिश्चित करें।
मोहर अदालत
(प्रियव्रत सिंह चारण)
उपखण्ड अधिकारी
आमेर जिला जयपुर

जालोर महोत्सव का शोभायात्रा के साथ आगाज, सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिता की मची धूम

जालोर की ऐतिहासिक धरोहर व हस्तकला को राष्ट्रीय पहचान दिलाने को लेकर चार पोस्टकार्ड जारी

जालोर, (कासं)। पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन एवं जालोर विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवस जालोर महोत्सव 2023 का आगाज बुधवार को को शोभायात्रा के साथ हुआ। दिनभर सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। वही डाक विभाग द्वारा जालोर की ऐतिहासिक धरोहर व हस्तकला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने को लेकर चार पोस्टकार्ड का भी विमोचन किया।

जालोर महोत्सव 2023 का आगाज शोभायात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा हनुमानशाला स्कूल जालोर से गाजो बाजो के साथ रवाना हुई। शोभायात्रा के सबसे आगे घोडे पर महोत्सव का ध्वज लहरा रहा था। वही उसके पीछे झांसी की रानी, छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप के स्वांग रचे अश्व सवार उनके शौर्य को जीवंत करते नजर आये। वही शोभायात्रा में उॅट पर नौबत के साथ ढोल नगाडो की गुंज के साथ महोत्सव का जयघोश करता नजर आ रहा हैं। वही स्कूली बालिकाएं सिर पर कलश धरण किये जय जालोर के नारे लगाते हुए चल रही थी।

पंजाब के बैग पाईपर बैण्ड के संगीत की लहरिया व उनके हैरत अंगेज करतब को देखकर हर कोई दंग रह गया। वही आदर्श विद्या मंदिर के विद्यार्थियों द्वारा घोष वादन ने हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया। वही षोभायात्रा में जिला कलैक्टर निशांत जैन, एडीएम राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय वासु, एसडीएम दौलतराम चौधरी, जालोर विकास समिति के सचिव मोहन पाराशर, पूर्व जिला प्रमुख मंजू मेघवाल, राज्य भूदान आयोग के सदस्य व पूर्व कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नैनसिंह राजपुरोहित, नगरपरिषद के सभापति गोविन्द टांक सहित समस्त जालोर महोत्सव समिति के कार्यकर्ता साफा व पारम्परिक वेशभूषा पहने चल रहे थे। शोभायात्रा हनुमानशाला स्कूल रवाना होकर हरिदेव जोशी सर्किल, हॉस्पीटल चौराहा व राजेन्द्र नगर होते हुए स्टेडियम ग्राउण्ड पहुंची। वही विभिन्न मार्गो पर जालोर वासियों ने पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा में सम्मिलित सभी लोगों का जोश और उत्साह के साथ स्वागत किया। शोभायात्रा में गैरियों ने गैर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देकर लोगो का मनमोह लिया। वही महिलाओं ने लूर नृत्य कर राजस्थानी संस्कृति की अमिट छाप छोडी। शोभायात्रा के पूरे रास्ते लोगो की भीडड़ खी गई।

'पर्यटन विकास की अपार संभावना'

स्टेडियम ग्राउण्ड पर जालोर महोत्सव 2023 का उदघाटन समारोह आयोजित हुआ। उदघाटन समारोह में जालोर महोत्सव आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का साफा, माला व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। वही उदघाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए जिला कलैक्टर निशांत जैन जालोर वासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जालोर महोत्सव के द्वारा जालोर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक ख्याति देश- विदेश में बढ़ी है। जिले में पर्यटन विकास की अतुल सम्भावनाएँ है और जालोर महोत्सव का भव्य और सुन्दर आयोजन जालोरवासियों के साथ ही बाहरी पर्यटकों को भी अपनी और आकर्षित करेगा। उन्होंने कहा कि जालोर जिले के पर्यटक स्थलों के विकास के लिये राज्य सरकार के स्तर पर हर सम्भव सहयोग किया जा रहा है। उन्होने कहा कि जालोर की जनता इन तीन दिवसीयों कार्यक्रमों का उत्साह के साथ भरपूर आनंद लेंवे।

जनता में उत्साह

उन्होंने कहा कि जालोर महोत्सव 2023 को लेकर जालोर की जनता मे अपार उत्साह और उमंग है, जो आज शोभा यात्रा, महोत्सव स्थल और आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम मे नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक अनोखा उत्सव है जो जालोर के हर उपखण्ड मुख्यालय पर पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। जालोर के प्रशासन, आमजन और जन प्रतिनिधियों का इस महोत्सव को लेकर मन से जुड़ाव वास्तव मे तारीफ के काबिल है। यह महोत्सव जालोर की प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मौका देता है।

कार्यक्रमों की जानकारी दी

जालोर के पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल ने कहा कि जालोर महोत्सव जालोर की जनता का अपना महोत्सव है। जालोर की जनता दिल से जुडाव के साथ इसमे शामिल होती है। राज्य भूदान आयोग के सदस्य नैनसिंह राजपुरोहित ने कहा कि जालोर महोत्सव मे आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम में जालोर की प्रतिभाएं अपना प्रदर्शन करेगी। जिसे प्रोत्साहन के लिये सभी इस महोत्सव में अवश्य सहभागी बने। जालोर विकास समिति के सचिव मोहन पाराशर ने महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला तथा आयोजन के लिये सहयोग करने वाले विभिन्न भामाशाहों का धन्यवाद दिया। वही जिला कलैक्टर ने महोत्सव का ध्वजा लहराकर व फिंजा मे तिरंगा रंग के गुब्बारे उडाकर जालोर महोत्सव का शुभारम्भ किया।

उद्घाटन समारोह का प्रारम्भ पंजाब बैंड ने मधुर संगीत से महोत्सव का आगाज किया। वही सेंट एंस स्कूल की बालिकाओं ने स्वागत गीत की प्रस्तति दी।

लोक संस्कृति के रंग खिले

इसके बाद राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालिका स्कूल जालोर की बालिकाओं ने घूमर नृत्य कर माहौल को राजस्थानी संस्कृति से ओतप्रोत कर दिया। इसके बाद हरियाणा से आये ग्रुप ने मै पुरी रात जागी.... हरियाणवी गीत पर आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति देकर लोगो को रोमांचित किया। वही समारोह के मुख्य समन्वयक और जालोर उपखण्ड अधिकारी दौलतराम चौधरी ने तीन दिसवीय कार्यक्रमों के बारे मे जानकारी देते हुए सभी का आभार ज्ञापित किया। समारोह में पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, पूर्व जिला प्रमुख मंजू मेघवाल, नगरपरिषद् के सभापति गोविन्द टांक, प्रतिपक्ष नेता कालूराम मेघवाल, जालोर विकास समिति की टीम के कार्यकर्ता सहित बडी संख्या में पुरूष, महिलाए, बालक, बालिकाए, खिलाडी, अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक उपस्थित थे। समारोह का संचालन निषा कुट्टी और नरपत लाल प्रजापत ने किया।

जालोर महोत्सव को लेकर शोभायात्रा निकाली गई। फोटो–राष्ट्रदूत

जालोर महोत्सव का आगाज जिला कलैक्टर निशांत जैन ने किया। फोटो-राष्ट्रदूत

उम्मेद फौजी वारदात से पहले गैंग सहित पकड़ा

मंडोर की पहाड़ियों में कार्रवाई हुई

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती चौखा गांव के सरपंच चुन्नीलाल टाक को बदमाशों ने फायरिंग के माध्यम से उड़ाने की योजना बनाई। सरपंच केरू पंचायत समिति का ब्लॉक अध्यक्ष होने के साथ ही प्रदेश सरपंच संघ का उपाध्यक्ष भी है। उम्मेद सिंह फौजी नाम का शख्स अपने कुछ कामों को करवाने के लिए उस पर दबाव बना रहा था। सरपंच द्वारा कोई काम नहीं कराए जाने पर उन्हें मारने की योजना उम्मेद सिंह फौजी द्वारा रची गई। मगर पुलिस ने उसकी कोशिश को विफल कर दिया और मंडोर की पहाडिय़ों में उसे घेर कर अलसुबह तक दबोच लिया।

उसके साथ में कुछ और लोग भी हाथ लगे है। काफी हथियार बरामद होना बताया जाता है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक चौखा के सरपंच चुन्नीलाल टाक को एक शातिर बदमाश उम्मेद सिंह फौजी द्वारा फायरिंग कर उड़ाने की योजना थी। उसकी योजना का पता पुलिस को मुखबिर से लगी तो पुलिस अलर्ट हो गई।

पुलिस ने जिला पश्चिम एवं पूर्व में घेराबंदी शुरू की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सरपंच को उड़ाने के लिए तीन चार दिन पहले ही पुलिस को जानकारी मिल गई थी। जिला पूर्व एवं पश्चिम पुलिस अलर्ट मोड़ पर आई और रात में मंडोर एरिया की पहाड़ी इलाकों में सर्च अभियान चलाया। उसकी लोकेशन का पता लगाते हुए पुलिस ने गैंग एवं हथियारों के साथ पकड़ लिया।

उम्मेद फौजी पर है 4000 का इनाम

पुलिस ने बताया कि उम्मेद सिंह फौजी पर चार हजार का इनाम घोषित हो रखा है। वह राजीव गांधी नगर थाने में पॉक्सो एक्ट में वांछित होने के साथ बदमाश प्रवृति का है।

वह फौज से भी बर्खास्त हो रखा है। पुलिस ने उसको पकडऩे के साथ बड़ी योजना को विफल कर दिया। अन्यथा वह सरपंच की जान तक ले सकता था।

गैंग के पास हथियार की सूचना

जानकारी के अनुसार मंडोर के पहाड़ी इलाके में पकड़े गए उम्मेद सिंह फौजी की गैंग से काफी मात्रा में हथियार पकड़े गए है।

फर्जी परीक्षार्थी मामला : निलंबित कांस्टेबल बर्खास्त

जोधपुर, (कासं)। आरपीएससी की वरिष्ठ अध्यापक पात्रता परीक्षा में सोमवार को फर्जी परीक्षार्थी बनकर बैठे लाइन के कांस्टेबल को आज सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। वह अभी सूरसागर पुलिस की अभिरक्षा में है ।

वह किसी अन्य के स्थान पर फर्जी परीक्षार्थी बनकर परीक्षा में बैठा और शक होने पर पकड़ा गया। जिस पर सूरसागर थाने में मामला दर्ज कर रिमाण्ड पर लिया गया। उसकी रिमाण्ड अवधि आज समाप्त गई। उसे फिर से कोर्ट में पेश किया गया।

इधर पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ ने उसके लंबे समय से ड्यूटी से अनुपस्थित चलने एवं फर्जी परीक्षार्थी के तौर पर पकड़े जाने पर उसे सेवा से बर्खास्त किए जाने के आदेश जारी कर दिए। पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ ने बताया कि पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल दल्लाराम पुत्र मेघाराम को सेवा से बर्खास्त किया गया है। वह 31 मई 2015 से रिजर्व पुलिस लाइन आयुक्तालय में तैनात था। अल्प सेवा अवधि में वह छह बार स्वैच्छिक कुल 128 दिन तक ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहा था। वह अभी वर्तमान में 7 दिसम्बर 22 से 71 दिनों से सेवा से स्वैच्छापूर्वक अनुपस्थित चल रहा था।

पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक संस्कृत भर्ती परीक्षा में वह 13 फरवरी को अशोक कुमार नाम के शख्स के स्थान पर फर्जी तरीके से परीक्षा देते पाया गया था। उसे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरसागर में पकड़ा गया था। इस पर उसके खिलाफ राजस्थान परीक्षा अधिनियम में सूरसागर थाने में मामला दर्ज हुआ था।

ऐतिहासिक धरोहर व हस्तकला पर चार विशेष आवरण जारी किए

जालोर, (कासं)। भारतीय डाक विभाग की ओर से पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, जालोर विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जालोर महोत्सव के उदघाटन समारोह में कुल चार विशेष आवरण (स्पेशल कवर) अलग - अलग थीम पर जारी किये गये। जिसमें उक्त विशेष आवरण जालोर की ऐतिहासिक धरोहर जालोर किला और तोपखाना तथा जालोर की हस्तकला भीनमाल की जूतियां व लेटा के खेसले शामिल किये गये है।

जालोर महोत्सव प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला राजस्थान का महत्वपूर्ण सांस्कृतिक महोत्सव है। इसलिए इस वर्ष जिला कलेक्टर जालोर निशांत जैन की विशेष रूचि व आग्रह पर डाक विभाग द्वारा इस मौके पर जालोर की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए डाक विभाग द्वारा इन विशेष आवरणों को जारी करवाने के लिए एक माह पूर्व ही तैयारी कर ली गयी थी। राजस्थान पर्यटन विभाग एवं जालोर प्रशासन के संयुक्त सहयोग से जालोर के इन विशेष आवरणों को जारी करने के लिए संचार मंत्रालय भारत सरकार से अनुमति प्राप्त की गयी एवं बुधवार को जालोर महोत्सव शुभारभ समारोह में विभिन्न गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में भव्य विमोचन किया गया। डाक विभाग जोधपुर के सहायक निदेशक तरुण शर्मा ने बताया कि आज विमोचन किये गये आवरणों के लिए प्रत्येक की 1000-1000 प्रतियां प्रिन्ट करवायी गयी है। प्रत्येक आवरण का मूल्य मात्र पांच रूपये रखा गया है। डाक अधीक्षक मंडल सिरोही विनय कुमार खत्री ने कहा कि यह आवरण तीन दिवसीय जालोर महोत्सव में स्टेडियम में लगी भारतीय डाक विभाग की स्टाल पर जनता को विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके पष्चात इच्छुक व्यक्ति इन लिफाफों को डाकघर अथवा जिला प्रशासन जालोर के काउंटर से कय कर सकता है। जालोर के लिए यह अपने आप में ऐतिहासिक महत्व का विषय है कि आज डाक विभाग में इस विशेष आवरण जारी होने के साथ ही जालोर की विरासत देशभर में पहचान बनेगी। कलेक्टर जालोर ने अतिथियों के साथ साथ डाक विभाग से आये हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष आभार जताया। जालोर डाकघर के सहायक अधीाक रमेश कुमार जांगिड व पोस्टमास्टर खेताराम खत्री मौजूद रहे।

ऐतिहासिक धरोहर जालोर किला और तोपखाना तथा हस्तकला भीनमाल की जूतियां व लेटा के खेसले पर डाक आवरण का विमोचन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। करौली जिले में हिण्डौन सिटी के नई मंडी थाना नुलिस ने वुधवार को एक जने को नौ ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया है । इधर पुलिस की ओर से आये दिन की जा रही कार्रवाई से भी अवैध मादक पदार्थों की तश्करी में लिप्त आरोपियों के हॉसले पस्त नजर नही आ रहे है ।

गौरतलब है कि क्षेत्र में स्मैक के साथ कुकुरमुत्तों की तरह फैल रहे तस्कर, सप्लायरों के खिलाफ पुलि स एक्शन प्लान कर सघन कार्यवाही कर रही है। नई मंडी पुलिस ने लहचौडा गांव से 9 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी इंदरसिंह जाट को गिरफ्तार किया है। उक्त कार्यवाही में पुलि स की पूछताछ के दौरान एक सप्ल ायर के नाम का भी खुलासा हुआ है। हालांकि खुल ासे में रवि मीना का नाम कईओ बार तस्करों से सामने आ चुका है। उपनिरीक्षक नीरज शर्मा के नेतृत्व में कार्यवाही में विशेष भूमिका कांस्टेबल रामेश्वर सिंह, निरंजन व जोगेंद्र सिंह की रही है। इन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। ये रही कार्यवाही नए साल की शुरुआत में नई मंडी पुलि स ने बड़ी कार्यवाही के साथ 260 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 23 लाख रुपए आंकी गई। इसके उपरांत 5.10 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, 6.10 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी व 35.10 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार है।

रेत पर कलाकृति उकेरी

जालोर में महेश सोलंकी ने स्टेडियम ग्राउंड पर रेत से कलाकृति उकेरी। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर महोत्सव के तहत स्टेडियम ग्राउंड में जालोर के स्थानीय कलाकार महेश कुमार सोलंकी व उनके साथी द्वारा रेत पर कलाकृतियों को उकेरी।

जालोर महोत्सव में जालोर राजेंद्र नगर के ही रहने वाले तथा राजकीय चिकित्सालय जालोर के ऑक्सीजन प्लॉट में नियुक्त महेश सोलंकी ने स्टेडियम ग्राउण्ड पर रेत में अपनी कला दिखाकर जालोर की धरोहर को दर्शाया। सेंड आर्ट द्वारा बनाई आकृति आकर्शक का मुख्य केन्द्र रहा। इस सेंड आर्ट बनाने में महेश सोलंकी के साथ करण व किशोर ने भी सहयोग किया। जिसमे सेंड आर्टिस्ट महेश सोलंकी ने रेत से जालोर महोत्सव लोगो, राम राम सा, जालोर किला, वीर कान्हडदेव सोनगरा एवं जालोर का नक्शा बनाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया।

नटराज मंच पर कार्यक्रम हुए

जालोर महोत्सव के तहत स्टेडियम स्थित नटराज मंच पर सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आगाज कार्यक्रम संयोजक सपना बजाज के सानिध्य में हुआ। नटराज मंच पर समूह नृत्य, एकल नृत्य जूनियर, चित्रकला सब जूनियर व सीनियर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जालोर महोत्सव को लेकर जिलेभर के लोगो में काफी उत्साह नजर आया। वही स्टेडिमय प्रागंण में बनाये गये अलग - अलग मैदानो पर खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। वालीबॉल, खो खो, बैडमिन्टन, रस्सा कस्सी, सतोलिया व कब्बडी के रोमांचक मैच खेले गये।

500 गोवंश को खिलाई लापसी

बाप, (निसं)। बाप कस्बा स्थित ऋषि गोपाल गौशाला में पोषित 500 गो वंश को बाप निवासी पूर्व सरपंच भंवरलाल भट्ठड परिवार ने लापसी खिलाई। गोभक्त मनोज लोहिया ने बताया कि रामेश्वरी देवी भट्ठड की प्रेरणा से उनके पुत्र जुगलकिशोर, बाबूलाल, जगन्नाथ, जानकी प्रसाद ने बुधवार को लापसी बनाकर गोशाला के सभी 500० गोवंश को खिलाई। लोहिया ने बताया कि गो शाला परिवार ने भट्टड परिवार का बहुमान किया। लोहिया ने कहा कि गो सेवा महान सेवा है। 33 करोड़ देवता गाय में विराजते है। गाय हमारा जीवन हैं। गाय हमे पालती है। हमे गो उत्पाद उपयोग लेने चाहिए। इस मौके पर रेखचन्द पालीवाल, ज्योति, भोमराज लोहिया, अमृत पालीवाल, राजेंद्र, सुरेश, घनश्याम, अशोक भट्ठड, राजू भट्ठड, अरुण आदि मौजूद रहे।

नीलगाय को बचाने के फेर में अनियंत्रित होकर पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के सुरजपुरा गांव से मालपुरा शहर के आदर्श नगर में मायरा भरने के लिए आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली भगवानपुरा चांदसेन के पास नील गाय के बचाने के दौरान अनियंत्रित हो सड़क किनारे खाई में पलटी खा जाने से एक दर्जन महिलाएं व बच्चे घायल हो गये। जिन्हें मालपुरा अस्पताल में समय पर उपचार नहीं मिला। दो घायलों को जयपुर रैफर किया।

जानकारी के अनुसार सुरजपुरा निवासी रामस्वरूप वैष्णव के परिवारजन आदर्श नगर मालपुरा निवासी परशुराम वैष्णव पटवारी के यहां मायरा भरने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर आ रहे थे। भगवानपुरा चांदसेन के पास अचानक नील गाय के आ जाने पर उसे बचाने के दौरान अनियंत्रित हो ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे खाई में पलटी खा गई। अचानक महिलाओं की चीख-पुकार सुन पास मिट्टी खुदाई कर रहे जेसीबी चालक ने मौके पर पहुंच ट्रैक्टर-ट्रॉली को समय पर सीधा कर 108 एम्बुलेंस व डिग्गी थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस पायलट मो. यूनूस व उसके साथियों ने ग्रामीणों की मदद से घायल कमला पत्नी रामेश्वर जाट, शिवानी पुत्री लेखराज माली, शीलू पुत्री लेखराज माली, विवेक पुत्र मनोहर वैष्णव, धापू पत्नी धन्नालाल वैष्णव, सम्पत पत्नी विष्णु वैष्णव, मोहिनी पत्नी रामकिशोर, राधिका पुत्री विष्णु, विश्वास पुत्र मनोहर, कमला पत्नी रामप्रसाद सभी जाति वैष्णव को प्राथमिक उपचार दे मालपुरा अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। घायल आठ वर्षीय शिवानी को परिजन गोद में लेकर उपचार की गुहार लगाते रहे। लेकिन नर्सिंगकर्मियों ने तकरीबन बीस मिनट से अधिक समय तक घायलों का उपचार करने के बजाय एक-दूजे को निर्देश देते रहे।

बैड के अभाव में एक पलंग पर दो घायलों को लेटाया गया। इतनी बड़ी संख्या में घायलों के पहुंचने के बावजूद एक मात्र चिकित्सक कैलाश साम्भरिया वार्ड में पहुंचे। तो प्रशिक्षु नर्सिंग छात्र घायलों का इलाज करते देखे गये। मासूम बच्ची को मीडियाकर्मियों के हस्तक्षेप के बाद ऑक्सीजन लगाई गई। चिन्ताजनक हालत में मासूम बच्ची शिवानी माली व महिला कमला जाट को जयपुर रैफर किया गया। शेष घायलों को मालपुरा अस्पताल में उपचार शुरू किया गया। डीवाईएसपी सुशील मान ने अस्पताल पहुंच कर घायलों की कुशलक्षेप पूछ उपचार शुरू करवाया।

खराब फसल लेकर पहुंचे किसान

नागौर, (नि.सं.)। नागौर की ग्राम पंचायत रायधनु में किसानों ने विशेष गिरदावरी की मांग को लेकर मौन प्रदर्शन किया व कलेक्टर पीयूष समारिया को किसानों ने ज्ञापन सौंपा।

किसानों का कहना है कि पिछले दिनों चली शीत लहर से फसल पूरी तरह से खराब हो गई थी, ऐसे में ग्राम पंचायत रायधनु में विशेष गिरदावरी करवाई जाए, ताकि वस्तु स्थिति सामने आए और किसानों को फसल खराबा का उचित मुआवजा सरकार की ओर से मिले। किसानों ने बताया कि जीरा, इसबगोल सहित अन्य फसलें मौसम की मार की वजह से पूरी खराब हो गई। ओलावृष्टि होने के कारण इस बार खरीफ की ज्यादातर फसल 70 से 80 प्रतिशत तक खराब हो गई। नागौर कलेक्टर ने खरीफ फसलों में अतिवृष्टि से हुए खराबे को लेकर जिले के सभी तहसीलदार से विशेष गिरदावरी रिपोर्ट मांगी थी। बिना खेतों में गए रिपोर्ट के कारण किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिल सकेगा। किसानों की फसलों का बीमा करने वाली फसल बीमा कंपनियों को भी बीमा राशि नहीं चुकानी पड़ेगी।

मगरा क्षेत्र के 10 कार्यों की दी स्वीकृति

अजमेर, (नि.सं.)। जिला परिषद, अजमेर की जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाडा की ओर से क्षेत्रीय विकास बोर्ड कार्यक्रम के अन्तर्गत क्षेत्रीय आवश्यकता के मध्यनजर विभिन्न अति-आवश्यक कार्यो को चिन्हीत कर, वार्षिक योजना 2022-23 में सम्मलित करने हेतु अध्यक्ष, मगरा क्षेत्रीय विकास बोर्ड राजस्थान सरकार को प्रस्तावित किये गये थे, जिनका अनुमोदन माननीय अध्यक्ष द्वारा किया गया था। अनुमोदित कार्यो के अनुसार मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद अजमेर द्वारा स्वीकृति जारी करने की कार्यवाही कर, जिला प्रमुख को राशि हस्तानान्तरण के अनुमोदन हेतु प्रस्तावित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्षिक योजना 2022-23 में सम्मलित एवं स्वीकृत कार्यो के राशि हस्तानान्तरण का अनुमोदन जिला प्रमुख की ओर से प्रदान किया गया।

कार्यो में ग्राम सबलपुरा में पेयजल हेतु झालरा निर्माण कार्य ग्राम पंचायत मानपुरा राशि 2 लाख, ग्राम मसूदा में हीरा रामा का बाडिया में राउप्रावि में कक्षा कक्ष निर्माण राशि 4 लाख, राउमावि देवमगरी में कक्षा कक्ष निर्माण राशि 3 लाख 20 हजार, ग्राम फतेहगढ में राउमावि के पास जीएलआर पानी की टंकी निर्माण राशि 1 लाख 60 हजार, राउमावि झाकखास में दो कक्षा कक्ष निर्माण राशि 7 लाख 95 हजार की स्वीकृति दी गई। राउप्रावि देवपुरा में नवीन कक्ष निर्माण कार्य राशि 4 लाख 80 हजार, ग्राम झाक उपरला थल का बाडिया कब्रिस्तान की चार दीवारी निर्माण कार्य राशि 3 लाख 87 हजार, ग्राम बाडिया मेदा का व ग्राम रतनपुरा घाटा में सामुदायिक भवन राशि 9 लाख 60 हजार, ग्राम नाडी ढन्डिया में खुला सामुदायिक भवन के पास एक सार्वजनिक कुंआ निर्माण कार्य राशि 4 लाख 80 हजार, ग्राम नयां गांव सामुदायिक भवन निर्माण माताजी स्थान के पास जामुन का बाडिया राशि 4 लाख के कुल 45 लाख 2 हजार की राशि हस्तानान्तरित की गई हैं।

जेडीए के अफसरों की सांठगांठ से जीरो सेटबैक में बन रहा बहुमंजिला कॉम्पलेक्स

धावास रोड पर जगदम्बा नगर स्थित भूखंड़ संख्या डी-227 का मामला

धावास रोड पर जीरो सेटबैक पर बना बेसमेंट समेत दो मंजिला कॉम्पलेक्स

- **मुख्य प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी ने एक माह पहले कार्रवाई के निर्देश दिए थे, प्रवर्तन अधिकारी ने फाइल दबा दी**
- **3 फरवरी को जेडीए कमिश्नर के ऑफिस से शिकायत पुनः प्रवर्तन विंग में पहुंची; जिस पर रघुवीर सैनी ने 3 दिन में अवैध बिल्डिंग तोड़ने को कहा, फिर भी आज तक कार्रवाई नहीं हुई**

जयपुर (का.सं)। ''बाड़ की खेत को खाए तो रखवाली कौन करे?'' यह कथन जेडीए प्रशासन पर फिट बैठता है। करणी विहार क्षेत्र के धावास रोड पर जगदम्बा नगर में भूखंड़ संख्या डी-227 में जीरो सेटबैक में बन रही बहुमंजिला इमारत को तोड़ने की फाइल पिछले एक माह से जेडीए के अधिकारियों की टेबल पर घूम रही है, लेकिन कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं। मजेदार बात यह है कि मुख्य प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी ने एक माह पहले 19 जनवरी को कार्रवाई के निर्देश दिए थे, लेकिन प्रवर्तन अधिकारी ने फाइल ही दबा दी। इसके बाद 3 फरवरी को जेडीए कमिश्नर के ऑफिस से शिकायत पुनः प्रवर्तन विंग में पहुंची। जिस पर रघुवीर सैनी ने 3 दिन में अवैध बिल्डिंग तोड़ने के लिए प्रवर्तन अधिकारी श्रीराम बडसरा को कहा, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई।

जानकारी के मुताबिक 19 जनवरी को धावास रोड निवासी रामस्वरूप शर्मा ने मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी को शिकायती पत्र दिया कि जगदम्बा नगर में भूखंड़ संख्या डी-227 पर जीरो सेटबैक पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। परिवादी ने फोटोज भी सौंपे। जिन्हें देखकर रघुवीर सैनी ने शिकायती पत्र उप नियंत्रक प्रवर्तन पूनम कुमार और पृथ्वीराज नगर के प्रवर्तन अधिकारी श्रीराम बडसरा को मार्क किया। जिस पर सैनी ने लिखा कि करीब 150 वर्गगज से ज्यादा जमीन पर बेसमेंट समेत दो मंजिला व्यावसायिक कॉम्पलेक्स अवैध तरीके से बनाई जा रही है। मामला गंभीर प्रकृति का है, इस पर तुरंत कार्रवाई करें। इस प्लॉट पर आगे अवैध निर्माण कार्य नहीं होना चाहिए। तीन दिन में मौका रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

मजेदार बात यह है मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी के इन आदेशों की धज्जियां उनके ही अधीनस्थ प्रवर्तन अधिकारी ने उडाई। अवैध निर्माण पर तीन दिन में कार्रवाई करना तो दूर, प्रतर्वन अधिकारी ने मौका रिपोर्ट तक पेश नहीं की। इसी बीच परिवादी की शिकायत जेडीए कमिश्नर रवि जैन के ऑफिस से ट्रांसफर होकर प्रवर्तन विंग में पहुंच गई। जिस पर मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने पुनः पूनम कुमार और प्रतर्वन अधिकारी श्रीराम बड़सरा को शिकायती पत्र मार्क किया। जिस पर रघुवीर सैनी ने टिप्पणी कर पूछा कि '' पूर्व में भी शिकायत हुई, गंभीर उल्लंघन कर अवैध कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स बन रहा है। अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई? अविलम्ब प्रभावी विधिसम्मत कार्रवाई करके अवैध निर्माण को ध्वस्त करें और 3 दिन में रिपोर्ट पेश करें।'' ताज्जुब की बात यह है मुख्य नियंत्रक प्रतर्वन के इन दो आदेशों के बावजूद प्रवर्तन अधिकारी चुप्पी साधे बैठे है। उधर मौके पर निर्माण कार्य बदस्तूर जारी है।

विधायकों की नहीं, अफसरों की चलती है : व्यास

जयपुर (विसं)। जोधपुर के सूरसागर से वरिष्ठ विधायक सूर्यकांता व्यास ने गहलोत सरकार से पेट्रोल व डीजल में राज्य के करों में कमी करने की मांग की। उन्होंने विधायकों की अनुशंषा पर सड़क निर्माण की घोषणा पर कहा कि वर्तमान में विधायकों की नहीं, अधिकारियों की चलती है। ऐसे में यह तय किया जाना चाहिए कि कौन सी सड़क विधायक की अनुशंषा पर बनेगी। प्रदेश में सरकार ने स्कूलें तो खोल दी, लेकिन वहां पर संशाधनों व स्टाफ की कमी के चलते बच्चों को शिक्षा नहीं मिल पा रही है। मेरे क्षेत्र की आठवीं कक्षा तक की कई स्कूलों में महज चार कमरे हैं।

इनमें से एक कमरा आंगनबाड़ी के कार्य में उपयोग लिया जाता है। तीन कमरों में 4 मास्टर आठवीं तक की कक्षा लगाते हैं। स्थिति यह है कि एक स्कूल में चौथी कक्षा का बच्चा, उन्हें मुख्यमंत्री तक का नाम नहीं बता पाया। जबकि मुख्यमंत्री स्वयं जोधपुर से आते हैं। ''जोधपुर का विकास नहीं होना...मामा को ब्याव मां पुरसनवाली, फिर भी म्हे भूखा है...जैसी स्थिति है।'' सरकार की घोषणा के बाद सालभर में ट्यूबवेल तक नहीं लगा। अधिकारी सुनते ही नहीं है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि सरकार की ओर से कार्यों की घोषणा तो की जा रही है, लेकिन मॉनिटरिंग नहीं हो रही। अगर मॉनिटरिंग होती तो जोधपुर विकास में चमक जाता।

ए.डी.जी. दिनेश एम.एन. ने पदभार संभाला

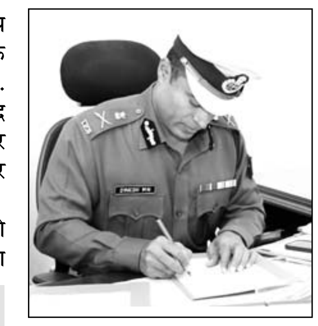

जयपुर । पुलिस मुख्यालय की अपराध शाखा की ओर से अतिरिक्त महानिदेशक अपराध के पद पर पदस्थापित रहे डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा को पदोन्नित के बाद महानिदेशक सिविल राइट्स एवं साइबर क्राइम पद पर पदस्थापन होने पर भावभीनी विदाई दी गई।

इससे पूर्व उन्होंने बुधवार को अतिरिक्त महानिदेशक अपराध पद का

- **डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा को अपराध शाखा ने भावभीनी विदाई दी**

पदभार भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष 1995 बैच के अधिकारी दिनेश एम.एन. को सौंपा। डॉ. मेहरड़ा ने अपराध शाखा में विगत सवा दो वर्ष के कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया। उपमहानिरीक्षक राहुल प्रकाश एवं राहुल कोटोकी सहित सभी अधिकारियों ने डॉ. मेहरड़ा के सरल व सहज व्यवहार की प्रशंसा की एवं उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान करने के लिए आभार जताया। अपराध शाखा में पदस्थापित रहे पुलिस महानिरीक्षक राजेंद्र सिंह, उपमहानिरीक्षक अनिल कुमार टांक तथा प्रीति चंद्रा एवं पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी को भी नव पदस्थापन पर विदाई दी गई। उपमहानिरीक्षक राहुल प्रकाश एवं राहुल कोटोकी ने नव पदस्थापित अधिकारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए। अपराध शाखा ने उन्हें माल्यार्पण कर विदाई दी।

डॉ. राजीव बगरहट्टा ने साझा किए अनुभव

एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के लिटरेचर फेस्टिवल डॉ. राजीव बगरहट्टा, डॉ. सुधीर भंडारी, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. कुसुम गौड़ समेत कई लोग मौजूद थे।

जयपुर । वेल प्लेड बुक लिखने के पीछे मेरा उद्देश्य था कि मैं अपने पिता की कहानी को अपने शब्दों के बयां कर सकूं। कैसे उन्होंने पीटीआई टीचर से शुरुआत की और पीएचडी करते हुए मेडिकल क्षेत्र में काम किया। इसकी एक संघर्षरत कहानी इस बुक में है। एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन में आयोजित हुए लिटरेचर फेस्टिवल साहित्य परिचर्चा में प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा ने यह बात कही। डॉ. राजीव के अलावा डॉ. शिव गौतम, डॉ. कुसुम गौड़ समेत अन्य डॉक्टर्स की बुक पर भी चर्चा हुई।

लाइब्रेरी सेमिनार हॉल में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में आरयूएसएच के कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज में पॉजिटिव एनर्जी लाता है। संयोजक डॉ. अमित शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रबुद्ध चिकित्सक लेखकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. राजीव बगरहट्टा की पुस्तक वेल प्लेड डॉ. शिव गौतम की फिजिकल हेल्थ ऑफ मेंटली इल, डॉ. कुसुम गौड़ की स्वयं की ओर- एक साधक की डायरी से, डॉ. नचिकेत व्यास की मेडोकॉस और सिद्धार्थ निर्माण की बुक द लास्ट विच ट्रायल पर साहित्य परिचर्चा हुई। यहां 50 से अधिक प्रतिभागियों ने स्लोगन, हिंदी और अंग्रेजी में डिबेट और कविता, लॉफ्टर शो और पैनल डिस्कशन में भाग लिया। आयोजन सचिव डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया आज विजेताओं के नाम की घोषणा की गई।

संक्षिप्त

उदयपुर में 2 नए करोना संक्रमित

जयपुर । प्रदेश में बुधवार को दो नए करोना संक्रमित मिले हैं। हालांकि इस दौरान किसी भी मरीज के रिकवर नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 8 हो गए हैं। प्रदेश में बुधवार को उदयपुर में करोना के दो नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले राज्य में मंगलवार को कोई भी नया संक्रमित नहीं पाया गया था। राजधानी जयपुर में आज भी कोई नया मरीज सामने नहीं आया है। उधर प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में किसी भी मरीज के ठीक नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 8 हो गए हैं। इनमें उदयपुर में 4, जयपुर में 3 तथा अजमेर में एक मामला है। राज्य में बुधवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9654 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में मंगलवार को 597 कोविड के टीके लगाये गये है। इनमें 397 लोगों को प्रोकॉशन डोज दी गई है।

नौसेना की महिला कार रैली जयपुर में

जयपुर, (का.सं.)। एडमिरल आर हरि कुमार, नौसेनाध्यक्ष ने वर्चुअल रूप से और नेवी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (नवा) की अध्यक्ष कला हरि कुमार ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नई दिल्ली से अखिल महिलाओं की कार रैली को 14 फरवरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और यह कार रैली इसी दिन जयपुर पहुंचीं। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नई दिल्ली से युद्ध स्मारक, लोंगेवाला (राजस्थान) तक शीज़ अनस्टॉपेबल के स्लोगन और टैग लाइन सोर हाई के साथ अखिल महिलाओं की कार रैली बीकानेर, जैसलमेर, लोंगेवाला, जोधपुर, उदयपुर से होते हुए वापस दिल्ली पहुचेंगी। ये रैली 14 से 25 फरवरी तक 12 दिनों में 2300 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। रैली 14 फरवरी की शाम को एसओएस चिल्ड्रन गांव, जयपुर पहुंची जहां टीम ने भारतीय नौसेना द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न कैरियर अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा करने और प्रेरित करने के लिए बच्चों के साथ बातचीत की। यह रैली 16 फरवरी को बीकानेर के लिए रवाना होगी जहां वे बच्चों और स्थानीय लोगों के साथ आउटरीच गतिविधियां करेंगे।

39वीं कावड़ पदयात्रा 18 को

जयपुर (कासं)। श्री खोले के हनुमान मंदिर की 39वीं कावड़ पदयात्रा बुधवार को पुष्कर सरोवर के गऊघाट से रवाना हो गई। कावडियों ने कलशों में जल भर कर रवानगी ली। यात्रा 18 फरवरी को मंदिर पहुंचेगी। श्री नरवर आश्रम सेवा समिति के महामंत्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि 101 कावड़ पदयात्री किशनगढ़, दूदू, बड़ के बालाजी में रात्रि विश्राम करते हुए 18 फरवरी को अजमेर रोड, सोडाला, अजमेर पुलिया, अमरापुर, गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहा, पांचबत्ती, अजमेरी गेट होते हुए मध्याह्न 2 बजे राजस्थान चैम्बर भवन में विश्राम करेंगे। यहां शाम 5 बजे कावड़ पदयात्रा लवाजमे के साथ रवाना होकर न्यू गेट, सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, सुभाष चौक, गंगापोल, बदनपुरा होकर रात्री 8 बजे मंदिर पहुंचेगी। रात्रि में ही श्री आनंदेश्वर महादेव और श्री खोले के हनुमान जी का वेद मंत्रोच्चारण के साथ कावड़ जल से अभिषेक किया जाएगा।

सोडाला में श्वान की हत्या

जयपुर (कासं)। सोडाला इलाके में श्वान (कुत्ते) को बेरहमी से पीटने और उसे जान से मारने का मामला सामने आया है। युवती ने स्ट्रीट डॉग को बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसके साथ भी बदतमीजी की। लड़की काफी देर तक डॉग को छोड़ने के लिए प्रार्थना करती रही, लेकिन युवक नहीं माने। कुत्ते को मारने के बाद आरोपी उसे वहीं पटककर चले गए। इसके बाद लड़की ने तीन आरोपियों के खिलाफ कुत्ते की हत्या का मामला दर्ज कराया है।

मामला शहर के सोडाला थाना क्षेत्र के सुशीलपुरा का है। पुलिस ने बताया कि यहां की रहने वाली फिजियोथैरेपिस्ट विनीता सोनी ने शिकायत दी है कि उसके घर के पास तीन युवकों ने एक कुत्ते को बेरहमी से मार दिया। रिपोर्ट के मुताबिक वारदात मंगलवार शाम करीब पांच बजे की है। उसने अपने घर की बालकॉनी से देखा कि तीन लड़के एक कुत्ते के सिर पर डंडे से ताबड़तोड़ वार कर रहे हैं। जब नीचे उसे बचाने गई तो भी आरोपी नहीं माने। उन्होंने कहा कि ये कुत्ता पागल है और किसी को काट जाएगा। विनीता ने कहा कि पागल है तो इसे बांध दो। फिर नगर पालिका को फोन कर दो। डॉग को मारना आपका हक नहीं है, लेकिन वह नहीं माने। विनीता ने बताया कि डंडों से मारने से डॉग की तड़प-तड़प कर मौत हो गई। तीनों लड़कों ने उसके साथ भी बदतमीजी की। युवती ने डॉग को मारने की करतूत को अपने मोबाइल में कैद कर लिया। पुलिस को बुलाने की धमकी देने पर तीनों वहां से भाग निकले। इसके बाद उसने एक एनजीओ वालों से कॉन्टैक्ट किया और डॉग के शव को एम आई रोड स्थित वेटरनरी हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद सोडाला थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ स्ट्रीट डॉग को मारने का मामला दर्ज करवाया। युवती ने पुलिस को डॉग को पीट-पीटकर मारने का वीडियो भी दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसआई धर्मेन्द्र कुमार ने बताया- विनीता सोनी नाम की युवती की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। स्ट्रीट डॉग को मारने के मामले में राघव उर्फ मोटा नाम के व्यक्ति की पहचान की है।

'13 जिलों को पानी न मिला तो जनता कांग्रेस-भाजपा दोनों को नहीं बख्शेगी'

विधायक इंद्राज गुर्जर ने सदन में ई.आर.सी.पी. का मुद्दा उठाकर सदन में केन्द्र व राज्य सरकार पर निशाना साधा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । विधानसभा में बजट पर बहस के दौरान बुधवार को सचिन पायलट समर्थक कांग्रेस विधायक इंद्राज गुर्जर ने ई.आर.सी.पी. को लेकर केंद्र व राज्य सरकार पर निशाना साधा। गुर्जर ने कहा 13 जिलों में पानी की भारी कमी है। अगर ई.आर.सी.पी. नहीं आई तो हमारे जिलों में पीने का पानी नहीं बचेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दौसा आए, लेकिन गोलमोल करके चले गए। राजस्थान सरकार और केन्द्र सरकार ई.आर.सी.पी. पर एक दूसरे के पाले में गेंद डाल रहे हैं। जलशक्ति मंत्री राजस्थान के हैं, एक जगह बैठकर इसका समाधान निकाले। अगर हम पानी देने में विफल रहे तो

- **उन्होंने कहा कि ''आज हम सत्ता में हैं, कल पता नहीं कौन होगा? आगे जनता जवाब मांगेगी कि ईआरसीपी के इस प्रोजेक्ट का लटकाने का दोषी कौन होगा। जिस भी स्तर पर कमियां हैं, हमें उन्हें ठीक करके आगे बढ़ना होगा।''**

जनता न कांग्रेस को बख्शेगी और न बीजेपी को। सरकार ने कितने ही अच्छे काम किए हों, लोगों को पानी नहीं मिलता है तो इन सब कामों पर पानी फिर जाता है। आज हम सत्ता में हैं, कल पता नहीं कौन होगा? आगे जनता जवाब मांगेगी कि ईआरसीपी के इस प्रोजेक्ट का लटकाने का दोषी कौन होगा। जिस भी स्तर पर कमियां हैं, हमें उन्हें ठीक करके आगे बढ़ना होगा। इंद्राज गुर्जर ने ई.आर.सी.पी. पर चर्चा के लिए विधानसभा में विशेष सत्र बुलाने की मांग रखी। जिस पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने इसका समर्थन करते हुए कहा, यह उत्तम सुझाव है। ई.आर.सी.पी. पर सत्र बुलाइए, हम बहस करने को तैयार हैं। कांग्रेस विधायक रघु शर्मा ने राठौड़ पर तंज कसते हुए कहा ''राठौड़ साहब, आपके पीछे तो धरातल ही नहीं है।''

पावर बाइक चुराने वाली गैंग पकड़ी

जयपुर । प्रताप नगर पुलिस ने पावर बाइक चोरी करने वाली गैंग पकडी है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार एवं तीन बाल अपचारियों को निरुद्ध किया है। पुलिस उपायुक्त पूर्व ज्ञान चंद यादव ने बताया कि राजनौता निवासी गजेंद्र सिंह (18) व अलवर के बानसूर निवासी अनिल सिंह (20) को गिरफ्तार किया है। कोटपुतली के रहने वाले तीन बाल अपचारियों को निरुद्ध किया है। पुलिस ने अब तक 17 बाइक बरामद की है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी गजेन्द्र सिंह गैंग का सरगना था। वह जयपुर में डिफेंस की तैयारी के लिए आया था। यहां दोस्तों को पॉवर बाइक चलाते देख वह बाइक चोरी करने लगा। गजेन्द्र को बुलेट सबसे ज्यादा अच्छी लगती थी। इसलिए वह अधिकांश बुलेट ही चोरी करता था। जब तक दिल करता उसे अपने पास रखता फिर बाइक को बेच देता था। चार महीने में गजेन्द्र ने अपने साथियों के साथ मिलकर 40 से अधिक वारदातों का अंजाम दिया। पुलिस ने जब उसके फ्लैट पर दबिश देकर 5 पावर बाइक बरामद की। इसके बाद कांस्टेबल शंकर लाल व बजरंग आरोपियों को अलग-अलग शहरों में बेची गई चोरी की बाइक की बरामदगी के लिए गए।

सदियों पुरानी सैकड़ों पांडुलिपियों के दुर्लभ खजाने की अनूठी प्रदर्शनी

गणगौरी बाजार स्थित वीरेश्वर भवन में तीन दिवसीय पाण्डुलिपि प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। इस मौके पर संस्कृत शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. भास्कर श्रोत्रिय और जगदगुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे भी मौजूद थे।

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान संस्कृत अकादमी और कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से प्रदेश भर में आयोजित किए जा रहे अखिल भारतीय महाकवि माघ महोत्सव के कार्यक्रमों की कड़ी में गणगौरी बाजार जयपुर स्थित वीरेश्वर भवन में राजस्थान संस्कृत अकादमी, वैदिक हैरिटेज एवं पाण्डुलिपि शोध संस्थान, जयपुर एवं पद्म श्री नारायण दास संग्रहालय एवं पाण्डुलिपि शोध संस्थान जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में संयोजित तीन दिवसीय पाण्डुलिपि प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ।

प्रदर्शनी में संस्कृत शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. भास्कर श्रोत्रिय विशिष्ट अतिथि थे, जगदगुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने अध्यक्षता की इस मौके पर राजस्थान संस्कृत अकादमी की अध्यक्ष डॉ. सरोज कोचर, निदेशक संजय झाला, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शास्त्री कौशलेन्द्र दास समेत बड़ी संख्या में संस्कृत विद्वान उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रो. रामसेवक दुबे ने कहा कि मैं इस कार्यक्रम में आकर अभिभूत हूँ, ऋषि मुनियों की साधना के प्रमाण रूप इन ग्रंथों को देखना और स्पर्श करना भी महान पुण्य के समान है। ऐसे ग्रंथों के संरक्षण में लगे हुए आप मात्र धन्य है। वहीँ भास्कर श्रोत्रिय ने कहा की हमारे ऋषि मुनियों के इस महान कार्य को संरक्षण और संवर्धन हेतु प्रकाश में लाने की आवश्यकता है। अधिक से अधिक पाण्डुलिपियों का प्रकाशन होना चाहिए। आज हमें पुनः लेखन की बहुत आवश्यकता है। इन पाण्डुलिपियों का पुनः लेखन कराया जाये। राज. संस्कृति अकादमी सही मायने में संस्कृत संवर्धन के साथ सम्पूर्ण राष्ट्र के लिये महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

ऑडी कार के शोरूम में चोरी करने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । विधायकपुरी पुलिस ने एम.आई. रोड स्थित ऑडी कार के शोरूम में 15 लाख की चोरी करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी योगेश गोयल ने बताया कि 30 जनवरी को ऑडी कार शोरूम के मैनेजर चंदन खंडेलवाल ने मामला दर्ज कराया था। पीड़ित ने बताया कि उनके शोरूम में रखी तिजौरी और सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर किसी ने चुरा ली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर पहले तो शोरूम में कार्यरत कर्मचारियों से पूछताछ की। इसके बाद संदिग्ध मोबाइल नंबरों की सीडीआर निकलवाई और अमित कुमार योगी की पहचान की गई। उससे पूछताछ के आधार पर शोरूम के अकाउंटेंट रवि शर्मा निवासी दीप विहार पांच्यवाला और सीसीटीवी कैमरों की देखरेख करने वाला सतपाल योगी निवासी जवाहर नगर को गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में आया कि दोनों बदमाशों ने योजना बनाकर पहले डीवीआर को हटाया, फिर तिजौरी गायब की। फिर तीसरे आदमी अमित योगी को पैसों का लालच देकर तिजौरी फिंकवाई। पुलिस ने आरोपियों से 3.28 लाख रुपये बरामद किए हैं।

सार-समाचार

अक्षयपात्र को फूड डिलीवरी वाहन भेंट

जयपुर (कासं)। इंडियन ऑयल कार्पोरेशन ने बच्चों को गरम खाना पहुंचाने के लिए अक्षय पात्र को 34 लाख रुपये के दो फूड डिलीवरी वाहन और डबल सेट बर्तन भेंट किए है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन आदर्श नगर जयपुर स्थित ऑफिस परिसर से एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर व स्टेट हैड आलोक कुमार पांडा व अक्षय पात्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रघुपति ने इन दोनों वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रघुपतिदास ने बताया कि अक्षय पात्र फाउंडेशन एक गैर लाभकारी स्वयंसेवी संस्था है, जो जयपुर शहर के करीब 1200 सरकारी स्कूलों के डेढ़ लाख बच्चों को प्रतिदिन दोपहर का भोजन पहुंचाती है। केन्द्रीयकृत रसोईघर में पिक-अप गाड़ी से यह भोजन पहुंचाया जाता है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए अक्षय पात्र फाउंडेशन को बंद बॉडी की 34 लाख रुपये लाख के दो फूड डिलीवरी वाहन आर डबल सेट बर्तन भेंट किये हैं। इन दोनों वाहनों से प्रतिदिन करीब 4 हजार बच्चों को गरम और पोष्टिक भोजन उपलब्ध करवाया जाएगा। रघुपतिदास ने अक्षयपात्र फाउंडेशन की तरफ से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के आलोक कुमार पांडा को धन्यवाद दिया।

पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

जयपुर (कासं)। चार वर्ष पूर्व पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए 40 सैनिकों की शहादत को कभी नहीं भुलाया जा सकता । पुलवामा के शहीदों की याद में खगुल कृष्ण आध्यात्म परिकर के तत्वावधान में गोपालपुरा बाईपास रोड पर कैंडल मार्च निकालकर शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर तिरंगे को नमन करते हुए पुलवामा के चालीस शहीदों के चित्र लगाकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की । इस अवसर पर अध्यात्मिक प्रवक्ता खगुल कृष्ण भारद्वाज ने पुलवामा के शहीदों की गाथा का बखान करते हुए कहा कि हमारा भारत देश इन शहीदों की कुर्बानी हमेशा याद रखेगा। और देश पर मर मिटने वालों का यही आखिरी निशान होगा। इस दिवस पर हमारी युवा पीढ़ी को अपने देश धर्म पर गर्व करना चाहिए क्यूंकि हमारे सीमा प्रहरियों की मुस्तैदी रखने से ही हमारा देश सुरक्षित है।

आई.ए.एस. पैटर्न से प्रदेश में 95 फीसदी संविदाकर्मी वर्तमान में नहीं हो सकेंगे नियमित : रामस्वरूप टांक

''इस पैटर्न के मुताबिक जिस कार्मिक ने 3 वर्ष की सेवा पूरी की है, उन्हें 1 वर्ष का अनुभव लाभ मिलेगा''

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट में आईएएस पैटर्न के आधार पर संविदाकर्मियों को नियमित करने की बड़ी-बड़ी बातें तो कही, लेकिन यह सिर्फ छलावा है। आईएएस पैटर्न यानि कि, जिस कार्मिक ने 3 वर्ष की सेवा पूरी की है उन्हें 1 वर्ष का अनुभव लाभ मिलेगा। इस प्रकार 15 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर 5 वर्ष की सेवा अवधि की गणना की जावेगी। यह कहना है संयुक्त संविदा मुक्ति मोर्चा राजस्थान के रामस्वरूप टांक और नरेन्द्र कुमार राजपुरोहित का।

उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर राज्य सरकार ने यह छलावा बंद करके संविदाकर्मियों को सीधे नियमित नहीं किया तो राजस्थान में बड़ा जनआंदोलन किया जायेगा, जिसकी पूरी

- **उडीसा और पंजाब सरकार ने पिछले साल क्रमशः 57 हजार और 25 हजार संविदाकर्मियों को उनके वास्तविक अनुभव के आधार पर नियमित किया है : नरेन्द्र राजपुरोहित**

जिम्मेदारी सरकार की होगी।

रामस्वरूप टांक ने बताया कि बजट में मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य सेवा से आईएएस में वरिष्ठता निर्धारण के लिए अनुभव की गणना करने की तर्ज पर संविदा कर्मियों के अनुभव की गणना करेंगे। जब संविदाकर्मियों की यूनियन ने आईएएस पैटर्न की पूर्ण जानकारी के लिए वित्त विभाग और कार्मिक विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की तो पैरों तले जमीन खिसक गई।

उन्होंने कहा कि आईएएस पैटर्न यानि कि, जिस कार्मिक ने 3 वर्ष की सेवा पूरी की है उन्हें 1 वर्ष का अनुभव लाभ मिलेगा। इस प्रकार 15 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर 5 वर्ष की सेवा अवधि की गणना की जावेगी। राज्य सरकार के इस निर्णय से लाखों संविदा कर्मियों के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है। इस आधार पर 95 फीसदी संविदाकर्मी आज दिनांक तक नियमित नहीं हो सकेंगे। उन्हें ना ही मानदेय वृद्धि का लाभ मिलेगा। इसे गहलोत की जादूगरी कहें या अफसरों की लालफीताशाही या बंधुआ मजदूरी को बढ़ावा देने वाली नीति। नरेन्द्र राजपुरोहित ने बताया कि उडीसा सरकार ने 3 मार्च 2022 और 16 अक्टूबर 2022 को नोटिफिकेशन जारी करके करीब 57 हजार संविदाकर्मियों को नियमित किया है। इसी प्रकार पंजाब राज्य विधानसभा में बिल नंबर 38 पीएलए-2021 के जरिये करीब 25 हजार संविदाकर्मियों को नियमित किया है। दोनों राज्यों ने संविदाकर्मियों के अनुभव को वास्तव अनुभव माना है, उसमें कोई कटौती नहीं की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राजस्थान में सत्ता हासिल करने के लिए वर्ष 2018 में संविदाकर्मियों को नियमित करने का झांसा दिया था, लेकिन साढ़े चार वर्ष बीतने के बाद भी आज संविदाकर्मी रोड पर बैठे है। अशोक गहलोत की इस जादूगरी के कारण संविदाकर्मियों का भविष्य अंधकार में डूबा नजर आ रहा है।

The Dynasty

The first records of green roses come from China in the 18th century. They were grown in the famed Forbidden City, and were the sole property of the emperor. Then in 1856, the British nursery Bembridge and Harrison introduced green roses to the public. These flowers were known for their big blooms. The English public couldn't get enough of them, and these amazing flowers spread around the world. While they aren't as popular as the classic red rose, they're still a sight to behold.

#CURTAIN RAISER

Royal Marwari Horse Show

The Indigenous Horse Society of India is organizing The Royal Marwari Jaipur Horse Show at Rajasthan Polo Club in Jaipur from March 3 to March 5. Around 150 Marwari horses will participate in this show.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

The equestrian culture of India is as ancient as the epics Mahabharata and Ramayana, where the horse, or "ashwa," has played a significant role in Indian traditions such as marriage, religious ceremonies, and war. However, the lack of documentation on the breed's conformation and lineage, even after India's independence, was a devastating realization. To address this gap, the Indigenous Horse Society of India (IHSI) was established with the goal of documenting, promoting, preserving, and educating horse owners.

Owing to the efforts of the Society, the Marwari horse has regained its position not just in India but also abroad. The breed has been showcased at numerous events, such as the World Equestrian Games in the USA, the

Queen's Diamond Jubilee Celebrations in the UK, and the 40th anniversary of the Late Sultan of Oman's regime in Oman. Today, this majestic breed can be found in several countries, including the USA, Germany, France, Spain, Maldives, Oman, Luxembourg, and Sri Lanka.

The IHSI is organizing the Royal Marwari Jaipur Horse Show from March 3 to March 5 at Rajasthan Polo Club in Jaipur. During the course of the three days, there will be a multitude of interesting equestrian activities.

Action Packed Event

The opening day on March 3 will feature equestrian sports, dancing horses display, working equitation, band display, march past, among others. On March 4 and March 5, there will also be competitions in various categories such as Yearlings Filly (from 1 to 2 years), Yearlings Colt (from 1 to 2 years), Filly (2 to 4 years), Colt (2 to 4 years), Mares (4 years and above) as well as Stallions (4 years and above). Cash awards, medals as well as running trophies will be given as prizes to the best judged horses.

Judges Clinic

Due to the rising popularity of Marwari horses, numerous horse shows are being organized throughout India by both private and government entities in places such as Pushkar, Balotra, and Nagaur. However, the judging of these horse shows has frequently been a matter of dispute due to the lack of standardized parameters for evaluating horses.

The IHSI is also conducting the 2nd Judges Clinic on 1 and 2 March to ensure that during the horse shows, judges strictly follow the rules of judging and clearly understand the point system. An international judge from UK, Zara Pawley will take the clinic and aspiring judges have to go through written and practical examination. There shall be a bar of minimum percentage to qualify as judge.

Digital Management System

A unique feature of this Horse Show is that a unique digital management system which is going to be a game changer in the conduction of horse shows. It will help in scientific and accurate management as well as minimise the tedious paperwork before, during and after the show. It also facilitates better communication, leaves no room for manipulation of marks and ensures transparency.

Where: Rajasthan Polo Club
When: March 3 to March 5
Entry: Free and open to all

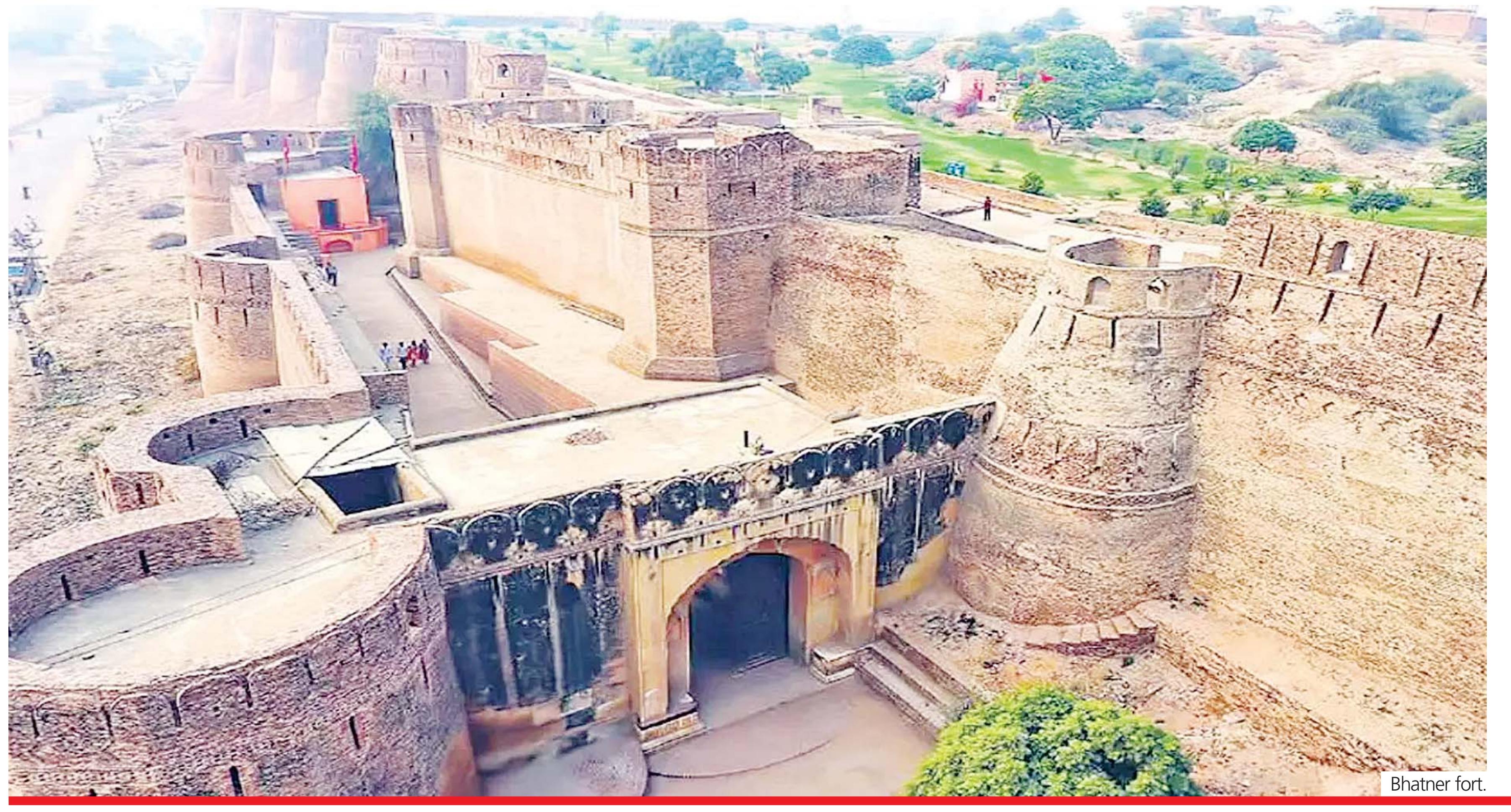

Bhatner fort.

During the period of second half of sixth century under the leadership of King Satta Rao Bhati (551-589 c) Rangmahal culture reached its zenith when Bhatis had succeeded in conquering the entire region of Punjab and ultimately in 567 C after defeating Huns reoccupied Ghazna, too. In their enterprise they received help from Persians as well as from western Turks of Khurasan. Satta Rao was a powerful ruler of his times and under his rule both Gandhar and Bhatner became the integrated part of newly established Indo-Scythian or Bhati Empire. During the rule of Satta Rao the capital town of this empire was shifted back from Bhatner to either Lahor, situated near Ohind or Hissar, the old Hastinaagar, near Peshawar in the swat valley of the frontier regions. These places were the old political centres of Bhatis or Jadams. At that time Mauryas or Sahasis who had enmity with the Persians, were ruling Sind and Baluchistan.

The Bhatis Of Bhatner (...2)

Dr. GSL Devra
Ex-Professor of History and Indian Culture at Kota Open University

#ARCHAEOLOGY

Seventh century Chinese traveller Hiuen Tsang while passing through Gandhar region met two Princes of the Bhati ruling family and found them ardent follower of Buddhism. 'Jaisalmer ri Khyat' described that their king Satta Rao had built Sun and Vishnu temples at Multan and at Haridwar, opened public kitchen for the visitors. It appears that both Yaudheyas and Jadams were quite considerate towards other religions and left behind a legacy of a liberal culture.

According to Henna Rydh, Phase III of the excavation site coincides with the Kushan period and is marked by urban development in Rajasthan. The Rangmahal site continued to flourish till 600C., after that, archaeologists concluded that it was desolated. V.N. Misra is of the opinion that though during the gap period between PGW and Rangmahal cultures the population in this area was sparse, however we witness continuity. His contention is that even after the departure of river Yamuna, Ghaggar managed to survive on rain water. Also some channels called 'Naiwals' used to receive the water from Sutluj, and supply it to Ghagger. These channels played an important role in sustaining life in Ghaggar region.

Sutlaj herself was flowing on the path of western Ghaggar branch. Scholars who find the impact of Gupta age culture on Rangmahal pottery and figurines also directly or indirectly give hints to support the hiatus theory. Survey works chiefly undertaken by Tessitory and Aurel Stein on the banks of Ghaggar River flowing from Talwara Jheel to Wullar on Pakistan border and even beyond that in Bhawalpur district of Pakistan exhibit a number of sites and objects belong to Kushan and later Kushan and Scythian periods. A number of Archaeologists and historians agree that in the hey days of Kushan power regions of Punjab and Rajasthan, valleys of Swat and Ghaggar all were parts of Kushan empire.

Aurel Stein argues that 'Red coloured pottery', Terracotta figures and Buddhist relics recommend the presence of Kushans and Scythians. The typical black-on-red painted pottery of Rang Mahal has been generally assigned to the late Kushana and early Gupta times.

The lofty title of Samudra Gupta, Daivaputra-Sahisahanushahi written in Prayag Prashasti proves that Samudra Gupta in the Punjab and frontier regions had defeated not one power but a group of several powers. Since the region of valley remained under the possession of both Kushans and Guptas it became a buffer state as well as a centre of exchange of products of different cultures. The typical black figures on red painted pottery of Rangmahal generally assigned to the late Kushana period or early Gupta times had been discovered from a large number of sites of Rajasthan. James Tod who conducted a survey of north Rajasthan had imagined that near Rangmahal, a large town is buried. Later both Tessitory and Aurel stein came out with observations that in between Hanumangarh and Suratgarh remains of more towns could be present. Munda, located near Bhatner, on the road to Talwara and Sirsa could unfold many mysteries. Devra's work on the antiquity of Bhadrakali temple has opened up the possibility of excavation at Bhadrakali Thed. It appears that at least during the Kushan period a wide range of urban life was present in the region.

Vedika Pillar, Rangmahal.

Courtesy: State Museum, Bikaner

Rangmahal Culture

Political developments of Rajasthan appeared from fifth century onwards support the existence of Rangmahal culture in the Ghaggar valley. Events recorded in the historical literature of ruling Bhati dynasty of erstwhile Jaisalmer state are in a position to throw light on the progress of new political activities in the region. The early time of Rangmahal culture fairly coincides with the advent of a tribe called, Jadams, the ancestors of Bhatis in the region. Jadams came from Afghanistan and northwest frontier regions of the sub-continent. Jadams, after suffering a crushing defeat from the hands of Huns (rulers of Khurasan) at Ghazna and Lahor (near Ohind) at the end of forth century, in despair dispersed in all directions and one of their branches under the leadership of Prince Bhati, son of King Balad migrated to lower course of Ghaggar. There, they after defeating local power, probably, Yaudheyas founded the fort of Bhatner sometime in the middle of fifth century. Soon Bhati occupied the entire region of Ghaggar valley in north Rajasthan and even extended his kingdom up to the Sutluj River.

From the fifth century onwards Jadams became famous as Bhatis in the area, after the name of founder Prince, Bhati. Bhati is the name of a prince or the title of the prince (Parameshvara Bhattaraka), is a matter of investigation. As long as Huns (white Hephthalites) remained powerful in Punjab and northwest regions the new occupants of Ghaggar valley could not stretch their legs. Contrarily, Hun emperor Mihirkula, perhaps, had subdued them and established their hegemony over the valley. He, like in the region of Punjab, here, too, had destroyed several Buddhist monasteries. Huna's presence might be the cause of decline of Buddhism in the valley.

In the mature phase of Rangmahal culture we find the growing importance of Brahamanism. After the death of Mihirkul around 530 C. or so Bhatis or Indo-Scythians found their political position better than Kedarites, Perthians and Marundas, because from their base at Bhatner they looked more militarily equipped.

During the period of second half of sixth century under the leadership of King Satta Rao Bhati (551-589 c) Rangmahal culture reached its zenith when Bhatis had succeeded in conquering the entire region of Punjab and ultimately in 567 C after defeating Huns reoccupied Ghazna, too. In their enterprise they received help from Persians as well as from western Turks of Khurasan. Satta Rao was a powerful ruler of his times and under his rule both Gandhar and Bhatner became the integrated part of newly established Indo-Scythian or Bhati Empire. During the rule of Satta Rao the capital town of this empire was shifted back from Bhatner to either Lahor, situated near Ohind or Hissar, the old Hastinaagar, near Peshawar in the swat valley of the frontier regions. These places were the old political centres of Bhatis or Jadams. At that time Mauryas or Sahasis who had enmity with the Persians, were ruling Sind and Baluchistan.

Gandhara Art.

Rangmahal Pottery

In this political background the opinion of Hanna Rydh that Rangmahal culture was influenced by Gandhara Art looks convincing. However, this view is seriously contested by other contemporary archaeologists. They linked Rangmahal culture with the late Gupta Art. F.R. Allchin adds that terracotta plaques show the influence of Gandhara School is not correct. The architectural use of terracotta plaques as facing comes into prominence with the Guptas and it is unlikely that the present series could be of earlier period. Akinori Uesugi, after making a comparative study with the material recovered from Farmanna, a village in Haryana, not far away from Bhatner, reviewed that most of the Rangmahal pottery belong to Gupta Age. Therefore, archaeologists who advocate material of Rangmahal pottery is from Gupta period, somehow support the theory of the rise of independent culture in the Ghaggar valley. And those who admit Gandhara influence over Rangmahal ceramics and terracotta figures believe in the presence of continuity of human settlement and culture in the valley.

Huen Tsiang came to Bhatner in the month of September when rivers of Punjab and Haryana were in full spate. At that time Sutlej was flowing through its eastern arm, making her path over the land of present Indo-Pakistan border in the district of Ganganagar. This identification justifies the presence of a prosperous Rangmahal culture in Ghaggar valley. But Traveller while providing the account of religious practices projects a confused picture. He recollects that, "The people were in good circumstances and led moral lives, observing social distinctions and adhering devoutly to Buddhism." On the one hand he refers about the presence of social distinctions which he often wrote-up in the context of caste divisions of Brahamanism, and, on the other hand emphasized that people are Buddhist!

In the neighbouring country of Budhia, situated in Upper Sind, Buddhism was the main religion and while discussing about the character of society does not mention the presence of social distinctions. Traveller further adds that in Satadru Buddhist monasteries were in desolate condition. Rather, his account supports the argument that in the valley Buddhism was on decline. Huen Tsiang in his account does not give the name or caste of the king of Satadru as he generally did in such other cases. The reason might be that he had already met the king of Gandhara, who was the sovereign authority of Gandhar as well as of Bhatner.

Sahasi Dynasty of Sind

Bhati records suggest that their king Vajju, who had shifted to Hissar (near Ohind) was also holding the fort of Bhatner. On his behalf his close relative Jagswap, son of Mandan and great-grandson of Satta Rao, was the Kshatrap of the fort and region. When Pushyabhatis in the first half of seventh century invaded Gandhar actually they attacked the Bhati power of both Gandhar and Ghaggar valley.

Cunningham, Prinsep and Thomas who studied the coins recovered from Manikyale Tope, near Rawalpindi (Pakistan), observed that these belong to the royal families of the frontier region, particularly of Multan. Manikyale Tope during the period of early centuries was a centre of Buddhism and Gandhara culture. These coins on their reverse side bear the bust of Aditya (Sun) perhaps that is a replica of the image of sun god placed at the Sun temple of Multan. Prinsep refers this head to the Mithra (Sun) of the Persians but Cunningham refuted that, "The head is surrounded by rays arranged after the Indian fashion, and quite different from the head dress of the Persian Mithra." Further, in the opinion of these scholars, referred coins belong to those kings who ruled over the parts of India and Persia both. Sistan, located in the southern parts of Persia and Sind both could be placed in this specification.

Cunningham points out that the second half of the line figured out on the coin of Manikayale Tope could be read out as 'Sri Shâhitigin Devajarita' and here Shâhitigin represents 'valiant king'. It is like the name of Alptigin, Subuktigin and so on. According to him the real name is Devajarita which could be identified with Diwahaji, the first king of Sahasi dynasty of Sind. He, further, argued that the kings of Multan according to the author of

Chinese traveller Hiuen Tsang.

Chachnama were close relatives of Sahasis. This identification also supports the information of second Vienna coin which has the sun bust and belongs to the Persian king Khusruparvez of Persia. He is the same Persian King who made an invasion over Sind and in the encounter the grandfather of Sahasi II was killed. However, Prinsep reads it as 'Devajarit' but Thomas prefers as 'Devanârita'. Prinsep's reading gives a different meaning to this word, 'Devajarit' qualifies as a 'son of heaven', which according to him is equivalent to the Devputra of Scythians and Kushan kings. Therefore, the name of the king would be Shâhitigin.

It appears that the deciphering and analysis of Prinsep comes close to the traditions prevalent in the frontier regions during this period. We have similar example from this very period that the founder Prince of Turkishahi dynasty on Kabul was called as Varha Tigin and the actual name of the Prince was Varha. Tigin or Tegin is a Turkish title for the rulers which came into fashion by that time in these areas. There are examples that this title

was frequently adopted by a good number of Princes during the medieval period, particularly by the rulers of Kabul, Ghazna, Makran, Nimroz, Punjab and Sistan. Now it appears that Sa-to-Rao is the Rajasthanization (Apbhransha) of the name of Shâhitigin. The titles of 'Rao' and 'Rana' for the princes or clan chiefs have quite frequently been used in the areas of western India during the medieval period. In this particular case the Khyat writers of the later periods have not replaced the address of Tigin by 'Rao' rather they added it at the end as a suffix.

There is a possibility that the name of J(d)a-swin or Sat or Satarao was applied by the tribes of frontier area. Now it is accepted that Jadams, ancestors of Bhatis had Indo-Scythian connections. Jaisalmer ri Khyat describes that Sato Rao had conquered the whole Punjab and also recovered Siestan or Ghazna. Perhaps such coins represent that this is not only the case of the sphere of the authority of the king who belongs to one state or kingdom but of a large clannish confederacy which had controlled over a large territory over the frontier regions located both in India and Iran. Records of Bhati confirm that they administered their territories in the form of a political confederacy. Hieun Tsiang also supports that in the frontier regions he met two kings who were brothers and separately ruling at Kapisa and Gandhara.

> The titles of 'Rao' and 'Rana' for the princes or clan chiefs have quite frequently been used in the areas of western India during the medieval period.

Worshipers of Aditya

It seems that after the breakup of the grand alliance concluded among Persians, Indo-Scythians and Turks against Huns the Scythians or Bhatis decided to remain with the Turks. This development is also verified from the account of Hieun Tsiang who repeatedly referred about the friendship existed between the Turks of Central Asia and kings of Kapisa and Gandhara. Sun head with the surrounding rays on the gates of the Bhatner and Jaisalmer forts where Bhatis had ruled after their expulsion from the Ghazna and Punjab confirm that they were the worshipers of Aditya and carried their traditions wherever they went. Jaisalmer riKhyat also claim that Sata Rao had built or repaired the famous sun temple of Multan. From these accounts it appears that Bhatner and Rangmahal became the important centres of Gandhara culture. According to V.S. Agarwal and Hanna Rydh two figures on the bowl discovered at Rangmahal, represent a pair of Sirya image with aka facial type (Rangmahal p. 158, Plate no. 73). Rangmahal situated on the south of Bhatner, not so much away from the site of Kalibunga must have been founded by the Bhatis of Bhatner.

Perhaps, during the reign of Khemkaran (589 - 627 C.), son of Satta Rao Bhati again shifted from Bhatner to their old capital, Lahor, near Ohind in the frontier region. Rao Narpat, son of Khemkaran ascended the throne at Lahor in 627 C. Perhaps, the shifting of capital might have taken place sometime in the first decade of seventh century. It seems that resources of Ghaggar valley could not bear the burden of a mighty empire or might be water supply in the region became inadequate. Rao Satorao Bhati, sometime in the middle of sixth century built four Baoris (step wells) perhaps to solve the drinking problem of the town. At Rangmahal archaeologists in excavation find out the presence of one large tank perhaps that was built to solve the water problem. As proposed Rangmahal culture also started declining after that. But Rangmahal culture neither came into existence suddenly nor collapsed altogether. Bhatner, before the foundation of the fort was already a popular Buddhist centre.

The case study of Bhatner supports the argument of continuity of cultures rather than the emergence of independent cultures in the Ghaggar valley. Invasions of Huns hit them very hard. As a result of that the fertile land was ruined. Many towns were desolated and it brought miseries to the people. Bhati literature referred that much disturbances had occurred. Town, like, Multan was depopulated. The incidence of migration of Bhatis at this time provides hints that people in large number might have moved from their places. All such incidents gave a jolt to local economy and environment.

Concluded

writetoarbit@rashtradoot.com

Jaisalmer fort.

THE WALL

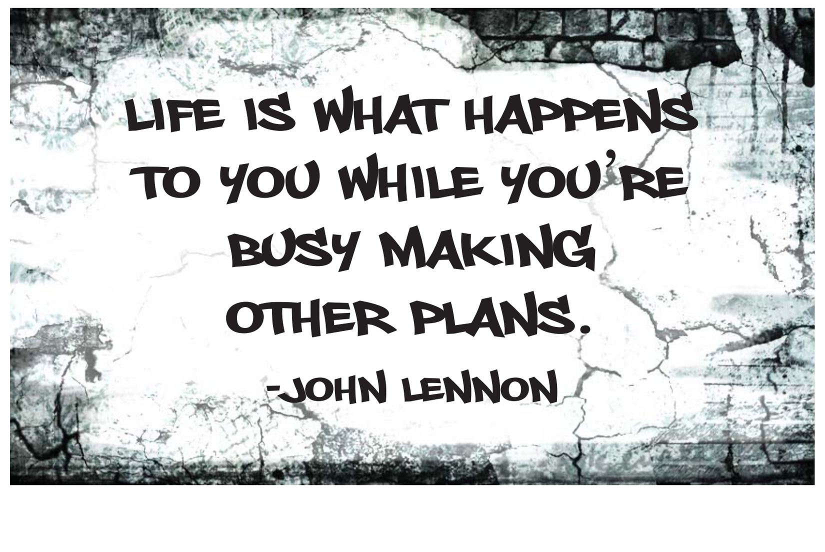

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

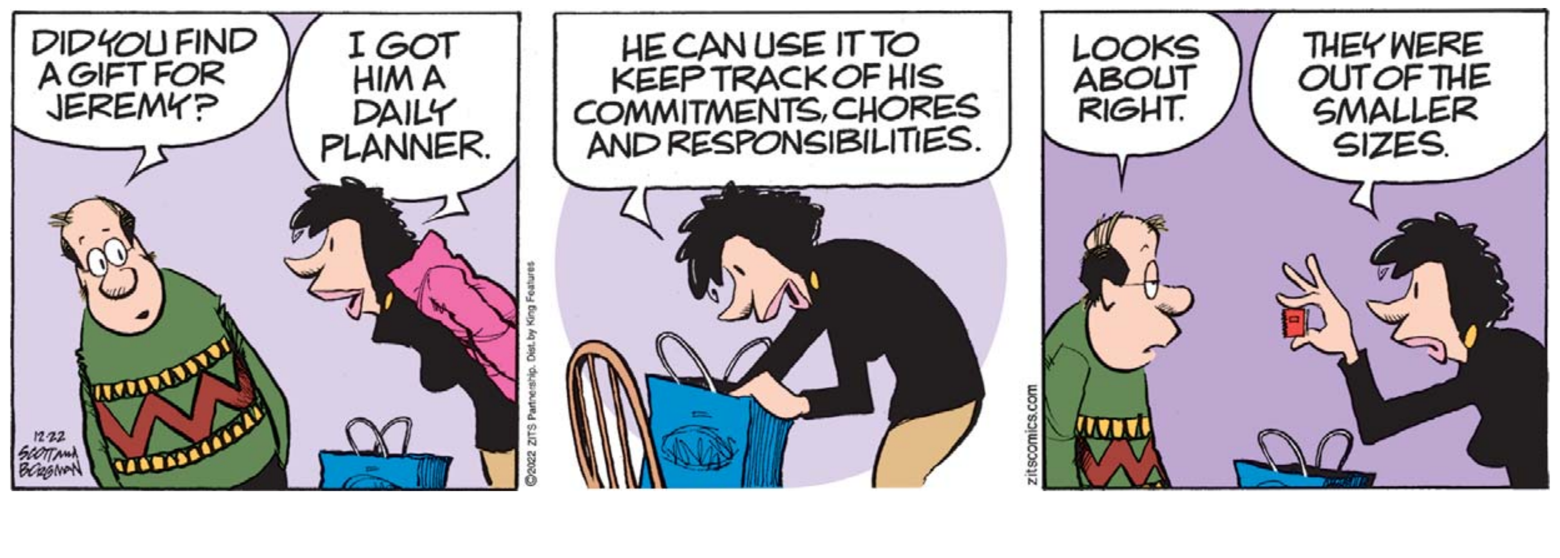

सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो, आरोपी गिरफ्तार

झुंझनू जिले में खेतड़ी थाना पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी पहले भी छेड़छाड़ के मामले में जा चुका है जेल

खेतड़ी,(निसं)। झुंझनू जिले में खेतडी थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो वायरल कर हवाबाजी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से देसी कट्टा भी बरामद किया है।

सीआई विनोद सांखला ने बताया कि एसपी मृदुल कच्छावा के निर्देशन पर सोशल मीडिया के जरिए अपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कडी नजर रखने के लिए विशेष टीम का गठन कर रखा है, जिसके तहत पुलिस को सूचना मिली कि राजेंद्र नाम का युवक पिस्टल के साथ सोशल मीडिया पर फोटो वायरल कर दहशत फैलाने व हवाबाजी कर रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी तथा आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया ।

पुलिस ने साइबर तकनीक की मदद से मामले की गंभीरता से जांच की तो सामने आया कि खेतडी तहसील के रंवा गांव का रहने वाला राजेंद्र उर्फ बचिया पुत्र महिपाल सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो वायरल करने की बात सामने आई। जिस पर पुलिस ने सोमवार रात को रंवा गांव में दबिश देकर राजेंद्र उर्फ बचिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा भी बरामद किया है।

खेतड़ी थाना पुलिस गिरफ्तार आरोपी से अवैध हथियारों के बारे में गहनता से पूछताछ कर रही है, जिससे कई अन्य वारदातें खुलने की संभावना है।

सीआई ने बताया कि जिला पुलिस की ओर से अपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने को लेकर सोशल मीडिया पर अपराधियों के संपर्क में आने वाले युवकों की पहचान कर उनकी स्क्रीनिंग की जा रही है। अपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशों पर कडी नजर रखी जा रही है। यदि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर अवैध गतिविधियों में लिप्त पाया गया तो उसके खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया आरोपी राजेंद्र उर्फ बचिया पूर्व में भी महिला के साथ छेडछाड करने के मामले में जेल जा चुका है। सीआई ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपी से अवैध हथियारों के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा और भी वारदातें खुलने की संभावना है।

तापमान ऊपर, रात में सर्दी कम

■ **अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले दो महीने में सर्वाधिक , रात का तापमान उच्चतम स्तर पर**

बीकानेर, (का.सं.)। बीकानेर सहित पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश जिलों में तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। दिन का तापमान अब तीस डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है तो रात में भी पारा फिर दस के पार पहुंच गया है। आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। पलटकर सर्दी के फिर से आने की उम्मीद अब कम है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले चौबीस घंटे में अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले दो महीने में सर्वाधिक है। वहीं रात का तापमान भी अब उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। बीती रात बीकानेर में न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री सेल्सियस रहा। ऐसे में रात की सर्दी भी लगभग खत्म हो गई है। आने वाले दिनों में भी रात का तापमान बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। आमतौर पर बीकानेर में सर्दी पंद्रह फरवरी तक ही होती है। अब होली का सीजन शुरू होने वाला और इस साल की सर्दी को यहीं विराम लग रहा है।

बीकानेर के अलावा श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व चूरू में भी तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर में 26.9, चूरू में 30.5, संगरिया (हनुमानगढ़) में 26.9 डिग्री सेल्सियस रहा। इन जिलों में न्यूनतम तापमान चूरू में 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि शेष तीनों जिलों में दस से अधिक ही रहा। चूरू में भी आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है।

अतिक्रमण हटाने गई प्रशासन की टीम पर हमले के दो आरोपी पकड़े

राजस्व कर्मचारियों ने दी थी आंदोलन की चेतावनी

बबाई में अतिक्रमण हटाने गई राजस्व टीम पर हमले के दो आरोपी गिरफ्तार किए।

खेतड़ी,(निसं)। खेतड़ी पुलिस ने बबाई में अतिक्रमण हटाने गई राजस्व टीम पर हमला करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सीआई विनोद सांखला ने बताया कि 7 फरवरी को तहसीलदार विवेक कटारिया के नेतृत्व में प्रशासन की टीम बबाई के अशोक नगर स्थित रीको के लिए आवंटित की गई भूमि में हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए गई थी। इस दौरान वहां मौजूद अतिक्रमणकारियों ने कार्रवाई के दौरान प्रशासन की टीम पर पथराव कर जानलेवा हमला कर दिया था।

इस दौरान हुए हमले में नायब तहसीलदार, दो पटवारी, तहसीलदार ड्राइवर तथा अन्य कर्मचारी घायल हो गए थे। इस संबंध में तहसीलदार विवेक कटारिया की ओर से छह लोगों के खिलाफ नामजद राजकार्य में बाधा डालने व जानलेवा हमला करने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज करवाया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मृदुल कच्छावा ने प्रशासनिक टीम पर हमला करने के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार के दिशा निर्देश दिए थे। पुलिस की ओर से आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी। आरोपी घुमंतू जाति होने के कारण लगातार अपना स्थान बदल रहे थे।

पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि प्रशासनिक टीम पर जानलेवा हमला करने के दो आरोपी पपुरना की पहाडियों में छिपे हुए हैं। सूचना पर पुलिस की ओर से एक विशेष टीम का गठन किया गया और पपुरना की पहाडियों में दबिश दी गई।

इस दौरान पुलिस ने पपुरना की पहाडियों से जगदीश पुत्र सुल्तान बंजारा, सुरजाराम पुत्र बंशीधर बंजारा को गिरफ्तार किया है। सीआई ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

प्रशासनिक टीम पर हमला होने के बाद राजस्व कर्मचारियों ने एसडीएम जयसिंह, तहसीलदार व डीएसपी को ज्ञापन देकर जल्द गिरफ्तारी कर कार्रवाई करने की मांग की थी।

वहीं पांच दिन में गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन कर कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी थी।

जिस पर पुलिस ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

सी.आई. से मारपीट मामले में एस.पी. का बेटा गिरफ्तार

अजमेर के क्रिश्चयनगंज थाना प्रभारी करण सिंह के साथ मारपीट करने के मामले में जैसलमेर में तैनात पुलिस अधीक्षक भंवरसिंह नाथावत के आरोपित बेटे प्रवीण सिंह को गिरफ्तार किया।

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चयनगंज थाना प्रभारी करण सिंह के साथ मारपीट करने के मामले में जैसलमेर में तैनात पुलिस अधीक्षक भंवरसिंह नाथावत के आरोपित बेटे प्रवीण सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। मामले की जांच कर रहे एएसपी भंवर रणधीरसिंह ने बताया कि पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। जगह जगह तलाश करने पर आरोपी पर दबाव बढ़ा। इसके बाद बुधवार को परिवार के लोग उसे कोतवाली थाने के पास लेकर आए और सूचना दी। इस पर पुलिस टीम पहुंची और उसे पकड़ कर ले आई। पूछताछ की जा रही है।

दरअसल प्रकरण 26 जनवरी का था लेकिन आईजी के निर्देश पर इसकी रिपोर्ट 29 जनवरी को दर्ज हुई।

इसकी जांच एएसपी भंवर रणधीर सिंह को सौंपी गई।

एक फरवरी को आरोपी का शादी-समारोह पुष्कर में हुआ। इसमें राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़, सहित कई विधायक भी आशीर्वाद समारोह में पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने जांच पूरी की और आरोपी की तलाश शुरू की। आरोपी परिवार के साथ ही बुधवार को थाने के पास पहुंचा। इसके बाद पकड़ा गया।

नाबालिग का अपहरण

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग का अपहरण करने की घटना सामने आई है। यह नाबालिग लडकी घर से सब्जी लाने गई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपहरण का आरोप स्थानीय दो भाइयों व उसके पिता के साथ ही उदयपुर जिले के युवक पर लगा है।

साथ ही परिजनों ने नाबालिग से गैंगरेप और उसकी हत्या की आशंका भी जताई है। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने रिपोर्ट दी कि उसकी 13 साल की भानजी, बहन की मौत के बाद उसी के पास रह रही थी। 13 फरवरी की शाम 5 बजे भानजी घर से सब्जी लाने की कहकर गई थी जो लौटकर नहीं आई।

उसकी तलाश करने पर पता चला कि भीलवाड़ा के परवीन सांसी, उसका पिता व भाई, उदयपुर जिले के सुनील मीणा के साथ मिलीभगत कर नाबालिग भानजी का अपहरण कर ले गए।

परिवादिया ने रिपोर्ट में नाबालिग के साथ सामुहिक दुष्कर्म व हत्या की आशंका जताते हुये उसका जीवन खतरे में होने की बात कही है।

परिवादिया का आरोप है कि आरोपित परवीन की पत्नी भी लगातार डरा-धमका रही है और कार्रवाई करने पर आत्महत्या कर लेने व झूंठे मुकदमें में फंसाने की धमकी दे रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

जे.डी.ए. ने शिविर लगाकर आवेदकों को पट्टे बांटे

प्रशासन शहरों के संग अभियान के अन्तर्गत जोधपुर विकास प्राधिकरण ने शिविर आयोजित किया।

जोधपुर, (का.सं.)। नवनीत कुमार आयुक्त जोधपुर विकास प्राधिकरण के निर्देशानुसार प्रशासन शहरों के संग अभियान के अन्तर्गत आयोजित शिविरों के क्रम में प्राधिकरण द्वारा गुरूवार, 16 फरवरी एवं शुक्रवार, 17 फरवरी को जोन 04 के ग्राम चौखा खसरा संख्या 696, 728 व 716, 616/1, 656 व नवीन अनुमोदित खसरों हेतु चौखा रामराज नगर आवासीय योजना सेक्टर 04 के पार्क में शिविर लगाया जाएगा।

जेडीए द्वारा ग्राम सांगरिया एवं ग्राम भदवासिया डिगाड़ी सुल्तान नगर में विभिन्न खसरों हेतु दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर के दौरान उपायुक्त जोन 3 रवीन्द्र कुमार एवं उपायुक्त जोन 6 श्रवण कुमार द्वारा जोनवार कर्मचारियों सहित उपस्थित रहते हुए आमजन के 100 से अधिक आवेदनों का त्वरित गति से निस्तारण करते हुए पट्टों का वितरण किया गया। ग्राम भदवासिया में आयोजित शिविर उपायुक्त श्रवण कुमार सहित हनुमान सिंह खांगटा अध्यक्ष मारवाड़ राजपूत सभा एवं जनप्रतिनिधि द्वारा पट्टों का वितरण किया गया।

पुलिसकर्मी के खिलाफ केस दर्ज

बीदासर, (नि.सं.)। बीदासर कस्बे के हाल वार्ड 5 घिंटालिया बास निवासी 30 वर्षीय विवाहिता ने पुलिस थाने में तैनात हेड कांस्टेबल विधाधर चौधरी के खिलाफ दहेज प्रताड़ना के दर्ज मामले में अभद्र व्यवहार करने के साथ डराने, धमकाने, लज्जा का अनादर करते हुए लैंगिक आभासीय टिप्पणियां कर महिला अपमान करने का मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पुलिस थाने में तैनात विधाधर चौधरी नामक एक पुलिसकर्मी द्वारा पहले तो उसके ससुराल पक्ष से सांठ-गांठ करकर दहेज प्रताडना का मामला दर्ज नहीं किया।

फिर पीड़िता बीदासर न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष इस्तगासा पेश किया जिस पर न्यायालय के मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए लेकिन पुलिस ने न्यायालय आदेशों की धज्जियां उडाते हुए इस्तगासे के आधार पर दहेज प्रताडना का मामला देरी से दर्ज किया। रिपोर्ट में बताया गया है कि उक्त मामले में पीड़िता से रंजिश रखते हुए पुलिसकर्मी विधाधर चौधरी ने परिवादिया पर उसके ससुराल पक्ष पर कोई कार्रवाई न करवाने का दबाव बनाया तथा कार्रवाई करवाने पर धमकियां दी और पीडिता को क्षतिकारित करने के आशय से खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए तथा ससुराल पक्ष के खिलाफ बयान देने पर फोन कर विधायक के नाम से धमकी देते हुए बर्बाद करने की बात कही। मामले की जांच सांडवा थानाधिकारी हंसराज लूणा कर रहे हैं।

भाजपा का पार्षद व दलाल दो दिन के रिमांड पर

■ **दूसरी बार पार्षद बनने के बाद करोडों का माल बनाने का आरोप लगा**

■ **अजमेर नगर निगम के वार्ड नम्बर 79 से पार्षद वीरेद्र वालिया व दलाल रोशन चीता को रिश्वत के मामले में पकड़ा था**

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम के वार्ड नम्बर 79 से भाजपा पार्षद वीरेद्र वालिया व दलाल रोशन चीता को बीस हजार रूपये रिश्वत राशि लेते हुये गिरफ्तार करने के बाद बुधवार को एसीबी ने देर शाम करीब सात बजे न्यायाधीश संदीश शर्मा के निवास पर पेश किया, जहां वालिया व दलाल रोशन चीता की ओर से वकालत नामा पेश करने वाले वरिष्ठ एडवोकेट राजेश टंडन व भरत शर्मा ने आपति जताते हुये कहा कि वालिया बीपी व शुगर के मरीज तथा उनका मेडिकल करवाया जाये ओर न्यायालय के समय पर ही कोर्ट में दोपहर तक पेश किया जाये।

एसीबी ने देर शाम न्यायाधीश संदीप शर्मा के निवास पर वालिया व दलाल चीता को पेश कर 17 फरवरी तक रिमांड पर लिया है। दूसरी ओर यह भी चर्चा है कि अगर जांच सही दिशा में चलती है तो पार्षद वालिया नगर निगम के किन किन अधिकारियों के दम पर लोगों को नगर निगम की जेसीबी मंगवाकर मकान तोडने की धमकिया देता था ओर मकान बनाने वालों से 30 से चालीस हजार रूपये की मांग करते थे।

एसीबी उपाधीक्षक पारसमल ने बताया कि बीस हजार रूपये की रिश्वत राशि लेने के मामले नगर निगम के पार्षद विरेन्द्र वालिया व दलाल रोशन चीता को पूछताछ के लिये दो दिन तक रिमांड पर लिया है। उन्होंने बताया कि फोन कॉल में तीसरे व्यक्ति का भी जिक्र किया जा रहा है उसके बारे में पता लगाया जायेगा तथा ओर भी शिकायते मिलती है उन पर कार्यवाही की जायेगी।

एसीबी के उपाधीक्षक पारसमल ने बताया कि वीरेन्द्र वालिया के निवास पर एसीबी को जांच के दौरान दो लाख 90 हजार रूपये की नगदी व कुछ जमीनों के दस्तावेज मिले है जिनकी जांच की जा रही है।

नगर निगम के वार्ड नम्बर 79 के भाजपा पार्षद वीरेन्द्र वालिया अब एसीबी की गिरफ्त में फंसने के बाद बुधवार देर शाम जब एसीबी न्यायाधीश शर्मा के निवास पर पेश करने पहुंचे तब घूसखोर वालिया व दलाल रोशन चीता मीडिया के कैमरों से बचने के लिये अपने मुंह छिपाते हुये नजर आ रहे थे।

पिछले बोर्ड में वालिया वार्ड 60 से पार्षद था। दूसरी बार पार्षद बनने के बाद वीरेन्द्र वालिया की किस्मत एक दम बदल गई।

वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा संपन्न

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2022 बुधवार को संपन्न हुई। आयोग द्वारा इस परीक्षा का आयोजन 12 फरवरी से 15 फरवरी 2023 तक 11 जिलों में कराया गया था। परीक्षा के अंतिम दिन गणित एवं अंठोजी विषय की परीक्षा आयोजित की गई। संयुक्त सचिव आशुतोष गुप्ता ने बताया कि प्रात: 10 से 12.30 बजे तक आयोजित गणित विषय की परीक्षा में 38171 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 13209 अभ्यर्थियों द्वारा भाग लि या गया। दोपहर 2.30 से 5.00 बजे तक आयोजित अंठोजी विषय की परीक्षा में 19036 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 7381 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलि त हुए।

अवैध 180 नशीली गोलियां बरामद

■ **देदाजी मार्केट में युवक के पास नशीली गोली मिली**

अनूपगढ़, (नि.सं.)। अनूपगढ़ में मादक पदार्थों की धरपकड़ करने के लिए अभियान ऑपरेशन फ्लश आउट और चक्रव्यूह चलाया जा रहा है। इसी के तहत विधानसभा की रावला मंडी में पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर खाजूवाला रोड पर देदाजी मार्केट में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को 180 नशीली अवैध गोलियों सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी विनोद के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर मामले की जांच अनूपगढ़ पुलिस थाने के एसआई इमरान खान को सौंप दी गई है।

एसआई नरेश कुमार ने बताया कि वह अपनी टीम के साथ रावला में खाजूवाला रोड पर गश्त कर रहे थे। गश्त के दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि खाजूवाला रोड पर देदाजी मार्केट में भारती जेंटस पार्लर के सामने एक व्यक्ति नशीली गोलियां लेकर खड़ा है। जिस कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर युवक को दबोच लिया। वहीं, युवक की तलाशी ली गई। इस दौरान ट्रामाडोल साल्ट की 180 अवैध नशीली गोलियां बरामद हुई। एसआई नरेश कुमार ने बताया कि मौके से आरोपी विनोद(24) पुत्र ओमप्रकाश,जाति नायक, निवासी वार्ड नंबर 3,चक 8 पीएसडी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है और उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार इस मामले की जांच अनूपगढ़ के उप निरीक्षक इमरान खान के सुपुर्द की गई है।

अनूपगढ़ विधानसभा में नशा बहुत अधिक बढ़ रहा है। नशे की रोकथाम के लिए हालांकि पुलिस प्रशासन के द्वारा कार्रवाई की जा रही है मगर फिर भी नशा बेचने वाले बेखौफ नशा बेच रहे हैं।

रावला पुलिस थाने के एसआई नरेश कुमार ने आमजन से अपील की है कि बढ़ रहे नशे पर रोक लगाने के लिए आमजन पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने आमजन से अपील की है कि अगर कोई भी व्यक्ति नशा बेचते हुए या करते हुए पाया जाता है तो इसकी सूचना तुरंत प्रभाव से पुलिस को दें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

कॉलेज शिक्षकों ने काली पट्टी बांधी, जताया रोष

■ **संयुक्त निदेशक पद पर आर.ए.एस. अधिकारी लगाने की मांग पर प्रदर्शन**

नोखा, (नि.सं.)। कॉलेज शिक्षा में संयुक्त निदेशक के पद पर आरएएस अधिकारी की नियुक्ति करने को लेकर आज एमएलबी कॉलेज में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया।

एबीआरएसएम संगठन के मंत्री डॉ दिग्विजय सिंह ने बताया कि कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय में संयुक्त निदेशक के पद पर राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की नियुक्ति न केवल राज्य सरकार के अपने ही प्रावधानों के विपरीत है, अपितु न्याय की भावना के विरुद्ध भी है, इससे पदानुक्रम व अनुभव की दृष्टि से कनिष्ठ अधिकारी अपने से वरिष्ठ प्राचार्य व शिक्षक अधिकारियों को प्रशासित करेंगे। इस अवैधानिक व अनुचित निणर्य से उच्च शिक्षा में सेवारत अनुभवी शिक्षकों का मनोबल और कार्यक्षमता प्रभावित होने से राज्य का शैक्षिक पर्यावरण दुष्प्रभावित होने की संभावना है। उन्होंने राजस्थान सरकार से संयुक्त निदेशक पद पर लगाए गए आरएएस अधिकारी के पदस्थापन को शीघ्र निरस्त कर किसी वरिष्ठ प्राचार्य को नियुक्त करने की मांग की। प्रदर्शन में कॉलेज के शिक्षक शामिल रहे।

ए.डी.जे. कोर्ट को स्थायी करने की मांग, यज्ञ किया

■ **कपासन में ए.डी.जे . कोर्ट को स्थायी करने की मांग, न्यायिक कार्यों का बहिष्कार**

कपासन, (निसं)। एडीजे कोर्ट को स्थायी करने की मांग को लेकर बुधवार को तीसरे दिन वकीलों ने न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया और कोर्ट के गेट पर धरना स्थल पर सरकार के लिए सद्बुद्धि यज्ञ किया। आंदोलन के कारण कोर्ट में तीसरे दिन भी सन्नाटा छाया रहा।

बजट में यहां एडीजे कोर्ट को स्थायी नहीं करने से आक्रोश व्याप्त हैं

बार एसोसिएशन की कपासन में एडीजे कोर्ट को स्थायी करने की मांग को लेकर न्यायिक कार्यों का बहिष्कार और धरना प्रदर्शन आज तीसरे दिन भी जारी रहा। जिस कारण कोर्ट में तीसरे दिन भी सन्नाटा छाया हुआ हैं। स्टांप वेंडर, टाइपिस्ट आदि भी आंदोलन में सम्मिलित हैं। कोर्ट के मुख्य गेट पर धरना स्थल पर बुधवार को सरकार के लिए सद्बुद्धि यज्ञ किया गया। पंडित व्यास ने विधि विधान से यज्ञ करवाया। वकीलों ने उसमें आहुतियां दी और पूर्णाहुति देकर सामूहिक रूप से आरती की। इस बीच अपनी मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की और पूर्वक बजट में यहां एडीजे कोर्ट खोलने की मांग की वरिष्ठ सदस्य कृष्णचंद तुलछिया, बंसीलाल लड्ढा, बालेंद्र कोठारी, दुर्गाशंकर तिवारी, गोपाल दाधीच, बार एसोसिएशन उपाध्यक्ष सुरेश सेन, मांगीलाल बेरवा,नारायणलाल जाट, पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण जाट, किशनलाल जाट, भैरवशंकर गौड़ पुरुषोत्तम योगी, ठाकुरप्रसाद व्यास, भावेश झंवर, हरीश तुलछिया,कन्हैयालाल वैष्णव, संजय कुमावत, सुरेश बाफना, रामदयाल दाधीच, रघु लोहार पवन जयसवाल,कन्हैयालाल माली, निर्मल मीणा, पवन शर्मा, विजय बारेगामा आदि मौजूद रहें।

वहीं अपनी मांग को लेकर बार अध्यक्ष मोहनलाल गाडरी के साथ एक प्रतिनिधि मंडल जयपुर गया हुआ हैं। जहां उन्होंने विधायक अर्जुनलाल जीनगर से मुलाकात की। विधायक जीनगर ने विधान सभा में भी कपासन में एडीजे कोर्ट स्थायी करने का मुद्दा उठाया। इसके अलावा सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना से भी प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की और इस मांग को मुख्यमंत्री और कर रहें हैं। कानून मंत्री तक रखने का प्रयास भी कर रहे हैं बताया जा रहा है पिछले तीन साल से यहां एडीजे कोर्ट कैंप प्रतिमाह 6 दिन लगती हैं। गत दो साल से इस स्थायी करने की मांग की जा रही थी। और इस बजट में स्थाई करने की सभी को आशा थी लेकिन मांग पूरी नहीं होने से आक्रोश व्याप्त है।

डॉ. पद्मजा शर्मा सदस्य बनी

जोधपुर, (कासं)।। राजस्थान साहित्य अकादमी , उदयपुर की ओर से अंतर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद की महामंत्री डॉ. पद्मजा शर्मा को अकादमी की संस्था मान्यता /संबद्धता समिति की सदस्य बनाया गया है।

समिति के 13 सदस्य हैं नरेंद्र निर्मल ,डॉ आर डी सैनी ,डॉ कुलशेखर व्यास, डॉ पद्मजा शर्मा ,विजय महर्षी,डॉ कृष्ण कुमार आशु, डॉ योगमाया सैनी, सुरेन्द्र सुंदरम ,पीयूष पण्ड्या, डॉ शमशाद अली खान, डॉ आदर्श किशोर और जयपुर के ओ पी टाक हैं।

"जब उसने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था तो मैं वहां मौजूद था। मैं भी तब टीम का हिस्सा था। मैंने उसके रवैये और नैतिकता में बहुत अधिक अंतर नजर नहीं आता। रणजी ट्राफी जीतना हमारी तरफ से उसके लिए सच्चा सम्मान होगा।" - जयदेव उनादकट

भारतीय क्रिकेटर, अपने टीम साथी चेतेश्वर पुजारा के बारे में कहते हुए।

आज का खिलाड़ी

शिखर धवन

शिखर धवन एकदिवसीय टीम की कप्तानी करने के तीन महीने से भी कम समय में भारतीय टीम से बाहर हो गये लेकिन इस 37 साल के सलामी बल्लेबाज ने साल के अंत में विश्व कप खेलने की उम्मीद नहीं छोड़ी है।धवन ने कहा, " यह (उतार चढ़ाव) जीवन का हिस्सा हैं। समय के साथ, अनुभव के साथ आप सीखते हैं कि उन्हें आसानी से कैसे संभालना है। मुझे इससे बहुत ताकत मिलती है। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। अगर कोई मेरे सर्वश्रेष्ठ से बेहतर कर रहा है, तो उससे मुझे कोई शिकायत नहीं ।" इस वामहस्त बल्लेबाज ने कहा, " इसलिए वह व्यक्ति टीम में है और मैं वहां नहीं हूं।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एक मात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्री ने चन्द्रमा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

स्टार्क को दूसरे टेस्ट में खेलने की उम्मीद

नयी दिल्ली, 15 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने बुधवार को कहा कि भारत के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए वह अंतिम एकादश में वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।स्टार्क चार मैचों की श्रृंखला का पहला मैच को नहीं खेल पाये थे। ऑस्ट्रेलिया इस मैच को पारी और 132 रन से हार गया था। वामहस्त गेंदबाज स्टार्क उंगली की चोट से उबर कर शनिवार को भारत पहुंचे हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, " मुझे अभी कुछ और सुधार करना है लेकिन मैं सही दिशा में आगे बढ़ रहा हूं। मैं अभी थोड़ा और सुधार करना चाहूंगा।" उन्होंने कहा, " मेरे मामले में सुधार हो रहा है लेकिन इसकी गति इतनी नहीं है कि जितना मैं चाहता था। मैं चयन के लिए उपलब्ध रहने के लिए जो भी जरूरी होगा वह करूंगा। बाकी चीजें चयन मामलों से जुड़े समूह के फैसले पर निर्भर करता है।" स्टार्क और हरफनमौला कैमरून ग्रीन सहित प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने से ऑस्ट्रेलिया की परेशानी बढ़ गयी थी। ग्रीन भी उंगली की चोट से उबर रहे हैं। इन दोनों ने बुधवार को गेंदबाजी अभ्यास किया, ग्रीन ने एक घंटे से अधिक समय तक बल्लेबाजी अभ्यास भी की। उनके चयन पर गुरुवार को फैसला होगा।

100 विकेट लेने वाली पहली भारतीय बनीं दीप्ति

केप टाउन, 15 फरवरी। दीप्ति शर्मा महिला टी20 विश्व कप 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रुप-बी मैच के दौरान बुधवार को टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट लेने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बन गयीं। दीप्ति ने अपने 100वें विकेट के रूप में एफी फ्लेचर को आउट किया, जबकि इस मुकाबले में उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर तीन सफलताएं हासिल कीं। दीप्ति ने भारत के लिये अब तक खेले गये 89 टी20 मैचों में 19.07 की औसत से विकेट लिये हैं। दीप्ति के बाद युजवेंद्र चहल (91) सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं। भारत की महिला टीम में सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में दीप्ति के बाद पूनम यादव (98), राधा यादव (67), राजेश्वरी गायकवाड़ (58), झूलन गोस्वामी (56) और एकता बिष्ट (53) का नाम आता है।

डी अल्बोरन ने शीर्ष वरीय सेंग को हराया

चेन्नई, 15 फरवरी। अमेरिका के निकोलस मोरेनो डी अल्बोरान ने बुधवार को यहां चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त चुन सीन सेंग को 6-2, 6-4 से हराकर उलटफेर किया।जापान के यासुताका उचियामा ने भी डालीबोर स्वर्सिना को 6-1, 6-7 (10), 6-4 से उलटफेर का शिकार बनाकर अंतिम आठ में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलिया के डेन स्वीनी ने क्वालीफायर जेम्स मैककेबे को 6-2, 6-1 से पराजित किया। युगल में सुमित नागल और शशिकुमार मुकुंद की भारतीय जोड़ी ने यू सिओ सू और क्रिस्टोफर रुंगकट पर जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन रामकुमार रामनाथन और विष्णु वर्धन की जोड़ी कोरिया के जी सुंग नाम और मिन क्यू सोंग से हार गई। इस बीच जीवन नेदुनचेजियान और श्रीराम बालाजी की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने फ्रेडरिक फरेरा सिल्वा और डी अल्बोरान को 6-4,7-5 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया जहां उनका सामना हमवतन नागल और शशिकुमार से होगा।

प्रज्वल को बेंगलुरू ओपन में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला

बेंगलुरू, 15 फरवरी। स्थानीय खिलाड़ी एसडी प्रज्वल देव को बुधवार को बेंगलुरू ओपन टेनिस टूर्नामेंट के एकल के मुख्य ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया।वह 20 फरवरी से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले सुमित नागल को इस प्रतिष्ठित एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया था। युगल में दो बार के चैंपियन रामकुमार रामनाथन भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। उनके अलावा पूरव राजा-दिविज शरण और अनिरुद्ध चंद्रशेखर-एन विजय सुंदर प्रशांत की भारतीय जोड़ियां भी अपना भाग्य आजमाएंगी। रामकुमार ने इटली के फ्रांसेस्को मेस्त्रेली के साथ जोड़ी बनाई है। एक अन्य भारतीय अर्जुन काधे भी अपने ऑस्ट्रियाई जोड़ीदार मैक्सिमिलियन न्यूक्रिस्ट के साथ चुनौती पेश करेंगे।

चिराग-ध्रुव ने भारत की यूएई पर जीत सुनिश्चित की

दुबई,15 फरवरी। भारत ने ध्रुव कपिला और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी की जीत के साथ बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के ग्रुप स्टेज मुकाबले में बुधवार को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3-0 से मात दे दी। दुबई एग्ज़िबिशन सेंटर में खेले जा रहे टूर्नामेंट में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के हिस्सा न ले पाने के कारण चिराग ने ध्रुव कपिला के साथ जोड़ी बनायी, हालांकि इसके बाद भी दोनों के बीच शानदार समन्वय देखने को मिला। चिराग-ध्रुव की जोड़ी ने सिर्फ 35 मिनट चले मुकाबले में यूएई के देव अयप्पन और धिरेन अयप्पन को 21-15, 21-14 से मात दी। इससे पूर्व, लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल मैच में देव विष्णु को 21-16, 21-12 से हराकर मुकाबले में भारत को विजयी शुरुआत दिलाई। आकर्षी कश्यप ने महिला एकल मैच में यूएई की मधुमिता सुंदरपंदियन को सिर्फ 26 मिनट में 21-6, 21-7 से मात दे दी। ग्रुप स्टेज में भारत का अगला मुकाबला गुरुवार को मलेशिया से होगा।

हम नागपुर को पीछे छोड़ चुके हैं, अब दिल्ली पर ध्यान : द्रविड़

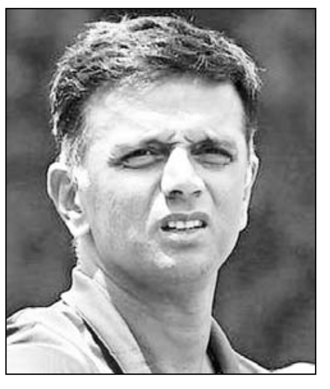

नयी दिल्ली, 15 फरवरी। भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से पूर्व बुधवार को कहा कि उनका ध्यान पिछले मैच की विशाल जीत पर नहीं बल्कि आने वाले मैच की तैयारियों पर केंद्रित है।

गौरतलब है कि भारत ने नागपुर में खेले गये पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को पारी और 132 रन के विशाल अंतर से रौंदा था। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर भी भारत पिछले 36 सालों में कोई टेस्ट नहीं हारा है, हालांकि कोच द्रविड़ की दिलचस्पी अतीत के आंकड़ों से ज्यादा भविष्य की योजनाओं पर है।

द्रविड़ ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे अभी तक इस स्टेडियम के रिकॉर्ड्स का नहीं पता था। हम लोग यह नहीं देखते हैं। बीते समय में अलग खिलाड़ी थे, विपक्षी टीम अलग थी। अगर आप यह मैच जीतना चाहते हैं तो आपको यहां अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इसलिये आप ज्यादा इतिहास में नहीं जा सकते। आप थोड़े बहुत आंकड़े देख सकते हैं, लेकिन आप उसके वेग में नहीं बह सकते। हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया बहुत अच्छी और अनुभवी टीम है। उनके कई खिलाड़ी यहां आकर पहले भी खेल चुके हैं। वह भी चाहेंगे कि पिछले मैच की हार से वापसी करें। हम जानते हैं कि अगर हमें यह सीरीज जीतनी है तो लगातार अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी।

उन्होंने कहा, हमने पहले टेस्ट मैच के बाद भी यह बात की थी कि हमें लगातार अच्छी क्रिकेट खेलनी है। हमारी योजनाएं एक मैच के बाद नहीं बदलेंगी। उन्होंने भी नागपुर टेस्ट से कुछ सीख ली होगी, तो वह भी कोशिश करेंगे कि उसे इस्तेमाल करें। हम भी कोशिश करेंगे कि अपनी लय बरकरार रखें। आप 1987 के रिकॉर्ड तो छोड़िये, हम नागपुर को भी पीछे छोड़ चुके हैं। अब हम दिल्ली आ चुके हैं और हमें मालूम है कि यहां भी अच्छा क्रिकेट खेलना होगा।

भारत ने भले ही नागपुर में ऑस्ट्रेलिया पर दमदार जीत दर्ज की, लेकिन लंबे समय से लय में चल रहे श्रेयस अय्यर पीठ की चोट के कारण उस टेस्ट में हिस्सा नहीं ले सके थे। अय्यर अब बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना रिहैब पूरा करके भारतीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं और कोच द्रविड़ का कहना है कि अगर वह पांच दिन खेलने के लायक फिट होते हैं तो उन्हें एकादश में जगह दी जायेगी।

द्रविड़ ने कहा, किसी खिलाड़ी का चोट से उभरकर वापस आना हमेशा अच्छा होता है। मैं खुश हूं कि वह ठीक होकर वापस आ गये हैं। वह अपने टेस्ट पदार्पण के बाद से काफी महत्वपूर्ण रहे हैं और कई अच्छी पारियां खेल चुके हैं। हम उनके खेलने पर दो दिन बाद फैसला लेंगे। उन्होंने आज अभ्यास किया, और कल भी करेंगे। अगर अय्यर खेलने के लिये तैयार होते हैं और पांच दिन मशक्कत करने के लिये फिट होते हैं तो वह सीधा टीम में आयेंगे।

अय्यर की टीम में वापसी का मतलब होगा कि नागपुर में टेस्ट पदार्पण करने वाले सूर्यकुमार यादव को एकादश से बाहर जाना होगा। सूर्यकुमार ने पहले टेस्ट में सिर्फ आठ रन का योगदान दिया था, हालांकि द्रविड़ का कहना है कि ज्यादा रन बनाने पर भी सूर्यकुमार को अय्यर पर प्राथमिकता नहीं दी जाती।

द्रविड़ ने एक सवाल के जवाब में कहा, बिल्कुल, अगर कोई खिलाड़ी लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और चोट की वजह से टीम से बाहर हो जाता है, तो उसका अधिकार है कि वह फिट होने के बाद टीम में वापस आये। मैं सभी की तरफ से कुछ नहीं कह सकता, लेकिन कम से कम टीम प्रबंधन का तो यही विचार है। अय्यर स्पिन के खिलाफ अच्छा खेले हैं, लेकिन कानपुर में अपने पदार्पण के बाद से उन्होंने कई टेस्ट मैचों में भारत को मुश्किल स्थिति से निकाला है। हम पिछले एक-डेढ़ साल में जब भी संकट में रहे हैं तो उन्होंने, ऋषभ (पंत) ने और जडेजा ने हमें मुश्किल से निकाला है और महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं।

कोच द्रविड़ ने इस अवसर पर अपना 100वें टेस्ट की तैयारी कर रहे चेतेश्वर पुजारा की भी तारीफ की। वर्ष 2010 में भारत के लिये पदार्पण करने वाले पुजारा 99 टेस्ट मैच खेलकर 44.1 की औसत से 7021 रन बना चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध शुक्रवार से होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे मैच में वह अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे।

द्रविड़ ने कहा, यह एक क्रिकेटर के लिये बहुत बड़ी उपलब्धि होती है। इसके लिये आपको प्रतिभा की जरूरत तो होती ही है, लेकिन 100 टेस्ट मैच खेलना इसके अलावा भी बहुत कुछ दर्शाता है। यह आपकी ज्येष्ठता दिखाता है। यह आपकी फिटनेस, आपकी मजबूती, उतार-चढ़ाव को सहने की क्षमता दिखाता है। जब आप 100 टेस्ट खेलते हैं तो यह हो ही नहीं सकता कि आपने उतार-चढ़ाव न देखे हों। आपको जीत-हार का सामना करना पड़ता है। कई तरह की गेंदबाजी देखनी होती है, आपसे फील्ड पर कई सवाल पूछे जाते हैं। जो पुजारा ने पिछले 13-14 सालों में किया है, वह बहुत बड़ी बात है। यह (100वां टेस्ट) उनके कौशल के लिये एक पुरस्कार है।

उन्होंने कहा, वह टीम के बड़े ही चहेते खिलाड़ी हैं। हम सबको खुशी होती है कि वह 100 टेस्ट मैच खेले हैं। उम्मीद है कि वह आगे भी बहुत अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे, जैसा कि वह करते आये हैं। अगर आप पिछले 10-15 सालों में देखें तो पुजारा ने कई ऐसी महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं जिससे भारत को मैच में और कई शृंखलाओं में जीत मिली है। बेशक ही वह हमारी टीम के बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। हम सब खुश हैं कि उनके साथ इस पल को साझा कर सकते हैं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट में पारी और 132 रन से हराकर चार मैचों की शृंखला में 1-0 की बढ़त बना चुका है। दिल्ली के बाद दोनों टीमें इंदौर (1-5 मार्च) और अहमदाबाद (9-13 मार्च) में भी एक-दूसरे का सामना करेंगी।

तीनों प्रारूपों के शीर्ष पर पहुंचा भारत

दुबई, 15 फरवरी। भारतीय टीम ने बुधवार को इतिहास रचते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया।

टी20 और एकदिवसीय क्रिकेट में पहले ही शीर्ष पर पहुंच चुकी भारतीय टीम ने नागपुर टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को रौंदकर खेल के सबसे लंबे प्रारूप में भी पहला स्थान हासिल किया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से आज जारी नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, भारत 115 रेटिंग प्वाइंट के साथ टेस्ट टीमों की सूची के शीर्ष पर है।

भारत तीनों प्रारूपों में एक साथ नंबर एक पर रहने वाली पहली एशियाई टीम है। भारत से पूर्व सिर्फ दक्षिण अफ्रीका (2014) ने यह कीर्तिमान रचा था। भारत के बाद टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया (111) दूसरे और इंग्लैंड (106) तीसरे स्थान पर है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में शुक्रवार से एक दूसरे का सामना करना है। इंग्लैंड भी गुरुवार से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट शृंखला में न्यूजीलैंड का सामना करेगी।

टेस्ट मैच के नंबर एक गेंदबाज बनने के करीब पहुंचे अश्विन

दुबई, 15 फरवरी। भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन नागपुर टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धाकड़ प्रदर्शन के दम पर नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बनने के करीब पहुंच गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, अश्विन 846 रेटिंग प्वाइंट के साथ टेस्ट गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। अश्विन शीर्ष गेंदबाज पैट कमिंस (867) से सिर्फ 21 प्वाइंट पीछे हैं और उनके पास 2017 के बाद पहली बार नंबर एक पर पहुंचने का मौका है।

गौरतलब है कि अश्विन ने नागपुर टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लेते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी, जिसकी बदौलत भारत पारी और 132 रन की विशाल जीत दर्ज कर सका। अश्विन की जादूगरी से पहले रवींद्र जडेजा ने पहली पारी में पंजा खोला था।

चेतन का स्टिंग वीडियो में चौंकाने वाला खुलासा

हम रोहित का पक्ष नहीं ले रहे, बस कोहली के खिलाफ थे

मुंबई, 15 फरवरी। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और बीसीसीआई में भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा एक स्टिंग ऑपरेशन में चौंकाने वाले खुलासे करते नजर आ रहे हैं। चेतन ने दावा किया कि विराट कोहली को सौरव गांगुली पसंद नहीं करते थे और इसी वजह से रोहित शर्मा को कप्तानी सौंपी गई।

बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता ने चौंकाने वाला खुलासा किया कि कैसे स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को टी20 कप्तानी से हटने के बाद वनडे कप्तानी से हटा दिया गया। एक टीवी चैनल ने यह स्टिंग ऑपरेशन किया था। चैनल द्वारा किए गए इस स्टिंग ऑपरेशन में चेतन शर्मा कहते हैं कि बीसीसीआई ने उस समय कोहली के खराब फॉर्म को देखते हुए उन्हें वनडे की कप्तानी से हटाया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में चेतन शर्मा कथित तौर पर भारत के कप्तान के रूप में कोहली के कार्यकाल से संबंधित प्रकरण के बारे में बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई विराट के आचरण से नाराज था क्योंकि वह खुद को खेल से ऊपर समझने लगे थे। उन्हें बीसीसीआई और चयन समिति द्वारा स्पष्ट रूप से टी20ई कप्तानी छोड़ने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए कहा गया था। वह यह दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अनावश्यक रूप से चयन समिति में इसका मुद्दा उठाया। वह तत्कालीन बीसीसीआई अध्यक्ष के साथ इस पर बात करना चाहते थे।

चेतन शर्मा ने कहा कि बीसीसीआई ने विराट की खराब फॉर्म का फायदा उठाया और उन्हें कप्तानी से हटा दिया। उन्हें देश के नंबर एक बल्लेबाज के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए था। यह शर्मनाक था।

उन्होंने कई भारतीय खिलाड़ियों के फिट होने के लिए इंजेक्शन लेने के बारे में भी विस्फोटक खुलासे किए। इसके अलावा, चेतन शर्मा ने दावा किया कि बड़े क्रिकेटर अपने डॉक्टरों की सेवाओं का उपयोग करते हैं, जो खुशी से इंजेक्शन देते हैं। उन्होंने कहा, खिलाड़ी फिट नहीं हैं लेकिन वे खेलने के लिए इंजेक्शन लेते हैं। वह 80 प्रतिशत फिटनेस पर भी खेलने के लिए तैयार हैं। खिलाड़ी इंजेक्शन लेते हैं और खेलना शुरू कर देते हैं। उन्होंने कहा, बुमराह झुक भी नहीं सकते तो क्या करें? खेलते हुए उन्हें एक-दो बार बड़ी चोट लग जाती है। वर्ना 80 प्रतिशत फिटनेस पर भी वह चुपचाप एक कोने में जाते और इंजेक्शन लेने के बाद कहते है कि 'सर हम फिट हैं।'

भारत ने विंडीज को छह विकेट से हराया

केप टाउन, 15 फरवरी। दीप्ति शर्मा (15/3) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ऋचा घोष (44 नाबाद) और कप्तान कप्तान हरमनप्रीत कौर (33) की संयम भरी पारियों के दम पर भारत ने बुधवार को महिला टी20 विश्व कप 2023 के ग्रुप-बी मुकाबले में वेस्ट इंडीज को छह विकेट से मात दे दी। वेस्ट इंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 119 रन का लक्ष्य रखा। भारत ने यह लक्ष्य सिर्फ 18.1 ओवर में चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

राजस्थान ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में किया अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

जयपुर, 15 फरवरी । राजस्थान ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्षन करते हुए 19 स्वर्ण सहित कुल 48 पदक जीतकर देष में चैथा स्थान हासिल किया। इन खेलों में 36 प्रदेषो ने भाग लिया। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् की अध्यक्ष ओलंपियन और पद्मश्री डॉ. कृष्णा पूनिया ने पहली बार इन खेलों में पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला किया। 19 स्वर्ण, 10 रजत और 19 कांस्य पदकों सहित कुल 48 पदक जीतकर देष में राजस्थान के खिलाड़ियों ने नाम रोषन किया। प्रदेष से ऊपर महाराष्ट्र (973) पदक, हरियाणा (128) पदक और मध्य-प्रदेष (96) है। डॉ. कृष्णा पूनिया ने इन खिलाड़ियों की सफलता को देखते हुए गोल्ड मेडल विजेता को 1,50,000/- लाख, रजत पदक विजेता को 1,12,500/- और कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी को 93,750/- रूपये के नकद पुरस्कार राषि देने की घोषणा की।

बंगाल को हरा राजस्थान नॉकआउट में

जयपुर 15 जनवरी। सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले जा रहे राजस्थान - बंगाल अंडर 25 सी के नायडू ट्रॉफी मैच के अंतिम दिन राजस्थान के बल्लेबाजों व गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच में टीम को 270 रनो से शानदार जीत दिलाई। राजस्थान पहली पारी में 418 रन पर ऑल आउट, बंगाल पहली पारी में 172 रन पर आल आउट रहा। वहीं राजस्थान दूसरी पारी 195 रन आल आउट व बंगाल दूसरी पारी में 171 रन पर आल आउट रहा। इसी प्रकार राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार 68 / 6 , सलाउद्दीन 9 / 2 , दिव्य गजराज व जुबेर प्रत्येक 1 - 1 विकेट प्राप्त किए।

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

एसएलआर / वीपीयू लिजिंग / विज्ञापन / पार्किंग / पे एण्ड यूज ठेको की ई–ऑक्शन सूचना

कार्य का नाम : (1) जयपुर मंडल से संचालित गाड़ियों के वीपीयू एवं एसलआर में स्थान लीज पर माल पार्सल की लोडिंग हेतु ई–ऑक्शन, (2) जयपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु रेल डिस्पले नेटवर्क का ई–ऑक्शन, (3) जयपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर पार्किंग स्टेण्ड हेतु ई–ऑक्शन, (4) जयपुर मंडल के 10 स्टेशनों पर शौचालयों एवं स्नानगृहों का पे एण्ड यूज के आधार पर संचालन हेतु ई–ऑक्शन, कार्य की अवधि : (1) वीपीयू / एसएलआर–2 वर्ष, (2) पार्किंग–3 वर्ष, (3) विज्ञापन–3 वर्ष, (4) पे एण्ड यूज शौचालय एवं स्नानगृह–3 वर्ष, **लॉट के ई–ऑक्शन प्रारम्भ की तिथि व समय : (1) VPUs & SLRs :** (1) SLR-26 दिनांक 27.02.2023 को 11:15 बजे से, **(2) Pay & Use Toilets :** (1) PnU-10 दिनांक 27.02.2023 को 11:00 बजे से, **(3) PKG :** (1) PKG-16 दिनांक 27.02.2023 को 11:00 बजे से, **(4) ADVT :** (1) ADVT-21 दिनांक 27.02.2023 को 11:30 बजे से (2) ADVT-22 दिनांक 01.03.2023 को 11:00 बजे से, **वेब साइट जहाँ से लॉट वाईज ई–ऑक्शन के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है । : www.ireps.gov.in.**

161-SN/23

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

ई–निलामी मार्च–2023

अनुपयोगी रेल सामग्री एवं अलोह, स्क्रेप सवारी कोच, वैगन सामग्री, मशीन, विविध स्क्रेप रेल तथा अन्य रेल पथ स्क्रेप सामग्री नीचे दर्शाए गए भण्डार डिपो व डिविजन में ई–निलामी की जायेगी।

डिपो / डिविजन	अजमेर डिपो	अजमेर डिविजन	जोधपुर डिपो	जोधपुर डिविजन	बीकानेर डिपो / डिविजन	जयपुर डिविजन
मार्च, 2023	01.03.23	02.03.23	03.03.23	09.03.23	10.03.23	13.03.23
	14.03.23	15.03.23	16.03.23	17.03.23	20.03.23	21.03.23
	22.03.23	23.03.23	24.03.23	27.03.23	28.03.23	29.03.23
	31.03.23	31.03.23	31.03.23	31.03.23	31.03.23	31.03.23

1. नीलामी केटेलाग वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिये जायेंगे। 2. उत्तर पश्चिम रेलवे अब स्क्रेप नीलामी ई–नीलामी द्वारा करती है। इसलिये सभी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि जल्दी से जल्दी ई–नीलामी हेतु वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर अपना पंजीकरण करवाये। 3. बोलीकर्ता डिजिटल हस्ताक्षर नीलामी से पूर्व ले लेवें एवं भुगतान हेतु अपना खाता भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (सरल / व्यापार) में खोलकर बयाना राशि इत्यादि जमा करावे। विस्तृत जानकारी के लिए सम्बन्धित डिपो अधिकारी / भण्डार विभाग प्रधान कार्यालय, जयपुर में सम्पर्क करें। 162-SN/23

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

वर्तमान में रहना चाहता हूं और एक बार में एक टेस्ट पर ध्यान देना चाहता हूंः पुजारा

नयी दिल्ली, 15 फरवरी। भारत के सीनियर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा शुक्रवार को यहां अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं और वह उम्र को लेकर चल रही चर्चाओं पर ध्यान नहीं देना चाहते हैं। इस 35 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने संन्यास की तिथि तय नहीं की है और वह एक बार में एक मैच पर ध्यान देना चाहते हैं।

पुजारा ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से कहा," मैं अपने लिए लक्ष्य तय नहीं करना चाहता हूं। मैं वर्तमान में रहना चाहता हूं। मैं कितने समय तक खेलूंगा के बारे में सोचने के बजाय मैं एक बार में एक मैच पर ध्यान देना चाहता हूं।"

उन्होंने कहा," खेल का लुत्फ उठाना महत्वपूर्ण है। अपने खेल के चरम पर रहना महत्वपूर्ण है और फिर जब आप अपना योगदान देने में सक्षम नहीं रहते या अपनी योग्यता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो आप अपने अगले कदम के बारे में सोच सकते हैं। मैं अभी 35 साल का हूं और अभी मेरे पास समय है।"

पुजारा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में मैदान पर कदम रखते ही भारत की तरफ से 100 या इससे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले 13वें क्रिकेटर बन जाएंगे।

पुजारा ने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और इसके बाद उन्होंने टेस्ट विशेषज्ञ के रूप में अपनी विशेष पहचान बनाई। उनके 100वें टेस्ट मैच का गवाह बनने के लिए उनका परिवार भी स्टेडियम में मौजूद रहेगा।

पुजारा ने कहा," हां, यह मेरा 100वां टेस्ट मैच होगा लेकिन तब भी आपको टीम के लिए भूमिका निभानी पड़ेगी और आपको उस पर अधिक ध्यान देना होगा। हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महत्वपूर्ण श्रृंखला खेल रहे हैं।"

बंगाल के पास तीन दशक बाद रणजी ट्राफी जीतने का मौका

सौराष्ट्र से मिलेगी कड़ी चुनौती

कोलकाता, 15 फरवरी। बेहतरीन फॉर्म में चल रही बंगाल की टीम गुरुवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्राफी फाइनल में जीत दर्ज करके 33 साल बाद चैंपियन बनने की कोशिश करेगी लेकिन इसके लिए उसे जयदेव उनादकट की वापसी से मजबूत बनी सौराष्ट्र की टीम की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा।बंगाल न केवल जीत के लिए भूखा होगा बल्कि वह बदला चुकता करने की कोशिश भी करेगा। बंगाल ने 2020 में रणजी फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन तब राजकोट में उसे सौराष्ट्र ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर हरा दिया था।

ये दोनों टीम फिर से एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश करेंगी लेकिन इस बार मैच ईडन गार्डन्स होगा जहां बंगाल ने आखिरी बार 1990 में खिताब जीता था।

बंगाल की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में मजबूत है। उसके पास सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन, ऑलराउंडर शाहबाज अहमद और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार जैसे खिलाड़ी हैं जो शानदार फॉर्म में चल रहे हैं।

तेज गेंदबाज आकाशदीप ने बंगाल को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने अब तक नौ मैचों में 37 विकेट लिए हैं जबकि युवा सुदीप घरामी ने 789 रन बनाए हैं और वह टीम की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में दूसरे स्थान पर हैं।

हाल के दिनों में बंगाल का मजबूत पक्ष तेज गेंदबाजी विभाग रहा है तथा आकाशदीप, इशान पोरेल और मुकेश कुमार फाइनल में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

सौराष्ट्र को हालांकि उनादकट की वापसी से मजबूती मिली है। अभिमन्यु, बंगाल की तरफ से अब तक सर्वाधिक 790 रन बनाने वाले अनुस्तुप मजूमदार, घरामी और कप्तान मनोज तिवारी को उनादकट के सामने सतर्कता के साथ खेलना होगा।

तिवारी अभी राज्य के खेल मंत्री भी हैं और उन्हें प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 10,000 रन पूरा करने के लिए 167 रन की जरूरत है। इस सत्र में वह हालांकि अब तक 398 रन ही बना पाए हैं।

तिवारी ने कहा कि उनकी टीम बदला चुकता करने के उद्देश्य से मैदान पर नहीं उतरेगी।

उन्होंने कहा, "हम इस शब्द का उपयोग नहीं करना चाहते हैं। इसे हासिल करने के लिए हमें निश्चित तौर पर उन्हें हराना होगा। जीत के बाद हम कह सकते हैं कि हमने बदला चुकता कर दिया।"

जहां तक सौराष्ट्र का सवाल हैं तो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उनादकट और चेतन सकारिया उसके तुरुप के इक्के हैं। ईडन गार्डन्स की घास वाली पिच पर बंगाल के बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना आसान नहीं होगा।

उनादकट ने साफ किया तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल पिच पर अपने गेंदबाजों के बलबूते पर बंगाल के लिए जीत दर्ज करना आसान नहीं होगा।

उन्होंने कहा, "अगर उनके गेंदबाज हमारे बल्लेबाजों के लिए चुनौती हैं तो हमारे गेंदबाज भी उनके बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश करेंगे।"

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)

CIN : L65110TN2014PLC097792

पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031

फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

IDFC FIRST Bank

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]

कब्जा नोटिस

(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) के प्राधिकृत अधिकारी है, अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्ननिर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक मांग नोटिस, कर्जदारों/सह कर्जदारों और जमानतियों को, नीचे वर्णित मांग नोटिस में उल्लेखित राशि का भुगतान, उक्त नोटिस की प्राप्ति के 60 दिन के अन्दर, मांग पत्र की तिथ से भुगतान/प्राप्ति तक के अतिरिक्त ब्याज तथा अन्य खर्चो सहित, करने के लिये कहा गया है।

कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानती राशि वापस करने में विफल रहे है, कर्जदारों/सह-कर्जदारों/जमानतियों को तथा जनसाधारण को एतथ द्वारा सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है, के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उन्होने नीचे वर्णित सम्पत्तियों का कब्जा ले लिया है।

ऋण खाता संख्या	कर्जदारों/ सहकर्जदारों एवं जमानतियों के नाम	गिरवी रखी सम्पत्तियों का विवरण	मांग नोटिस		कब्जे का प्रकार और तिथि
			दिनांक	बकाया राशि रू.	
30595033 एवं 33837407	1. हरीश असरानी 2. नीलम असरानी 3. जीतेन्द्र असरानी 4. भारत असरानी	प्लाट नं.3 क 44, स्कीम नारी का नाका हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री नगर, जयपुर, राजस्थान-302016 का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 125 वर्ग फिट अर्थात 116.21 वर्ग मीटर, सीमायें है- पूर्व-प्लाट नं.3 क 07, पश्चिम-रोड 60' 0" चौडी, उत्तर-प्लाट नं.3 क 45, दक्षिण-प्लाट नं. क 43	19.11.2022	रूपये 1,23,56,059.66/-	14.02.2023 सांकेतिक कब्जा
24625028 एवं 33263788	1. अमन्स ड्रीम इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड 2. अमन शेखावत 3. रघुवीर सिंह	**आइटम-1** - प्लाट नं. 90, क्षेत्रफल 216.94 वर्ग गज, स्कीम रिद्धी सिद्धी नगर, हरनाथपुरा, जयपुर (राज.) का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है- पूर्व-प्लाट नं.91, पश्चिम-प्लाट नं. 90-ए, उत्तर-रोड 40'0" चौडी, दक्षिण-प्लाट नं.81 **आइटम-2** - प्लाट नं.91, क्षेत्रफल 213.88 वर्गगज, स्कीम रिद्धी सिद्धी नगर, हरनाथपुरा, जयपुर (राज.) का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है- पूर्व-प्लाट नं.92, पश्चिम-प्लाट नं. 90, उत्तर-रोड 40'0" चौडी, दक्षिण-प्लाट नं. 80	30.11.2022	रूपये 1,78,43,536.17/-	14.02.2023 सांकेतिक कब्जा
10364959 2025027 1118984 37642855 एवं 3548878	1. दिनेश चन्द गुप्ता 2. मानिका गुप्ता 3. प्रतीक गुप्ता 4. भारत स्पन पाइप एण्ड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 5. भैंसीवाला प्री. कैब प्राइवेट लिमिटेड 6. भैंसीवाला होल्डिग्स प्राइवेट लिमिटेड	प्लाट नं. 44-ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया झोटवाडा, जयपुर राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 2678 वर्ग मीटर, और सीमाये है- पूर्व-प्लाट नं. 43 एवं 44, पश्चिम-रोड, उत्तर-प्लाट नं. 45, दक्षिण-प्लाट नं. 43 एवं 44	30.11.2022	रूपये 1,46,70,243.64/-	14.02.2023 सांकेतिक कब्जा

कर्जदारों/सह-कर्जदारों/जमानतियों को विशेष रूप से तथा आम जनता को एतथद्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा, लेन देन नहीं करें तथा इन सम्पत्तियों की किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक के सथ सम्मिलित) की प्रभारित शर्तों के तहत होगा व मांग नोटिस में वर्णित राशि, मांग नोटिस की तिथि से भुगतान/वसूली तक की अतिरिक्त ब्याज व खर्चो सहित, देय होगा।

दिनांक- 14.02.2023

स्थान- जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्व नाम कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड तथा आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)

संक्षिप्त

अनियंत्रित डम्पर गड्ढे में पलटा

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के कलमंडा से डूंगरीकलां सड़क मार्ग पर बुधवार की दोपहर एक डम्पर अनियंत्रित हो सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे में डम्पर चालक व परिचालक बाल-बाल बच गये। मौके पर जमा ग्रामीणों ने क्रेन की सहायता से डम्पर को गड्ढे से निकाला। डम्पर पलटने से सड़क किनारे खेत पर लगे सीमेंट के पोल व तारबंदी क्षतिग्रस्त हो गये। वहीं शहर के माणक चौक बाजार में अनियंत्रित हो बाइक फिसलने से युवक घायल हो गया जिसे मालपुरा के सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया।

मुकेश सैनी तहसील अध्यक्ष बने

मालपुरा, (निसं)। माली समाज युवा मोर्चा के तहसील अध्यक्ष पद पर मुकेश कुमार सैनी की नियुक्ति की गई। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रामअवतार टांक की अनुशंषा पर जिलाध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया ने पुरानी तहसील निवासी मुकेश सैनी को तहसील अध्यक्ष का नियुक्ति पत्र जारी किया गया। युवाओं व समाजबंधुओं ने सैनी को बधाई दे संगठन हित में कार्य किये जाने की बात कही। वहीं राजस्थान जाट महासभा प्रदेशाध्यक्ष राजाराम नील के निर्देशों पर युवा प्रदेशध्यक्ष कुलदीप ढेवा की अभिशंषा पर जिलाध्यक्ष शंकर लाल ढाका ने महासभा के तहसील अध्यक्ष पद पर अजयपाल सांडीवाल को नियुक्त किया।

महर्षि बालीनाथ का मेला 17 से

मंडावरी, (निसं)। राष्ट्रीय संत महर्षि बालीनाथ की पुण्य स्मृति में राष्ट्रीय मेले का आयोजन उनकी मंडावरी कस्बे स्थित जन्मस्थली पर आयोजित किया जाएगा। महर्षि बालीनाथ बैरवा विकास समिति एवं अखिल भारतीय बैरवा महासभा महर्षि बालीनाथ नवयुवक मंडल व महर्षि बालीनाथ मेला आयोजन समिति के तत्वावधान में राष्ट्रीय संत शिरोमणि महर्षि बालीनाथ का राष्ट्रीय मेला 17 व 18 फरवरी को आयोजित होगा।

जिला स्तरीय जनसुनवाई आज

टोंक, (निसं)। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में 16 फरवरी गुरुवार को प्रातः 11 बजे भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र टोंक में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जिला कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को जनसुनवाई में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

नहर की डी.पी.आर. बनवाने जयपुर के लिए पैदल मार्च शुरू

मुंडावर में शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर पैदल मार्च शुरू किया।

बहरोड़/मुंडावर, (निसं)। अलवर जिले के मुंडावर विधानसभा क्षेत्र में कृषि भूमि हेतु नहर लाने की पदयात्रा के सफलतम चरम पर पहुंचने पर 6 फरवरी की विशाल जनसभा में भंवर जितेंद्र सिंह द्वारा दिए गए आश्वासन व 10 फरवरी को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बजट में नहर परियोजनाओं के लिए 13000 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत होने के बाद नहर

■ मुंडावर विधानसभा क्षेत्र में कृषि भूमि हेतु नहर लाने की मांग

लाने के लिए निकाली जा रही पदयात्रा के पद यात्रियों ने 15 फरवरी से पंचायत समिति प्रांगण के शहीद स्मारक पर शहीदों को नमन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर मुंडावर के लिए नहर की डीपीआर बनवाने हेतु जयपुर के लिए पैदल मार्च शुरू किया।

शहीद स्मारक पंचायत समिति प्रांगण मुंडावर पर लोक अभियोजक रामअवतार चौधरी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी की युवा नेत्री डॉक्टर अंजली मेजर तथा पूर्व प्रधान रोहिताश्व चौधरी एवं सरपंच संघ प्रदेश महासचिव पंडित वीरेंद्र भारद्वाज, कविता मेजर, ओपी यादव पूर्व विधायक सहित अजीत सिंह यादव एवं अखिलेश सहित अन्य लोगों ने शहीद स्मारक पर पुष्पमाला अर्पित कर विशाल पदयात्रा की शुरुआत की। ग्रामीणों द्वारा अनेकों गांवों में यात्रा का स्वागत किया।

इस दौरान जयपुर के लिए राजस्थान सरकार को ज्ञापन सौंपने के लिए कूच करती पदयात्रा का शुभारंभ अजीत सिंह यादव द्वारा रोहिताश्व चौधरी को यात्रा का ध्वज सौंप कर किया। इस दौरान बाबूलाल हुड्डा, राजेंद्र चौधरी, रामनिवास सरपंच, शिवनारायण वासनी, योगेश पासवान, ताहिर खान, रमेश सैनी, राहुल शर्मा, जगराम सरपंच, हरि सिंह सैनी सरपंच प्रतापसिंहपुरा, मुकेश सरपंच, सुभाष सरपंच नेमी सरपंच शीलगांव आदि मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के अनेकों जनप्रतिनिधियों एवं किसानों सहित 36 बिरादरी के नेतृत्व में जयपुर के लिए कूच की शुरुआत की गई।

मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ ने ज्ञापन सौंपा

टोंक, (निसं)। राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ टोंक ने मांगों को लेकर जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर बजट की प्रतियां जलाकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल को ज्ञापन सौंपा।

महासंघ के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार नामा ने बताया कि महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष राजसिंह चौधरी व प्रदेश कार्यकारिणी की सरकार से बार-बार सकारात्मक वार्ता होने एवं 3 फरवरी को बजट से पूर्व 5 हजार मंत्रालयिक कर्मचारियों की ध्यानाकर्षण रैली के पश्चात भी बजट 2023-24 में मंत्रालयिक कर्मचारियों की मांगों पर विचार न करके उपेक्षा की गई है, जिससे मंत्रालयिक कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि महासंघ की सरकार से प्रमुख मांग वेतन कटौती आदेश निरस्त कर 2400 व 2800 के पे-लेवल एक-एक करना, सचिवालय के समान वेतन व भत्ते, योग्यता स्नातक, सहित 11 सूत्री मांग पत्र पर कई चरणों में सकारात्मक वार्ता होने के बाद सरकार द्वारा झूंठे आश्वासन देने एवं सरकार की हठधर्मिता और तानाशाही के कारण कर्मचारियों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। अगर 16 फरवरी को होने वाली रिव्यू बजट में मांग पत्र के बिन्दुओं के अनुसार मांगे नहीं मानी जाती है तो 9 मार्च से आंदोलन का आगाज करेंगे।

कुओं से विद्युत केबल व स्टार्टर चोरी

चाकसू, (निसं)। विगत रात्रि को अज्ञात लोगों ने ग्राम छांदेल कला एवं आदर्श ग्राम केशव पुरा के आधा दर्जन किसानों के कुओं पर लगे विद्युत केबल एवं स्टार्टर चुरा लिए। फसल परवान पर है, सिंचाई के साधनों में चोरों की सेंध किसानों को भारी पड़ रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों पर से हो रही इन वारदातों ने कोटखावदा एवं चाकसू पुलिस द्वारा की जा रही रात्रि गश्त की पोल खोल कर रख दी है। किसानों में आक्रोश व्याप्त है। केशव पुरा निवासी छीतरमल पुत्र लक्ष्मण सैनी, भौरीलाल पुत्र ग्यारसी लाल सैनी, महादेव पुत्र भोमाराम बलाई, गोपाल पुत्र छोटूराम माली एवं छांदेल कला निवासी रामधन पुत्र गोपाल माली, भौरीलाल पुत्र केसरलाल गुर्जर, गीता देवी पत्नी रामफूल जांगिड की तरफ से पुलिस थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई जा कर चोरी बरामद करवाने कार्यालय आग्रह किया गया है।

बीसलपुर लाइन से व्यर्थ बह रहे पानी से सड़क पर हुए गड्ढे

रूपनगढ़ तिराहे पर लगे हुए पाइपलाइन के ऐयरवाल से पानी व्यर्थ बह रहा है।

नरैना, (निसं)। एक ओर जहां सरकारे बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर, अभियान चलाकर पानी बचाने कि संदेश देती रहती है, परन्तु सरकारी तंत्र ही पानी की महत्वता को नहीं समझकर व्यर्थ बहने को छोड़ रहा है।

नरैना कस्बे के रूपनगढ़ तिराहे पर लगे हुए बिसलपुर परियोजना पाइपलाइन के ऐयरवाल से लगभग 15 दिनों से पानी व्यर्थ बह रहा है। पानी के सड़क पर व्यर्थ बहने से सड़क गड्ढे में तब्दील होती जा रही है। वहीं कुछ ही दूरी से रूपनगढ़ मेगा हाइवे शुरू होने के कारण इस सड़क पर से भारी वाहन भी बडी संख्या में निकलते है। सड़क पर हो चुके गहरे गड्ढों में दुपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल भी हो रहे है। गौरतलब है कि नरैना में बिसलपुर परियोजना का पम्प हाउस स्थित है। बिसलपुर परियोजना में लगे अधिकारियों का भी इस सडक से आना जाना रहता है, परन्तु सभी आंखें बंद कर निकल जाते है परन्तु परेशानी आमजन को उठानी पड़ रही है। इस विषय में जब ठेकेदार से बात की गई तो उन्होंने जल्द ही ऐयरवाल को रिपेयर करने की बात कही।

गैंगस्टरों को फॉलो करने वाले दो युवक गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। सोशल मीडिया पर प्रदेश के दो नामी गैंगस्टरों को लाइक व फॉलो करने वाले दो युवकों को पचेवर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

डीवाईएसपी सुशील मान ने बताया कि जिला पुलिस अधिक्षक मनीष त्रिपाठी के आदेशानुसार एवं एएसपी राकेश कुमार बैरवा व डीवाईएसपी सुशील मान के सुपरविजन में पचेवर थानाधिकारी राजमल कुमावत व उनकी टीम ने अवैध गतिविधियों में सम्मिलित गैंगस्टर रोहित गोदारा व रितिक बॉक्सर को फैसबुक पर लाइक व फॉलो करने वाले मोहित गेट पुत्र सुखलाल जाट निवासी सांस व धर्मेन्द्र पुत्र रामदेव जाट निवासी सुरसाग थाना पचेवर को पुलिस साईबर क्राईम के सहयोग से दबिश की कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया।

35.36 करोड़ का बजट सर्वसम्मति से पारित

खाटूश्यामजी, (निसं)। नगरपालिका बोर्ड की बजट बैठक बुधवार को पालिकाध्यक्ष ममता मुण्डोतिया की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में वित्त वर्ष 2023-24 का 35.36करोड़ का बजट पारित किया गया। अधिशाषी अधिकारी अरुण शर्मा व लेखाकार विष्णु जांगिड़ ने गत वर्ष के विकास कार्यों का अनुमोदन करते हुए वार्षिक लेखा-जोखा पेश किया। बैठक में पार्षद अनिल शर्मा ने पिछले दस माह का समय बीतने के बाद तक बैठक नहीं होने पर सदन से जबाब मांगा लेकिन पालिकाध्यक्ष ने कोई जवाब नहीं दिया तथा भविष्य में नियमित बोर्ड बैठक बुलाने का आश्वासन दिया।

■ बजट में डोर टू डोर कचरा निस्तारण करने का प्रस्ताव पारित किया

वहीं पालिकाध्यक्ष ने पूर्व अधिकारियों पर आरोप लगाया तो उस पर पार्षद राजू माटोलिया ने कहा कि जब वो अधिकारी चले गए तो अब आरोप लगाने का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। पार्षद राजू माटोलिया ने एसीबी में ट्रेप हुए जेईएन दिनेश चांदा के कार्यकाल दौरान जारी हुए सभी पट्टों की जांच कराने की मांग की। वहीं सभी पार्षदों ने स्थानीय निवासियों को मेले के दौरान रोजमर्रा कार्यों के लिए आवागमन में हो रही दिक्कतों से ईओ को अवगत करवाया। जिसपर ईओ शर्मा ने जिला कलेक्टर व उपखंड अधिकारी से वार्ता करने का आश्वासन दिया। बैठक में पार्षद छोटूराम शेरावत ने हाल ही में बनी सीसी सड़कों की गुणवत्ता जांच कराने की मांग की। इसके साथ ही डोर टू डोर कचरा निस्तारण करने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में उपाध्यक्ष पूरणमल हरनाथका,पार्षद ललिता सोनी, राजवीर सिंह, दामोदर वर्मा, ममता देवी, पुरूषोत्तम कुमावत, संगीता सामरिया,अनोखी देवी,शौकत अली, ईश्वर मुंडोतिया, नरेंद्र मीणा सहित पार्षद मौजूद थे।

एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

राजगढ़, (निसं)। महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के योजना मंच की ओर से प्राचार्य डॉ. राव सज्जन सिंह की अध्यक्षता में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

इसमें मुख्य वक्ता डॉ. शिवशरण कौशिक ने कहा कि अर्थशास्त्र का विस्तृत क्षेत्र है, उन्होंने उदारीकरण एवं निजी करण के साथ वैश्वीकरण के चलते विश्व में अन्य देशों से जुड़ने का मौका मिला है। प्राचार्य डॉ. राव सज्जन सिंह ने कहा कि उदारीकरण के कारण पश्चिमी संस्कृति का प्रादुर्भाव बढ़ा है। सेमिनार में डॉ. अशोक मीणा ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी। शिव शर्मा ने स्वागत भाषण एवं डॉक्टर रतीराम जाटव ने कार्यक्रम का संचालन किया।

नगर विकास न्यास ने अवैध निर्माणों पर कार्यवाही की

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष नगर विकास न्यास डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में अलवर-जयपुर रोड के समीप भूगोर बाईपास पर कार्यवाही करते हुए मंदिर माफी की जमीन से अवैध निर्माण एवं मलबा हटाया गया।

नगर विकास न्यास सचिव ने बताया कि भूगोर बाईपास स्थित भगवान राधागोपाल मंदिर के नाम जमीन के खसरा नम्बर 1076, 1086 एवं 1089 पर न्यास के द्वारा पूर्व में ध्वस्त किये गये 150 से अधिक बाउन्ड्री वाल के मलबा को हटाने की कार्यवाही न्यास एवं राजस्व शाखा तथा पुलिस जाप्ता के साथ कार्यवाही की गई। मौके पर 4 से अधिक जेसीबी एवं 15 से अधिक

■ मंदिर माफी की भूमि से अवैध निर्माण व मलबा हटाया

ट्रेक्टर लगाकर मलबा हटाया गया तथा कृषि भूमि की स्थिति तक लाकर समतलीकरण कराया गया।

कार्यवाही के दौरान भूमि अवाप्ति अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी सोहन सिंह नरूका, अधिशाषी अधिकारी कुमार संभव अवस्थी, सदर थानाधिकारी दिनेश चंद मीणा, सहायक अभियंता चांदनी सिंह, अतिक्रमण निरोधक अधिकारी दिनेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता प्रवीण कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हाई-टेंशन लाइन गिरने से किसान की मौत

खैरथल, (निसं)। निकटवर्ती मुंडावर उपखंड के ग्राम कुशाल बास में बीती रात को खेत पर फसल की सिंचाई कर रहे किसान के ऊपर 11000 केवी की हाई-टेंशन लाइन गिरने से दर्दनाक मौत हो गई।

मृतक किसान के परिजनों ने बताया कि रणजीत सिंह (30) पुत्र संतोख सिंह रात्रि को नौ बजे के करीब खेत पर सिंचाई कर रहा था। इस दौरान ऊपर से गुजर रही 11000 केवी की हाई-टेंशन लाइन का तार ट्रांसफार्मर के पास गिरा हुआ था जो अंधेरे के कारण दिखाई नहीं देने से उसकी चपेट में आ गया, जिससे करंट लग गया। जिसपर परिजन उसे तुरंत तातारपुर सरकारी हॉस्पिटल में ले गये जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इस घटना से पूरा गांव सदमे में है। जबकि पूरा परिवार शोक में डूबा हुआ है मां और बीवी बच्चों का हृदयविदारक विलाप देख कर ग्रामवासियों की आंखें भी नम हो गई।

निर्माणाधीन सड़कों का कार्य समय पर पूरा करें : कलेक्टर

टोंक, (निसं)। जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने बुधवार को कलेक्टर कक्ष में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को टोंक शहर में निर्माणाधीन सड़कों का कार्य समयबद्ध सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

साथ ही, आरयूआईडीपी के अधीक्षण अभियंता नेमीचंद पंवार को सीवरेज एवं जल वितरण लाइन के कारण खोदी गई सड़क का भराव गुणवत्तापूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करें, जो कार्य अधूरे है, उन्हें शीघ्र पूरा कराया जाए, ताकि शहरवासियों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े।

जिला कलेक्टर ने उपखंड अधिकारी टोंक गिरधर एवं तहसीलदार रामधन गुर्जर को सड़क निर्माण एवं इंटरलॉकिंग कार्य में आने वाले अतिक्रमणों को स्थाई रूप से हटाने के निर्देश दिए, इसके लिए मय पुलिस बल मौके पर जाए।

जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल (बाएं) ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए।

उन्होंने गांधी खेल मैदान के पास गुजर रही डिपो की ओर जाने वाली सडक एवं धन्ना तलाई रोड पर पाईप लाइन लीकेज को शीघ्र दुरस्त करने के लिए पीएचईडी के अधीक्षण अभियंता राजेश गोयल को निर्देशित किया।

इस दौरान नगर परिषद आयुक्त अनीता खींचड, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता दीन मोहम्मद, आयूआईडीपी के अधिशाषी अभियंता हरि सिंह मीणा भी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने श्याम दर्शन किए

खाटूश्यामजी, (निसं)। जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक करण शर्मा सीकर कार्यभार ग्रहण करने के बाद खाटूश्यामजी पहुंचे। पुलिस अधीक्षक मंडा ग्राम, हनुमानपुरा मोड, सरकारी पार्किंग का निरीक्षण करने के बाद थाना परिसर पहुंचे जहां पुलिस थाने के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

बाबा श्याम के वार्षिक लक्खी मेले को लेकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर एएसपी रतनलाल भार्गव, रींगस डीवाईएसपी विजय सिंह, थानाधिकारी सुभाष चंद्र यादव ने तमाम व्यवस्थाओं की पुलिस अधीक्षक को जानकारी दी। निरीक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक बाबा श्याम के दरबार पहुंचे जहां बाबा श्याम की चौखट पर शीश नवाकर जिले में सुख शांति और अमन चैन की कामना की। इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के संरक्षक प्रताप सिंह चौहान ने श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर व श्याम प्रतिक चिन्ह देकर उनका स्वागत व सम्मान किया। पत्रकार वार्ता में कहा कि जिले में बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अपराधियों में भय, आमजन में विश्वास पर काम करेगी।

सार-समाचार

आशु भाषण, सलाद सज्जा प्रतियोगिता

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ एवं युवा विकास केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में आशु भाषण, सलाद सज्जा एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ.उर्मिला महलावत ने प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि आशु भाषण में प्रमिला प्रथम, सरिता गुर्जर द्वितीय, सपना यादव तृतीय स्थान पर रहीं। सलाद सज्जा प्रतियोगिता में ईशा बंसल प्रथम, सरिता गुर्जर द्वितीय व रिया गोयल तृतीय स्थान पर रही। पोस्टर प्रतियोगिता में स्वाति शर्मा प्रथम, प्रिया गोयल द्वितीय व सोनम तृतीय स्थान पर रही। निर्णायक मण्डल में डॉ.मधु नागर, डॉ.पदमा मीणा, डॉ.अनुपमा सक्सेना, डॉ.ज्योति पाठक, डॉ.सुमन पूनिया ने बताया कि सभी प्रविष्टियां उच्च स्तर की थी। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ.शोभा जौहरी ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अतिउत्साह से भाग लिया।

बिजली कटौती का विरोध, ज्ञापन सौंपा

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा के सब स्टेशन गुजेडा के गांवों में बिजली की भारी कटौती के विरोध में पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल के नेतृत्व में प्रदर्शन करते हुए विरोध जताया तथा सहायक अभियंता कपिल शर्मा को चेतावनी ज्ञापन सौंप प्रागपुरा कस्बे सहित क्षेत्र में 24 घंटे बिजली देने की मांग की। वहीं चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो आने वाले समय में जन आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर अंजनी कुमार शर्मा, इंद्राज जांगिड, संतोष खंडेलवाल, राजेंद्र पारीक वार्ड पार्षद, पप्पू स्वामी, राजेंद्र भागोती, महावीर चावला, रामस्वरूप चावला, राधेश्याम भाया, भाजपा नेता प्रमोद शर्मा, शंकर पंडित, भामाशाह बजरंग चौधरी, सत्यवीर स्वामी, छाजूराम धानका, श्याम सुंदर शर्मा, जीतू सिंह, नीरज शर्मा, बंसी महेरा, सहित सैकडों ग्रामीण उपस्थित रहे।

पानी, किसानी, जवानी यात्रा का स्वागत

कोटपूतली, (निसं)। आजादी के 75 वे अमृत महोत्सव के उपलक्ष में आपकी आवाज फाउंडेशन एवं प्रकृति फाउंडेशन की संयुक्त संयोजन में विगत 156 दिनों से चल रही पानी किसानी जवानी संवेदना यात्रा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कूजोता पहुंची। सभी शिक्षकों विद्यार्थियों ग्रामीणों ने मिलकर टीम यात्रा का अभिनंदन करते हुए यात्रा के विवरण को जाना व समझा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किशन लाल यादव गुरुजी ने कहा कि आजादी के इस अमृत काल में जीवन के जहर व प्रदूषण को खत्म करना होगा। आज हम खाने-पीने सब्जियों आदि में मिलावट तथा जहर खा रहे हैं । कार्यक्रम अध्यक्ष रामेश्वर बाजिया रिटायर्ड सीआई ने नारे लगवा कर, रैली निकलवा कर यात्रा के संदेश जल बचाओ ,पेड लगाओ, जहर की खेती बंद करो ,नशाखोरी बंद करो को समझाया।

सम्मेलन के लिए छात्र-छात्रा रवाना

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के डाबला रोड स्थित राजपूताना पी.जी. कॉलेज में संस्था प्राचार्य डॉ. एच.एन. धोलीवाल ने बुधवार को एमएससी के छात्र-छात्राओं की बस को हरी झण्डी दिखाकर जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना किया। प्राचार्य धोलीवाल ने बताया कि जयपुर के सेंट विल्फ्रेड गर्ल्स कॉलेज में जैव विविधता में मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए वनस्पति विज्ञान के सहायक प्रोफेसर संतोष सैनी,पूजा गुर्जर व विजय सिंह के नेतृत्व में 43 छात्र-छात्राओं के दल को भेजा गया है। दल के विद्यार्थी सम्मेलन में पत्रवाचन कर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करेंगे। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर आरपी धोलीवाल, रामपाल यादव, भारत सैनी व छात्र-छात्राओं का दल मौजूद था।

श्याम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा 18 से

बोराज, (निसं)। कस्बे में नवनिर्मित श्रीश्याम मंदिर में 18 फरवरी से 22 फरवरी तक पंच दिवसीय श्याम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन होगा। जिसमें विभिन्न धार्मिक पीठों के संत महंत शामिल होकर अपने प्रवचनों से लोगों को धर्म लाभ प्रदान करेंगे। श्याम मंदिर आचार्य कृष्ण अवतार शर्मा ने बताया कि पंच दिवसीय महोत्सव में 7 कुंडीय महायज्ञ में मंत्रोच्चारण के साथ करोड़ों आहुतियां दी जाएगी। मंडल अध्यक्ष शंकर सिंह शेखावत, संरक्षक भागचन्द अग्रवाल, हीरालाल जाखड़, शिशुपाल प्रजापत व राधेश्याम ने बताया कि इस अवसर पर 18 फरवरी को विशाल कलश यात्रा व मूर्तियों की शोभायात्रा के लिए नगर में जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए जा रहे हैं वही मुख्य रास्तों पर सैकडों ध्वज लगाये जाकर कस्बे व मंदिर को विशेष तरीके से सजाया जा रहा है।

भंडारे के साथ भागवत कथा सम्पन्न

पावटा, (निसं)। पावटा उपखंड क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम पंचायत भोनावास की ढाणी मान्यावाली स्थित शिव मंदिर में भागवत कथा और ज्ञान यज्ञ महोत्सव का भंडारे के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम आयोजकों ने बताया कि पिछले 7 दिनों से भागवत कथा के चलते गांव में धार्मिक माहौल बना हुआ था। समापन पर हवन यज्ञ और आरती के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने पंगत में बैठकर प्रसादी पाई।

शिवराज का गौ सेवकों ने स्वागत किया

पावटा, (निसं)। गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने व गौ हत्या बंद कराने के उद्देश्य से रामेश्वरम निवासी शिवराज सिंह शेखावत 11 दिसंबर 2021 से पदयात्रा पर हैं। पदयात्रा के 424वें दिन पावटा कस्बा पहुंचे। जहां गोपाल भैया मंदिर महंत मोहन दास महाराज के सानिध्य में गौ सेवकों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। उनकी पदयात्रा 30 माह में पूर्ण होगी। उक्त यात्रा में विशेष बात यह है की शिवराज सिंह शेखावत अकेले ही बिना किसी सहयोगी व साधन के पदयात्रा कर रहे हैं।

दयानंद प्रदेश मुख्य संरक्षक नियुक्त

सुरेर/अलवर, (निसं)। परशुराम सेना के राजस्थान प्रभारी विनोद शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष पंडित मीत गौतम द्वारा दयानंद उपाध्याय (टहला राजगढ़ अलवर वाले) भारतीय रिजर्व बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग बॉल के पितामह के नाम से विख्यात खिलाड़ी रहे उपाध्याय को परशुराम सेना प्रदेश का मुख्य संरक्षक नियुक्त किया है।

पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि दी

लालसोट, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के मंडावरी कस्बे सहित विभिन्न जगहों पर मंगलवार को देर शाम युवाओं द्वारा कैंडल मार्च निकाला गया। युवाओं की टीम द्वारा एक साथ कैंडल मार्च निकाल कल पुलवामा हमले में शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाजपा नेता कमल मीणा ने बताया कि पुलवामा हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ देश में इस तरह कायराना तरीके से दिए गए आतंकी हमले की भी निंदा की गई। वहीं युवाओं द्वारा पुलवामा हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मंडावरी कस्बे के विभिन्न प्रमुख मार्गों से कैंडल मार्च निकाला गया एवं शहीदों की शहादत को सलाम किया गया।

बजट की ब्रांडिंग थी, ''ऐसा बजट पहले कभी नहीं आया''

पर बजट के विरोध में युवा सड़कों पर संघर्षरत और कर्मचारी आंदोलन की तैयारी में हैं

जयपुर, 15 फरवरी (का.प्र.)। राजस्थान के बजट को लेकर इस बार प्री ब्रांडिंग का काम चला और मीडिया से लेकर सड़कों तक बजट का प्रचार किया गया तथा कहा गया कि इस बार ऐसा बजट होगा, जैसा पहले कभी नहीं हुआ। पर हुआ इसके विपरीत, जिस तरह से बजट के बाद युवाओं से लेकर कर्मचारी संगठनों तक ने मोर्चा खोला है,उससे लग रहा है कि या तो ब्रांडिंग में कुछ ज्यादा बता दिया गया है या फिर बजट में ही कमी रह गई है। ऐसे में कांग्रेस जिस बजट पर आस लगाकर विधानसभा चुनाव में फिर से जीत की बात कर रही है, वह दांव उल्टा पड़ता दिख रहा है।

दरअसल बजट में आधारभूत ढांचे को लेकर बड़ी घोषणाएं की गईं है, जिनमें सड़क, बिजली, पानी ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें अब जनता कोई तवज्जो नहीं देती, क्योंकि हर सरकार सड़क, बिजली और पानी को लेकर काम करती ही है।

जनता को तो तत्कालीन परिस्थितियों में क्या चाहिए, इस बात को ज्यादा तवज्जो देती है। ऐसे में भले ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बहुत बड़ी घोषणाएं कर दी हो, लेकिन यह भी तय है कि इतनी बड़ी घोषणाओं का 6 महीने में धरातल पर आना नामुमकिन है, क्योंकि बजट पेश किए जाने के बाद सबसे जरूरी बात यह होती है कि वित्तीय संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे और जिस तरह की घोषणा की गई है, उनके लिए बजट जुटाया जाना कोई आसान काम नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा था कि इस बार बजट युवाओं को समर्पित होगा, लेकिन सड़कों पर उतरे युवाओं का कहना है कि मुख्यमंत्री ने उन्हें छला है और बजट घोषणा में कहीं भी भर्तियों का मामला सामने नहीं आया है। इतना ही नहीं पहले से जो भर्तियां हुई हैं और लोगों की पोस्टिंग नहीं हो पा रही है, उसे लेकर पहले से ही गुस्सा है। वहीं राजस्थान में 4 साल में 16 से 17 पेपर लीक की घटनाएं भी सरकार और युवाओं के बीच में बड़ी खाई पैदा कर चुकी है। इसलिए जिस बजट को युवाओं का बजट बताकर सरकार ब्रांडिंग कर रही थी, वह ब्रांडिंग खरी उतरती नहीं दिख रही है।

राज्य सरकार के मंत्री से लेकर खुद मुख्यमंत्री तक बार यह कहते रहे हैं कि उन्हें 2003 में कर्मचारियों ने चुनाव हराया था और हम उनकी बात नहीं समझ सके थे, लेकिन इस बार कहीं भी एंटी इनकंबेंसी नजर नहीं आ रही है। दूसरी ओर बजट सामने आने के बाद कर्मचारी संगठनों के धरने - प्रदर्शन और चेतावनी के ज्ञापन बता रहे हैं कि कर्मचारी इस बार भी सरकार से नाखुश हैं। राज्य के सबसे बड़े कर्मचारी संगठन ने तो राज्य स्तरीय आंदोलन की चेतावनी भी दे दी है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 1 दिन पहले ही बारां दौरे के दौरान कहा था कि भाजपा सरकार हमारी योजनाओं को रोक देती है और यह परंपरा ठीक नहीं है। इस बात पर खुद मुख्यमंत्री पर ही सवाल उठ रहे हैं कि क्या कांग्रेस की सरकार ने पिछली भाजपा सरकार की योजनाओं पर ब्रेक नहीं लगाया।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण जयपुर में द्रव्यवती नदी का दिया जा रहा है। पिछली भाजपा सरकार के समय जयपुर के मध्य से गुजर रही द्रव्यवती नदी के सौंदर्यीकरण के लिए काम शुरू हुआ था, लेकिन जैसे ही कांग्रेस सरकार आई, इसका पूरा काम बंद कर दिया गया और आज हजारों करोड रुपए का यह प्रोजेक्ट गंदे नाले में तब्दील होता नजर आ रहा है। इतना ही नहीं खुद कांग्रेस सरकार की जयपुर के लिए बनी बड़ी योजना मैट्रो प्रोजैक्ट को सरकार आगे बढ़ाने में विफल साबित हो रही है। अब तक मेट्रो के पहले 2 फेज ही बन पाए हैं। कहा जा रहा है कि जो सरकार अपनी योजना को ही धरातल पर नहीं ला पा रही है,वह भाजपा सरकार की योजनाओं को कैसे आगे बढ़ा सकती है।

अब बजट पेश किए जाने के बाद में भी इसकी खूब मार्केटिंग हो रही है और होर्डिंग - पोस्टर और मीडिया में विज्ञापन में यह सब देखा जा सकता है। इस मार्केटिंग के उलट लोकसभा में राहुल गांधी हिडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर गौतम अडानी और उनकी कंपनियों पर सवाल उठा रहे हैं, तो यहां भाजपा को बैठे-बिठाए मुद्दा मिल गया है कि आखिरकार क्या कारण रहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गौतम अडानी को यहां बुलाकर हजारों बीघा जमीन आवंटित कर दी। राज्य विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष से लेकर भाजपा के कई विधायकों ने मुख्यमंत्री से सवाल किया है कि वह राहुल गांधी के साथ हैं या अडानी के साथ। ऐसे में जिस मुद्दे पर पूरे देश में कांग्रेस अडानी के खिलाफ खड़ी है, वही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का अडानी को जमीन दिया जाना कांग्रेस को बैकफुट पर धकेल रहा है। ऐसे में अब जब मार्च के दूसरे सप्ताह में विधानसभा का सत्र समाप्त होगा। उसके बाद में राज्य में पूरी तरह से राजनीतिक दल चुनावी मुद्रा में आ चुके होंगे। इस स्थिति में जहां मुद्दों को लेकर कांग्रेस घिरती नजर आ रही है, वही राजस्थान कांग्रेस का आंतरिक संघर्ष पार्टी के लिए चुनावी वर्ष में नुकसान का सौदा होता दिख रहा है।

- **बिजली, पानी, सड़क आदि की इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी बड़ी घोषणाओं से जनता अप्रभावित लगती है। इन घोषित बड़े प्रोजैक्ट की शुरूआत 6 महीने में होना नामुमकिन ।**
- **इसके बावजूद बजट की प्री ब्रांडिंग के बाद अब पोस्ट ब्रांडिंग पर सरकार का पूरा फोकस है।**
- **मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकारों पर प्रोजैक्ट रोकने का आरोप लगाया तो भाजपा ने द्रव्यवती सौंदर्यीकरण योजना को ठंडे बस्ते में डालने का आरोप लगाया।**
- **मैट्रो प्रोजैक्ट को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। यह तो कांग्रेस सरकार की अपनी योजना थी, पर सरकार उदासीन दिख रही है।**

चीन सीमा पर सात और नई बटालियन तैनात होगी

नई दिल्ली, 15 फरवरी। प्रधानमंत्री मोदी ने चीन को चित्त कर देने के लिए 3 बड़े फैसले लिए हैं। पहले फैसले के तौर पर चीन सीमा पर चप्पे-चप्पे पर सैनिकों की तैनाती के लिए भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) के 7 नए बटालियन के गठन का ऐलान किया है। देश में पहली बार 24 अक्टूबर 1962 को आई.टी.बी.पी. का गठन किया गया था। आरंभ में इसकी सिर्फ 4 बटालियन थी। मौजूदा वक्त में इसकी 45 पलटनें और 4 विशेष पलटनें हैं। अब 7 नई बटालियान का गठन होने से एल.ए.सी. के हर एक प्वाइंट पर सैनिकों की तैनाती हो सकेगी। इससे अतिसंवेदनशील इलाकों में सेना की गश्त बढ़ जाएगी। साथ ही चीन पर 24 घंटे बारीकी से नजर रखना और गुस्ताखी करने पर उन्हें तत्काल मुंहतोड़ जवाब देना काफी आसान हो जाएगा।

मंत्रालयिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के मंत्रालयिक कर्मचारियों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्य का बहिष्कार कर कलेक्ट्रैट आए, जहाँ सभा का आयोजन हुआ। उसके पश्चात सैकडों मंत्रालयिक कर्मचारियों ने प्रदेशाध्यक्ष राजसिंह चौधरी के नेतृत्व में बजट घोषणा की प्रतियाँ जलाई एवं सभा स्थल से जिला कलेक्टर कार्यालय के गेट पर पहुँच कर नारेबाजी करते हुए प्रशासन के बुलावे पर महासंघ के 21 प्रतिनिधि मंडल ने जयपुर जिला अध्यक्ष मुकेश मुदगल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदेशाध्यक्ष राजसिंह चौधरी ने कहा कि यदि सरकार द्वारा अभी भी मंत्रालयिक कर्मचारियों की मांगो पर आगामी समय में निर्णय नहीं किया, तो आंदोलन को तेज करते हुए जयपुर में 9 मार्च से महापड़ाव डाल दिया जायेगा।

मासलपुर वन क्षेत्र में मिला टाइगर का शव

करौली, 15 फरवरी (नि.स.)। मासलपुर वन क्षेत्र में ठेकड़ा गौशाला के पास टाइगर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। टाइगर का शव मिलने की सूचना पर वन विभाग के अधिकारी और पुलिस दल घटनास्थल पर पहुँचे।

वन विभाग की टीम ने क्षेत्र का मौका मुआयना कर घटनाक्रम की जानकारी ली। बाद में मृत टाइगर के शव को करौली लाया गया। मैडीकल बोर्ड से कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के बाद उसका उच्च अधिकारियों के उपस्थिति में अंतिम संस्कार किया। पोस्टमार्टम के बाद ही टाइगर की मौत के वास्तविक कारणों का पता लग सकेगा।

भू संरक्षण उप वन संरक्षक सुरेश मिश्रा ने बताया कि, मासलपुर वन क्षेत्र में ठेकड़ा गौशाला के पास जंगल में एक टाइगर का शव मिलने की सूचना मिली थी। सूचना पर मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। प्रथम दृष्टया टाइगर का शव 4 से 5 दिन पुराना लग रहा है। टाइगर के पग मार्क और धारियों के सैम्पल विशेषज्ञ टीम के पास भेजे गए हैं। जिसके आधार पर टाइगर की पहचान की जाएगी। टाइगर का करौली में पोस्टमार्टम कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बुधवार प्रातः उस इलाके से कुछ महिलाएं निकली तो उन्हें वन्यजीव मृत दिखाई पड़ा। इसके बाद सूचना पर वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी मौके पर पहुंचे। इधर जिला कलैक्टर अंकित कुमार सिंह ने एक आदेश जारी करते हुए टाइगर के पोस्टमार्टम व अंतिम संस्कार के समय उपस्थित होने के लिए करौली उपखण्ड अधिकारी दीपांशु सागवान को अधीकृत किया है।

- **वन विभाग करौली के मासलपुर वन क्षेत्र ठेकड़ा गौशाला के पास टाइगर का शव मिलने की सूचना मिली थी, शव को करौली लाया गया है।**
- **उप वन संरक्षक ने बताया कि शव 4-5 दिन पुराना लग रहा है। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारणों का पता लगाया जा सकेगा।**

करौली के मासलपुर के जंगलों से टाइगर का 4-5 दिन पुराना शव बरामद हुआ है।

लूणकरनसर के मलकीसर बड़ा गांव में हिरण का शिकार

बीकानेर, 15 फरवरी (कासं)। जिले के लूणकरनसर स्थित मलकीसर बड़ा गांव के सूनसान खेत में हिरण का शिकार कर उसके मांस को बाजार में बेचने की कोशिश की गई। घटना की जानकारी मिलते ही कुछ युवकों ने मौके पर पहुंचकर एक युवक को पकड़ लिया। उन्होंने हिरण का बचा कुचा शव भी मौके से बरामद किया।

मलकीसर बड़ा में देर रात हुई इस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय युवकों की टाइगर फोर्स के प्रदेश अध्यक्ष महिपाल सिंह राठौड़ अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने हिरण के शिकारी को पकड़ा व वन विभाग टीम को सूचना दी। वन विभाग की टीम ने युवक तथा हिरण के शव को कब्जे में ले लिया। महिपाल सिंह राठौड़ के अलावा राजू कायल, रविन्द्र बिश्नोई, चंद्र पाल बिश्नोई, वन विभाग टीम के लेखराम गोदारा, वीरेंद्र बेनीवाल, विजयपाल, सुशीला कुमारी ने इस कार्यवाही में सहयोग दिया।

पता चला है कि, शिकार रोकने और शिकारियों को गिरफ्तार करने की जिम्मेदारी जिस वन विभाग के पास है, उसकी गाड़ी शिकारियों का पीछा करते हुए रास्ते में खराब हो गई। बाद में टाइगर फोर्स टीम की गाड़ी से शिकारियों का पीछा कर एक शिकारी को पकड़ा गया। अभी ये स्पष्ट नहीं है कि शिकार इसी एक युवक ने किया था या फिर कुछ और शिकारी भी इसमें शामिल थे।

बताया जाता है कि शादियों के सीजन में हिरण के शिकार की घटनाएं अधिक होती हैं। इस काम में एक जाति विशेष के लोगों पर प्रायः शिकार का शक किया जाता है।

- **इस संबंध में एक युवक को पकड़ा गया और हिरण का शव भी बरामद किया गया।**

लॉरेंस विश्नोई को पंजाब से जयपुर लाया गया

जयपुर, 15 फरवरी (कासं)। राजधानी के जवाहर सर्किल इलाके में जी क्लब पर फायरिंग व रंगदारी मांगने के मामले में जयपुर पुलिस ने बुधवार को एक बार फिर से लॉरेंस बिश्नोई को प्रोडक्शन वारंट पर पंजाब से गिरफ्तार किया है। देर शाम को पुलिस उसे कड़ी सुरक्षा के बीच बख्तरबंद गाड़ी से लेकर जयपुर पहुंची।

जवाहर सर्किल थानाधिकारी सुरेन्द्र कुमार सैनी ने बताया कि, लॉरेंस बिश्नोई को गिरफ्तार करने के लिए बुधवार सुबह जयपुर कमिश्नरेट पुलिस पंजाब पहुंची थी। प्रोडक्शन वारंट लेकर पंजाब जेल से उसे गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उसे चंडीगढ़ से बख्तरबंद गाड़ी में सात कमाण्डो के साथ बिठाया गया। बख्तरबंद गाड़ी के आगे-पीछे पुलिस जवानों की चार गाड़ियां भी पंजाब से जयपुर आईं। शाम करीब साढ़े सात बजे पुलिस लॉरेंस बिश्नोई को लेकर जयपुर पहुंची, जहां उसे जवाहर सर्किल थाने में रखा गया।

अडानी के खिलाफ तीसरी याचिका की सुनवाई शुक्रवार को

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। सर्वोच्च न्यायालय बुधवार को इस बात के लिये तैयार हो गया कि वह मध्य प्रदेश के एक कांग्रेस नेता द्वारा दायर की गई याचिका का परीक्षण शुक्रवार को करेगा। इस याचिका में माँग की गई है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट को मद्देनज़र रखते हुये अडानी ग्रुप ऑफ कंपनीज़ की जाँच की जाये। याचिका में कहा गया है कि इसके साथ ही, ग्रुप के एफ.पी.ओ. में कथित रूप से ''जनता के पैसे की बहुत बड़ी राशि'' के निवेश के मामले में एल.आई.सी. तथा एस.बी.आई. की भूमिका की भी जाँच की जाये।

कांग्रेस नेता जया ठाकुर की ओर से प्रस्तुत वकील ने मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा भी शामिल थे, के समक्ष इस याचिका की अति शीघ्र सुनवाई की माँग की। शुरु में, बैंच ने कहा था कि वह इस प्रकरण को 24 फरवरी को लेगी लेकिन जब वकील ने कहा कि इसी प्रकरण से संबंधित दो अन्य पी.आई.एल. शुक्रवार के लिये सूचीबद्ध हैं तो बैंच ने इस प्रकरण को भी उसी दिन लेने का निर्णय ले लिया।

ठाकुर द्वारा दायर की गई इस याचिका में कहा गया है कि शीर्ष अदालत अडानी ग्रुप ऑफ कंपनीज, खासतौर से इसके चेयरमैन तथा उनके सहयोगियों की जाँच के निर्देश दे, जिन्होंने जनता के तथा सरकारी कोष के लाखों-करोड़ रू. ऐंठ लिये हैं। याचिका में कहा गया है कि यह जाँच सर्वोच्च न्यायालय के किसी सेवारत जज की देखरेख तथा मॉनिटरिंग में विभिनन जाँच एजेंसियों, जैसे सी.बी.आई., ई.डी., डी.आर.आई, सी.बी.डी.टी., ई.आई.बी., एन.बी.बी., एस.ई.बी.आई., आर.बी.आई. तथा एस.एफ.आई.ओ. से कराई जाये।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट से संबंधित एडवोकेट विशाल तिवारी तथा एम.एल. शर्मा द्वारा दायर पी.आई.एल. अदालत के पास पहले से मौजूद हैं। जया ठाकुर की याचिका की सुनवाई भी इन्हीं दो पी.आई.एल. के साथ की जायेगी।

- **सुप्रीम कोर्ट ने अडानी समूह की कम्पनियों के खिलाफ मध्य प्रदेश की कांग्रेस नेता जया ठाकुर द्वारा दायर याचिका को स्वीकार कर लिया।**

अब आसाम व महाराष्ट्र में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा एन.सी.पी. के नेता शामिल है, में इस बात को लेकर नाराजगी है तथा वे एकनाथ शिंदे सरकार पर आरोप लगाते हुये कह रहे हैं कि एकनाथ शिंदे सरकार ने, सत्ता में बने रहने के लिये, भाजपा के साथ गुप्त समझौता कर लिया हैं एन.सी.पी. नेता सुप्रिया सुले ने एक व्यंग्यात्मक ट्वीट में कहा, ''क्या भाजपा नेतृत्व महाराष्ट्र के लिये कुछ भी नहीं छोड़ने का निर्णय ले चुका है? इससे पहले, वे महाराष्ट्र के बिजनेस और रोज़गार को ले गये थे। अब वे हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को ले जा रहे हैं। बड़ी-बड़ी निवेश परियोजनाओं को गुजरात तथा अन्य राज्यों में ले जाने को लेकर विपक्ष एकनाथ शिंदे सरकार की कड़ी आलोचना करता आ रहा है। वेदांता फॉक्सकॉन प्रोजैक्ट जो योजनानुसार, मूल रूप से महाराष्ट्र में आना था, को गत वर्ष गुजरात ले जाया गया तथा यही हश्र टाटा एयरबस प्रोजैक्ट का हुआ था। कुछ सप्ताह बाद, घोषणा की गई कि कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट इंजन के फ्रांसीसी निर्माता, सफ्रान ने इस प्रोजैक्ट को नागपुर से हैदराबाद ले जाने का निर्णय ले लिया है। महाराष्ट्र के कांग्रेस नेता सचिन सावंत इसको लेकर बहुत नाराज हैं। उन्होंने कहा, ''उद्योगों को छोड़िये। भाजपा भगवान शिव को भी महाराष्ट्र से छीन लेना चाहती है। हम असम सरकार के इस अनर्गल दावे की कड़ी भर्त्सना करते हैं कि छठा ज्योतिर्लिंग उस राज्य में स्थित है। हम मांग करते हैं कि शिंदे-फड़नवीस सरकार अपना रुख स्पष्ट करे तथा असम की भाजपा सरकार की इस अति उत्साहपूर्ण कार्यवाही की तथा इसकी साफ तौर पर निन्दा करे क्योंकि इससे महाराष्ट्र के 12 करोड़ लोगों की भावनाएं तथा सभी भारतवासियों की आस्था आहत हुई है। महाराष्ट्र के प्रति भाजपा का वैमनस्य एक बार फिर दिखाई दिया है।'' शिव सेना यू.बी.टी. नेता आदित्य ठाकरे ने असम सरकार के इस दावे को स्तब्धकारी बताया है। उन्होंने मांग की है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री इस संबंध में एक बयान जारी करें। जहां भाजपा तथा शिंदे गुट के नेता अधिकांशतः इस मामले में चुप्पी साधे रह रहे हैं, वहीं भाजपा विधायक राम कदम ने डैमेज़ कंट्रोल की कोशिश करते हुये कहा है कि विपक्षी नेता एक अनावश्यक विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह सामान्य ज्ञान की बात है कि भीमा शंकर महाराष्ट्र में स्थित है।

'नारे लगाकर और कार्यवाही में बाधा डालकर कोई भी श्रेष्ठ विधायक नहीं बन सकता'

लोकसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश बिड़ला ने गांधीनगर में गुजरात विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा

गांधीनगर, 15 फरवरी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने आज गांधीनगर में गुजरात विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

गुजरात के मुख्य मंत्री, भूपेंद्र रजनीकांत पटेल; गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष, श्री शंकर चौधरी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में मौजूद थे।

इस अवसर पर बिड़ला ने कहा कि गुजरात की 15वीं विधान सभा युवाशक्ति और अनुभव का अनूठा मेल है। अध्यक्ष महोदय ने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि विधान सभा में 82 नवनिर्वाचित सदस्य हैं और 15 महिलाएं निर्वाचित हुई हैं, जिनमें से 8 पहली बार सदस्य बनी हैं।

निर्वाचित प्रतिनिधियों की भूमिका का उल्लेख करते हुए, बिड़ला ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते उन पर मतदाताओं की समस्याओं के समाधान की बड़ी जिम्मेदारी है। इसलिए विधानमंडलों में चर्चा और संवाद होना चाहिए और चर्चा का स्तर उच्चतम स्तर का होना चाहिए। बिड़ला ने कहा कि राज्य विधान सभाओं में चर्चा और संवाद का स्तर जितना ऊंचा होगा, कानून उतने ही बेहतर बनेंगे।

पीठासीन अधिकारियों की भूमिका का उल्लेख करते हुए बिड़ला ने कहा कि पीठासीन अधिकारी का यह दायित्व है कि वह सदन की गरिमा बढ़ाने की दिशा में कार्य करें। सदनों में चर्चा के स्तर में गिरावट और सदन की गरिमा में गिरावट हमारे लिए चिंता का विषय है। एक उत्कृष्ट विधायक वही होता है जो उत्कृष्ट गुणवत्तापूर्ण चर्चा और संवाद में भाग लेता है और सदन की प्रतिष्ठा को बढ़ाता है। सदस्यों को तथ्यों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए क्योंकि निराधार आरोपों पर आधारित तर्क लोकतंत्र को कमजोर करते हैं।

लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, बिड़ला ने कहा कि विपक्ष की भूमिका सकारात्मक, रचनात्मक और शासन में जवाबदेही सुनिश्चित करने वाली चाहिए। लेकिन जिस तरह सुनियोजित तरीके से सदनों की कार्यवाही में बाधा डालकर सदनों का कार्य स्थगित करने की परंपरा डाली जा रही है, वह लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। सदन में चर्चा, वाद-विवाद, असहमति हो, लेकिन सदन में गतिरोध कभी नहीं होना चाहिए।

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए गुजरात विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी ने कहा कि गुजरात की जनता द्वारा निर्वाचित जनप्रतिनिधि संसदीय कार्यप्रणाली, नियमों एवं सदन की कार्यवाही से परिचित हों और अपने कर्तव्यों का सुचारु रूप से पालन कर जनाकांक्षाओं पर खरे उतरे। इस उद्देश्य से इस विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

गुजरात विधानसभा के उपाध्यक्ष जेठाभाई भरवाड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का समापन 16 फरवरी, 2023 को गुजरात के राज्यपाल, आचार्य देवव्रत के भाषण के साथ होगा।

गुजरात विधानमंडल के सदस्यों के लिए इस प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा गुजरात विधान सभा सचिवालय के सहयोग से किया जा रहा है।

- **बिड़ला ने कहा, विपक्ष की भूमिका सकारात्मक, रचनात्मक और शासन में जवाबदेही सुनिश्चित करने वाली होनी चाहिए।**
- **बिड़ला ने यह भी कहा कि, सदस्यों को अपनी बात तथ्यों के साथ रखनी चाहिए। निराधार आरोपों पर आधारित तर्क लोकतंत्र को कमजोर करते हैं।**
- **इस कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष सहित सभी विधायक मौजूद थे।**

बी.बी.सी....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को लेकर दो हिस्सों में बनाई गई एक डाक्युमैंट्री प्रसारित की थी। यह अलग बात है कि सत्तारूढ़ दल तथा आई.टी. विभाग के अधिकारियों ने अपने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया है कि इन अनुमानों और निष्कर्षों को दूर करने के पूरे-पूरे प्रयास किये जा रहे हैं कि यह बदले की कार्यवाही है, कहा जा रहा है कि प्रतिष्ठान को नोटिस भेज दिये गये थे लेकिन बी.बी.सी. ने उनकी अनुपालना नहीं की थी। इस बीच, बी.बी.सी. (ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन) ने अपने कर्मचारियों को भेजे गये एक ई-मेल में, प्रसारण विभाग के कर्मचारियों के अलावा, सब कर्मचारियों से कहा है कि अपने घर से ही काम करें। कर्मचारियों से कहा गया है, ''अगर कर्मचारियों से उनकी आय के बारे में पूछा जाता है तो वे चाहे तो उसका उत्तर न दे। उन्हें सिर्फ वेतन संबंधी प्रश्नों के उत्तर ही देने चाहिये।'' बी.बी.सी. ने अपने स्टाफ को सलाह दी है कि वे (आयकर) अधिकारियों के साथ सहयोग करें तथा पूरी समझदारी और विवेक के साथ प्रश्नों के उत्तर दें।''

सूत्रों ने बताया कि टैक्स अधिकारियों ने बी.बी.सी. के वरिष्ठ प्रबंधन से पूछताछ की तथा ''टैक्स'', ''बिल्स'', तथा ''ब्लैक मनी'' जैसे की-वर्ड्स का प्रयोग करते हुये स्टाफ कम्प्यूटरों की सर्च की।'' सूत्रों ने कहा कि कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के मोबाइल फोनों की ''क्लोनिंग'' कर ली गई हैं।

टैक्स अधिकारी टैक्स-लाभ, टैक्स-चोरी, प्रॉफिट का महत्वपूर्ण डायवर्जन के आरोपों तथा बी.बी.सी. द्वारा नियमों की अनुपालना नहीं किये जाने की जाँच कर रहे हैं। सूत्रों ने जोर देते हुये कहा, ''बी.बी.सी. को नोटिस पहले ही भेज दिये गये थे, लेकिन उसने उनकी ''अवहेलना की तथा अनुपालना नहीं की।'' सूचना-प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि यह सर्वे ''एकाएक लिया गया निर्णय नहीं है'' तथा यह उस प्रक्रिया का हिस्सा है, जो उस समय शुरु हुई, जब बी.बी.सी. ने टैक्स अधिकारियों द्वारा पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के ''उत्तर नहीं दिये।''

''फिच'' पाकिस्तान रेटिंग, सी.सी. सी.+ से सी.सी.सी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुनर्संरचना एक बढ़ती हुई वास्तविक आशंका है। अगस्त 2021 के अंत में स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भण्डार सर्वाधिक 20 बिलियन डॉलर था जो फरवरी 2023 में करीब 2.9 बिलियन डॉलर रह गया।

घटता विदेशी मुद्रा भण्डार, करंट अकाउन्ट डैफिसिट (सी.ए.डी.) और विदेशी ऋणों का बकाया भुगतान एक बड़ी मात्रा में दर्शाता है, लेकिन लगता है कि देश के केन्द्रीय बैंक द्वारा विदेशी विनिमय में पूर्व में किया गया हस्तक्षेप, खासतौर पर वित्तीय वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में जब एक्सचेंज रेट में एक अनौपचारिक सीमा तय की गई थी, वह अब तक लागू ही है।

फिच ने कहा कि राजस्व प्राप्तियों व ऊर्जा सब्सिडीज़ में कमी और नीतियों के बाजार द्वारा तय एक्सचेंज रेट के अनुरूप ना रहने के कारण आई.एम.एफ. कार्यक्रम को लेकर पाकिस्तान के 9वें रिव्यू पर काम अटक गया है। यह रिव्यू नवम्बर 2022 में हो जाना चाहिए था। हम समझ सकते हैं कि इस रिव्यू को पूर्ण किया जाना अतिरिक्त अग्रिम राजस्व उपायों और बिजली व ईंधन की कीमतों का नियमन करने पर निर्भर है। राजनीतिक मोर्चे पर भी चुनौतियां हैं। फिच का मानना है कि बेल-आउट पैकेज उपलब्ध करवाने के लिए आई.एम.एफ. की शर्तें भारी आर्थिक गिरावट, उच्च महंगाई दर और पिछले वर्ष बाढ़ से हुई तबाही के मद्देनजर सामाजिक और राजनीतिक रूप से कठिन साबित हो सकती है। पाकिस्तान में अक्टूबर 2023 में आम चुनाव हैं और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जिनकी पार्टी इन चुनावों में वर्तमान सरकार को चुनौती देगी, प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ का आमंत्रण पहले ही ठुकरा चुके हैं। शरीफ ने उनसे आई.एम.एफ. की बातचीत सहित राष्ट्रीय मुद्दों पर वार्ता करने का राष्ट्रीय मुद्दों पर वार्ता करने का आग्रह किया था। इसके अलावा फण्डिंग को लेकर हाल ही आया दबाव देश के परम्परागत मित्र देश चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की प्रकट अनिच्छा को लेकर भी है।

इन देशों ने आई.एम.एफ. के किसी पैकेज में पाकिस्तान को ताजा आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने से इंकार कर दिया है। यह सहायता भी अन्य देशों और द्विपक्षीय फण्डिंग के लिए महत्व रखती है। इस बीच, वैश्विक सामरिक विशेषज्ञों ने कहा है कि इस्लामी देशों में पाकिस्तान के मित्र भी अब यह मानने लगे हैं कि पहले उसे अपनी आंतरिक नीतियों को ही सही करने की जरूरत है और उसे चरमपंथी इस्लामी गुटों को अपने देश से कार्य संचालन की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

पाकिस्तान को उसके निकट माने जाने वाले मुस्लिम मित्र देशों ने तगड़ा झटका दिया है। इन दोनों देशों ने पाकिस्तान की सरकार को स्पष्ट रूप से कह दिया है कि वह कश्मीर को भूल जाए तथा भारत से मित्रता कर इस विवाद को खत्म करे।

विशेषज्ञ कुल मिलाकर इस बात पर भी सहमत थे कि पाकिस्तान के अंदरूनी तानाशाह हिल गए हैं और उन्हें यह नहीं सूझ रहा है कि उस राक्षस को कैसे नियंत्रित किया जाए जो उन्होंने आतंकवादी संगठन तहरीक ए तालिबान (टी.टी.पी.) के रूप में स्वयं ही खड़ा किया था। देश के उत्तर पश्चिमी शहर पेशावर में गत 30 जनवरी को हुई हुए आत्मघाती धमाके सहित हुए कई आतंकवादी हमले देश की आर्थिक परेशानियों को बढ़ाते रहे हैं। पेशावर के हमले में सौ से अधिक लोग मारे गए थे।

1.1 बिलियन डॉलर के फण्ड्स को जारी करने को लेकर पाकिस्तान सरकार की इन्टरनैशनल मॉनिटरी फण्डड (आई.एम.एफ.) के साथ हुई बातचीत के सकारात्मक परिणाम नहीं निकल हैं। इससे स्थिति के और बिगड़ने की आशंका बढ़ गई है।

अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रह चुके एवं हडसन इन्स्टीट्यूट के सीनियर फैलो हुसैन हक्कानी ने कहा कि पाकिस्तान में आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आतंकवाद ने ब्लॉक कर दिया है और चीन पर उसकी अवास्तविक निर्भरता के कारण उस पर विदेश ऋणों का भारी बोझ है। विशेषज्ञों ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की आर्थिक सहायता पर निर्भर रहने वाली प्रवृत्ति का भी उल्लेखकिया और कहा कि देश को आय निर्मित करने के तरीकों के बारे में पता लगाना चाहिए। इक्कानी न कहा कि ''पाकिस्तान में बार-बार उत्पन्न होने वाले आर्थिक संकट का कारण उसका स्वयं में सुधार करने से इंकार करना है।

देश की राष्ट्रीय विचारधारा ने सैन्य व्यय को लगातार इतना बढ़ाया है कि उसे वहन करना मुश्किल है। जेहादी आतंकवाद ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को ब्लॉक कर दिया है।'' उन्होंने आगे कहा कि ''अफगानिस्तान और भारत जैसे पड़ोसी देशों के साथ खराब संबंधों ने व्यापार की संभावनाओं को सीमित कर दिया है। पाकिस्तान को समृद्ध बनने के लिए विवादित राजनीतिक अर्थव्यवस्था से परे जाने की जरूरत है, लेकिन यह फिलहाल दूर की कौड़ी प्रतीत होता है।''

भारत के पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) जे.जे. सिंह ने कहा कि, ''लगता है कि पाकिस्तान स्वयं को बर्बाद करने की कार्यवाही पहले ही कर चुका है।'' सिंह ने कहा कि स्थिति धीरे-धीरे नियंत्रण से बाहर हो रही है और हम यह नहीं जानते कि पाकिस्तान में फिलहाल किसकी तूती बोल रही है। उन्होंने कहा कि जब किसी परमाणु हथियार सम्पन्न देश में नेतृत्व का गंभीर संकट हो तो यह भारत सहित हर किसी के लिए चिंता का विषय है। पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त जी. पार्थसारथी ने कहा कि पाकिस्तान यदि संकट से उबरना चाहता है तो उसे आतंकवाद को प्रोत्साहन देना बंद कर सकारात्मक आर्थिक सहयोग पर फोकस करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ''पाकिस्तान कि समक्ष अब कूटनीति और रणनीति का एक अभूतपूर्व संकट है। इस्लामी दुनिया के उसके मित्र तक अब यह मान चुके है। कि पाकिस्तान को अपने घर को संभालने की जरूरत है और उसे अपनी भूमि तथा पड़ोस में चरमपंथी इस्लामिक गुटों और आतंकवादियों का समर्थन नहीं करना चाहिए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

MARUTI SUZUKI

NEXA

INSPIRATION IS JUST A DRIVE AWAY.

Discover the NEXA range of cars.

CREATE. INSPIRE.

Scan the QR Code to experience the world of NEXA.

Scan the QR code to book your test drive now.

NEXA 7 INSPIRING FUTURE

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO AVAIL EXCITING BENEFITS.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

JAIPUR: **NEXA QUEENS ROAD** (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), **NEXA TONK ROAD** (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), **NEXA AJMER ROAD** (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), **NEXA MANSAROVAR** (AURIC MOTORS PH: 8929207442, 7075270752), **NEXA VKIA SIKAR ROAD** (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), **AJMER:** **NEXA MAKHUPURA** (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), **ALWAR:** **NEXA MANHAR VILLA** (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI:** **NEXA BHIWADI CENTRAL** (FORTUNE CARS PH: 9214794313), **BHILWARA:** **NEXA SUKHADIA CIRCLE** (CHAMPION CARS PH: 8081133333), **BIKANER:** **NEXA JAIPUR ROAD** (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU:** **NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314), **JODHPUR:** **NEXA CHOPASNI ROAD** (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **PALI:** **NEXA PALI SUMERPUR ROAD** (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), **KOTA:** **NEXA AERODROME CIRCLE** (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **JHALAWAR:** **NEXA JHALAWAR SOUTH** (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), **NAGAUR:** **NEXA BIKANER ROAD NAGAUR** (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), **BHARATPUR:** **NEXA BHARATPUR CENTRAL** (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), **SIKAR:** **NEXA SIKAR JAIPUR ROAD** (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), **SRI GANGANAGAR:** **NEXA GANGANAGAR NORTH** (AURIC MOTORS PH: 7412092301), **UDAIPUR:** **NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), **DAUSA:** **NEXA JAIPUR AGRA BYPASS DAUSA** (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), **CHITTORGARH:** **NEXA CHITTORGARH CENTRAL** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).

*T&C apply. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan-India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities.

Scan to know more.

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)